{ विश्वास वही रफ्तार नई }

बालाघाट
सोमवार 04 मई 2026
वैशाख कृष्ण 03 विक्रम सम्वत 2083
वर्ष 16, अंक 219
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

पद्मेश मीडिया समूह का प्रकाशन

बालाघाट एक्सप्रेस

हिन्दी दैनिक

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

खास खबर

शराब घोटाले में 5.39 करोड़ की संपत्ति जब्त

रायपुर। छत्तीसगढ़ शराब घोटाला मामले में प्रवर्तन निदेशालय ने 30 अप्रैल को रायपुर, दुर्ग-भिलाई और बिलासपुर में 13 ठिकानों पर एक साथ छापेमारी की थी। अब तक की कार्रवाई में 53 लाख रुपए कैश, 3.234 किलो सोना और जरूरी डॉक्यूमेंट बरामद किए गए हैं। जिसकी कुल कीमत करीब 5 करोड़ 39 लाख रुपये हैं। यह कार्रवाई प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट के तहत की गई है। ईडी ने प्रेस रिलीज जारी कर इसकी जानकारी दी। हालांकि किस व्यापारी के घर क्या कितना मिला, यह डिस्क्लोज नहीं किया गया है। इस घोटाले में अभी 81 आरोपियों के खिलाफ कोर्ट में सुनवाई चल रही है और अब तक 380 करोड़ की संपत्ति अटैच की जा चुकी है।

फ्लाइट का इमरजेंसी गेट खोलकर कूदा

चेन्नई। चेन्नई इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर रविवार सुबह लैंडिंग के दौरान एयर अरेबिया की चलती फ्लाइट में एक यात्री इमरजेंसी गेट खोलकर नीचे कूद गया। यह फ्लाइट शारजाह से चेन्नई पहुंची थी और इसमें 231 यात्री सवार थे। घटना सुबह करीब 3ः23 बजे हुई। एयरबस ए320 मॉडल की फ्लाइट जी9 471 रनवे से टर्मिनल की ओर बढ़ रही थी। घटना के बाद पायलट ने तुरंत विमान को रोक दिया और एयरपोर्ट अधिकारियों को सूचना दी। इसके बाद सीआईएसएफ, बम निरोधक दस्ते और अन्य सुरक्षा एजेंसियां मौके पर पहुंचीं। सुरक्षा कर्मियों ने आरोपी यात्री को हिरासत में ले लिया है। आरोपी की पहचान 29 साल के मोहम्मद शरीफ मोहम्मद नजमुद्दीन के रूप में हुई है। वह तमिलनाडु के पुडुकोट्टई का रहने वाला है। फिलहाल उससे पूछताछ की जा रही है और उसकी मानसिक स्थिति की भी जांच की जा रही है। घटना के कारण थोड़ी देर के लिए एयरपोर्ट पर ऑपरेशन भी प्रभावित हुआ।

सीमा पार हथियार तस्करी नेटवर्क पकड़ा

अमृतसर। अमृतसर कमिश्नरेट पुलिस ने एक बड़ी सफलता हासिल करते हुए सीमा पार से चल रहे हथियार तस्करी मॉड्यूल का भंडाफोड़ किया है। इस कार्रवाई में पुलिस ने चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है और उनके कब्जे से कुल सात अत्याधुनिक पिस्तौल बरामद की गई हैं। बरामद हथियारों में दो ग्लॉक 9 एमएम पिस्तौल (ऑस्ट्रिया निर्मित), चार .30 बोर पिस्तौल (चीन निर्मित) तथा एक अतिरिक्त .30 बोर पिस्तौल शामिल है। प्रारंभिक जांच में यह सामने आया है कि गिरफ्तार किए गए आरोपी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स के माध्यम से पाकिस्तान स्थित तस्करों के संपर्क में थे।

पश्चिम बंगाल, केरल, तमिलनाडु, असम और केंद्र शासित प्रदेश पुद्दुचेरी में आज होगी मतगणना...

महा-फैसले का दिन, मतगणना केंद्रों पर सुरक्षा के कड़े इंतजाम

5 राज्यों में किसका राजतिलक?

पश्चिम बंगाल की 292, तमिलनाडु की 234, असम की 126, केरल की 140 और पुद्दुचेरी की 30 सीटें

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल, केरल, तमिलनाडु, असम और केंद्र शासित प्रदेश पुदुचेरी में हुए विधानसभा चुनाव की मतगणना सोमवार को होगी। असम की 126, केरल की 140 और पुदुचेरी की 30 सीट के लिए मतदान 9 अप्रैल को हुआ था। तमिलनाडु की 234 सीटों के लिए 23 अप्रैल को और पश्चिम बंगाल की 293 सीटों के लिए दो चरणों में 23 और 29 अप्रैल को वोट डाले गए थे। लेकिन मतगणना 292 सीटों पर ही होगी, क्योंकि फालता विधानसभा सीट पर अब 21 मई को दोबारा मतदान होगा। लगभग सभी राज्यों में कांटे की टक्कर है। ऐसे में पांचों राज्यों में किसका राजतिलक होगा यह दिलचस्प हो गया है।

पांचों राज्यों की कुल 824 सीटों पर हुए इन चुनावों को 2029 लोकसभा चुनाव से पहले बड़ा राजनीतिक टेस्ट माना जा रहा है। सोमवार के नतीजे यह तय करेंगे कि किस राज्य में किस पार्टी की सरकार बनेगी और आगे की राजनीति किस दिशा में जाएगी। सभी राज्यों में मतगणना सुबह 8 बजे पोस्टल बैलेट से शुरू हुई, जिसके करीब आधे घंटे बाद ईवीएम की गिनती शुरू हो गई। पहले रुझान 2-3 घंटे के अंदर सामने आने लगेंगे, जबकि दोपहर तक कई सीटों पर स्थिति साफ हो सकती है। वैसे एग्जिट पोल में केरल, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल जैसे राज्यों में बड़े उलटफेर की संभावना जताई जा रही है। कई पोल करने वालों ने बंगाल में भाजपा को बढ़त दी है, तो केरल में सत्ता परिवर्तन की भविष्यवाणी भी की जा रही है। हालांकि, असम और तमिलनाडु में मौजूदा विधायकों के अपनी सीटें बचाने का अनुमान लगाया गया है।

राज्यों में मुकाबले की स्थिति

पश्चिम बंगाल में सबसे ज्यादा मुकाबला देखा जा रहा है। यहां ममता बनर्जी चौथी बार सरकार बनाने की कोशिश में हैं, जबकि भाजपा पहली बार बहुमत पाने की उम्मीद कर रही है। एग्जिट पोल में भाजपा को बढ़त दिखाई गई है, लेकिन बंगाल में पहले भी अनुमान गलत साबित हुए हैं। तमिलनाडु में मुकाबला दिलचस्प है क्योंकि यहां एक नई पार्टी टीवीके भी चर्चा में है। ज्यादातर एग्जिट पोल डीएमके गठबंधन को आगे दिखा रहे हैं, लेकिन कुछ अनुमान टीवीके को भी मजबूत स्थिति में बताते हैं। ऐसे में यहां बड़ा उलटफेर संभव है। केरल में हर बार सरकार बदलने का ट्रेंड रहा है। इस बार कांग्रेस की अगुवाई वाला यूडीएफ वापसी कर सकता है, जबकि एलडीएफ लगातार दूसरी बार सत्ता में आने की कोशिश कर रहा है। असम में भाजपा तीसरी बार सरकार बनाने की कोशिश में है और एग्जिट पोल भी उसे बढ़त देते नजर आ रहे हैं। वहीं कांग्रेस यहां पीछे दिख रही है। पुडुचेरी में छोटी विधानसभा जरूर है, लेकिन इसका राजनीतिक महत्व कम नहीं है। यहां एनडीए को बढ़त मिलने का अनुमान है। कुल मिलाकर कल का दिन राजनीति के लिहाज से बेहद अहम है। शाम तक साफ हो जाएगा कि किस राज्य में किसकी सरकार बनेगी और कौन-सी पार्टी आगे मजबूत होकर उभरेगी।

काउंटिंग सेंटर्स पर 3 लेयर सुरक्षा व्यवस्था

चुनाव आयोग ने असम, पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, केरल और पुडुचेरी में होने वाली मतगणना के लिए कड़े सुरक्षा इंतजाम किए हैं। सभी काउंटिंग सेंटर्स पर तीन-स्तरीय सुरक्षा व्यवस्था लागू की गई है। आयोग के अनुसार पहले और दूसरे स्तर पर पहचान पत्र की मैन्युअल जांच होगी, जबकि तीसरे और अंतिम स्तर पर क्यूआर कोड स्कैन करने के बाद ही प्रवेश दिया जाएगा। क्यूआर कोड युक्त पहचान पत्र रिटर्निंग ऑफिसर, असिस्टेंट रिटर्निंग ऑफिसर, काउंटिंग स्टाफ, तकनीकी स्टाफ, उम्मीदवारों और उनके चुनाव एजेंटों को जारी किए गए हैं। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के मतों की गिनती 77 मतगणना केन्द्रों पर की जाएगी। चुनाव अधिकारियों ने कहा है कि मतगणना केन्द्रों पर सभी तैयारी पूरी हो गई है और पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए बहु-स्तरीय सुरक्षा व्यवस्था की गई है। पहले, डाक से प्राप्त मतपत्रों की गिनती की जाएगी। इसके बाद इलेक्ट्रॉनिक्स वोटिंग मशीनों के मतों की गिनती होगी। उम्मीदवार, एजेंट और पर्यवेक्षक पूरी मतगणना के दौरान उपस्थित रहेंगे। शुरुआती रुझान सुबह से मिलने शुरू हो जाएंगे और दोपहर तक परिणाम स्पष्ट होने की संभावना है।

बंगाल की फालता सीट पर वोटिंग 21 को

चुनाव आयोग ने पश्चिम बंगाल की फालता सीट पर वोटिंग रद्द कर दी है। यहां पर 29 अप्रैल को दूसरे फेज की वोटिंग के दौरान ईवीएम में गड़बड़ी और हिंसा की खबरें आईं थीं। चुनाव आयोग ने सभी 285 पोलिंग बूथ पर 21 मई को फिर से वोटिंग कराने का निर्देश दिया है। रिजल्ट 24 मई को आएगा। इसी विधानसभा के एक बूथ पर ईवीएम में भाजपा की बटन के आगे टेप लगा मिला था। इससे पहले शनिवार को पश्चिम बंगाल में मगराहाट पश्चिम के 11 बूथों और डायमंड हार्बर के 4 बूथों में दोबारा मतदान हुआ। दोनों विधानसभा क्षेत्र के कुल 15 बूथों पर करीब 90 प्रतिशत वोटिंग हुई।

क्या रिकॉर्ड वोटिंग से बाजी पलट जाएगी?

इस बार पूरे बंगाल में भारी वोटिंग हुई है। आजादी के बाद पूरे देश के हिसाब से एक नया रिकॉर्ड बना है। 2011 में 84 प्रतिशत, 2016 में 82.66 प्रतिशत और 2021 में 81.56 प्रतिशत वोटिंग हुई थी, लेकिन 2026 में वे सारे आंकड़े फीके पड़ गए हैं। इस बार वोटिंग रेट 92 प्रतिशत को पार कर गया है, जिन जगहों पर री-पोलिंग हुई, वहां वोटिंग का ग्राफ हाई है। पहले फेज में 152 सीटों पर 2021 के मुकाबले करीब 21 लाख 11 हजार ज्यादा वोट पड़े (हर विधानसभा में एवरेज 13,800 ज्यादा वोट)। दूसरे फेज में 142 सीटों पर 9 लाख 8 हजार वोट बढ़े।

दिल्ली में 4 मंजिला बिल्डिंग में आग, 9 की मौत

कोई बेड से उठ न सका, कोई सीढ़ियों पर झुलसा, कंकाल बने लोग

नई दिल्ली। दिल्ली के शाहदरा इलाके के विवेक विहार में एक चार मंजिला बिल्डिंग में रविवार सुबह भीषण आग लग गई। हादसे में 9 लोगों की मौत हो गई। इनमें 4 पुरुष, 4 महिलाएं और एक डेढ़ साल का बच्चा शामिल है। घटना के चश्मदीद ने बताया कि आग की चपेट में आने से लोग कंकाल बन गए हैं। उनकी पहचान करना मुश्किल हो गया है। डीएनए टेस्ट के बाद ही उनकी पहचान हो सकती है।

दिल्ली फायर सर्विस के मुताबिक, उन्हें सुबह करीब 3.47 बजे आग लगने की सूचना मिली थी। 4 घंटों की मशक्कत के बाद सुबह करीब 8 बजे आग पर काबू पाया गया। बिल्डिंग के अंदर फंसे 10 से 15 लोगों को बचाया गया। इनमें दो लोग घायल हुए हैं। मृतकों के शव बिल्डिंग के अलग-अलग फ्लोर से बरामद किए गए। स्थानीय पार्षद पंकज लूथरा ने बताया कि कुछ शव इतने बुरे तरह जल चुके हैं कि सिर्फ कंकाल बचा है। डीएनए टेस्ट के बाद ही मृतकों का पता चल पाएगा। हादसे को लेकर कुछ लोगों का कहना है कि शॉर्ट सर्किट के कारण आग लगी। वहीं कुछ स्थानीय लोगों ने बताया कि एसी में धमाके के बाद आग फैली। फिलहाल अधिकारियों की तरफ से असली कारण की पुष्टि नहीं हुई है।

मृतकों के नाम सामने आए

दिल्ली पुलिस के अनुसार, बिल्डिंग के पहले फ्लोर से 1 शव, दूसरे फ्लोर से 5 शव और सीढ़ियों से 3 शव मिले, जहां दरवाजा बंद था। आशंका है कि लोगों ने छत पर भागकर जान बचाने की कोशिश की थी। दूसरे फ्लोर पर मिले मृतकों की पहचान अरविंद जैन (60), उनकी पत्नी अनीता जैन (58), बेटे निशांत जैन (35), बहू आंचल जैन (33) और डेढ़ साल के पोते आकाश जैन के रूप में हुई। तीसरे फ्लोर पर नितिन जैन (50), उनकी पत्नी शैले जैन (48) और बेटे सम्यक जैन (25) मृत पाए गए। पहले फ्लोर पर शिखा जैन (45) का शव मिला, जबकि उनके पति नवीन जैन (48) घायल हो गए। स्थानीय पार्षद पंकज लूथरा ने बताया कि उन्होंने मृतकों के शव देखें हैं। इनमें कौन से शव पुरुष के हैं और कौन सी महिला के, इसकी पहचान करना भी मुश्किल है।

आधार नियमों पर सुप्रीम कोर्ट में आज सुनवाई

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट सोमवार 4 मई को आधार कार्ड जारी करने के नियमों को सख्त बनाने से जुड़ी जनहित याचिका पर सुनवाई कर सकता है। इस याचिका में मांग की गई है कि आधार जारी करने की प्रक्रिया में सख्त गाइडलाइन बनाई जाए ताकि इसका दुरुपयोग रोका जा सके।

जनहित याचिका दायर करते हुए याचिकाकर्ता ने कहा है कि नए आधार कार्ड केवल 6 साल तक के बच्चों को जारी किए जाएं और किशोरों व वयस्कों के लिए अलग नियम बनाए जाएं। जानकारी के मुताबिक इस मामले की सुनवाई मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की बेंच करेगी।

जब तक बेटी को न्याय और दोषी को फांसी नहीं हो जाती कोई हमारे घर ना आए

पुणे दुष्कर्म-हत्या मामलाः बच्ची के पिता की अपील

मुंबई। महाराष्ट्र के पुणे में चार साल की मासूम बच्ची से दुष्कर्म और हत्या की दर्दनाक घटना ने पूरे देश को झकझोर दिया है। इस बीच पीड़ित परिवार की पीड़ा और न्याय की मांग ने एक नया मोड़ ले लिया है। बच्ची के पिता का एक भावुक वीडियो सामने आया है, जिसमें उन्होंने हाथ जोड़कर राजनेताओं से अपील की है कि वे उनके घर न आएं। पीड़ित पिता ने साफ कहा है कि जब तक उनकी बेटी को न्याय नहीं मिल जाता और दोषी को फांसी नहीं हो जाती, तब तक कोई भी नेता संवेदना व्यक्त करने उनके घर न आए। उन्होंने कहा कि यह उनके परिवार की विनम्र अपील है और वे आरोपी को सजा मिलने के बाद ही किसी से मिलेंगे।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक मामले की गंभीरता को देखते हुए महाराष्ट्र सरकार ने सख्त रुख अपनाया है। सीएम देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि सरकार का एकमात्र लक्ष्य आरोपी को मृत्युदंड दिलाना है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि मामले की सुनवाई फास्ट ट्रैक कोर्ट में कराई जाएगी और जल्द से जल्द चार्जशीट दाखिल की जाएगी। वहीं उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने भी पुलिस को निर्देश दिए हैं कि ऐसे पुख्ता सबूत जुटाए जाएं, जिससे आरोपी को किसी भी कानूनी कमी का लाभ न मिल सके।

पुलिस जांच में आरोपी का आपराधिक इतिहास भी सामने आया है। 65 साल आरोपी के खिलाफ पहले भी 1998 में छेड़छाड़ और 2015 में पॉक्सो व हत्या के प्रयास जैसे गंभीर मामले दर्ज हो चुके हैं। हालांकि, 2019 में वह सबूतों के अभाव में बरी हो गया था। पुलिस का कहना है कि आरोपी की प्रवृत्ति लंबे समय से आपराधिक रही है, इसलिए इस बार मजबूत कानूनी घेराबंदी की जा रही है। घटना के खुलासे में सीसीटीवी फुटेज ने अहम भूमिका निभाई। फुटेज में आरोपी बच्ची को बहला-फुसलाकर ले जाते हुए दिखाई दिया, जिसके आधार पर पुलिस ने उसे कुछ ही घंटों में आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी को 7 मई तक पुलिस हिरासत में भेजा गया है। सीएम फडणवीस ने कहा है कि घटना को लेकर लोगों का आक्रोश स्वाभाविक है, लेकिन कुछ लोग इस दुखद स्थिति का राजनीतिक फायदा उठाने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने ऐसे प्रयासों से बचने की अपील करते हुए कहा कि सरकार का पूरा ध्यान पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने पर केंद्रित है। यह मामला न केवल कानून व्यवस्था पर सवाल खड़ा करता है, बल्कि समाज में बढ़ते अपराधों के प्रति सख्त और त्वरित न्याय की जरुरत को भी रेखांकित करता है।

भाजपा नेता की हत्या के मामले में कांग्रेस विधायक कुलकर्णी की सदस्यता रद्द

धारवाड़ विधानसभा सीट रिक्त घोषित

बेंगलुरु। कर्नाटक में भाजपा नेता योगेश गौड़ा की हत्या के मामले में दोषी ठहराए जाने के बाद कांग्रेस विधायक विनय कुलकर्णी को विधानसभा की सदस्यता से अयोग्य घोषित कर दिया गया है। कर्नाटक विधानसभा सचिवालय द्वारा जारी एक आधिकारिक अधिसूचना के अनुसार, कुलकर्णी की सदस्यता 15 अप्रैल 2024 से समाप्त मानी गई है, जिस दिन विशेष अदालत ने उन्हें दोषी करार दिया था। यह कार्रवाई भारतीय संविधान के अनुच्छेद 191(1)(ई) और जनप्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 8 के तहत की गई है।

विधानसभा सचिव एम.के. विशालाक्षी द्वारा जारी इस आदेश में स्पष्ट किया गया है कि अयोग्यता न केवल उनकी सजा की अवधि के दौरान प्रभावी रहेगी, बल्कि जेल से रिहाई के बाद भी अगले छह वर्षों तक लागू रहेगी। यह प्रतिबंध तभी हट सकता है जब किसी उच्च या सक्षम अदालत द्वारा उनकी दोषसिद्धि और सजा पर रोक लगा दी जाए। इस फैसले के बाद धारवाड़ विधानसभा सीट को आधिकारिक तौर पर रिक्त घोषित कर दिया गया है। यह मामला वर्ष 2016 का है, जब 15 जून को धारवाड़ के एक जिम में भाजपा नेता योगेश गौड़ा की निर्मम हत्या कर दी गई थी। गौड़ा को विनय कुलकर्णी का राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी माना जाता था। घटना के समय कुलकर्णी सिद्धारमैया सरकार में कैबिनेट मंत्री थे। शुरुआत में उन पर कोई कार्रवाई नहीं हुई, लेकिन भाजपा द्वारा इसे बड़ा मुद्दा बनाए जाने और जांच केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) को सौंपे जाने के बाद कुलकर्णी की मुश्किलें बढ़ गईं। सीबीआई जांच में उन्हें हत्या की साजिश रचने का मुख्य आरोपी पाया गया। बेंगलुरु की विशेष अदालत ने 15 अप्रैल को कुलकर्णी समेत 16 अन्य लोगों को इस हत्याकांड में उम्रकैद की सजा सुनाई थी।

डेढ़ महीने के अंदर दूसरी बार बिकी राजस्थान रॉयल्स फेंचाइजी

नई दिल्ली। आईपीएल की फेंचाइजी राजस्थान रॉयल्स डेढ़ महीने के अंदर दूसरी बार बिक गई है। मशहूर उद्यमी लक्ष्मी एन मित्तल और उनके बेटे आदित्य मित्तल ने अदार पूनावाला के साथ मिलकर इस टीम को खरीदा। पूनावाला और मित्तल ने 1.65 बिलियन अमेरिकी डॉलर (करीब 15600 करोड़ रुपये से अधिक) की बोली लगाई। अमेरिकी मूल के बिजनेसमैन काल सोमानी के कंसोर्टियम इस दौड़ से हट गए जिसके बाद ये डील पूनावाला और मित्तल ने की। यह करार राजस्थान रॉयल्स परिवार के अन्य लीगों को भी जोड़ता है जिसमें पार्ल रॉयल्स और बारबाडोस रॉयल्स भी शामिल हैं। यह करार तब पूरा होगा जब इसे भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई), सीसीआई और आईपीएल शीर्ष परिषद की बैठक से मंजूरी मिलेगी। माना जा रहा है कि यह करार 2026 की तीसरी तिमाही में पूरा हो सकता है।

कुछ ना कहना

तिरुपति लड्डू विवाद : टीटीडी ने बिना जांच के खरीदा 70 लाख किलो घी

जांच रिपोर्ट में बड़े भ्रष्टाचार का हुआ खुलासा

अमरावती। तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) द्वारा विश्व प्रसिद्ध तिरुपति लड्डू बनाने के लिए इस्तेमाल किए गए घी की खरीद में एक बड़े घोटाले और प्रशासनिक विफलता का खुलासा हुआ है। आंध्र प्रदेश सरकार द्वारा गठित एक सदस्यीय जांच आयोग ने अपनी रिपोर्ट में बताया है कि टीटीडी ने बिना अनिवार्य गुणवत्ता जांच के 70 लाख किलोग्राम से अधिक घी की खरीद की। इस लापरवाही के कारण ही आपूर्तिकर्ताओं को प्रसाद के लिए मिलावटी घी देने का मौका मिला।

मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू द्वारा नियुक्त सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी दिनेश कुमार की अध्यक्षता वाले आयोग ने अपनी रिपोर्ट में स्पष्ट किया कि यह पूरी तरह से प्रशासनिक विफलता थी। रिपोर्ट के अनुसार, टीटीडी के अधिकारियों ने शुरू में भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) के कड़े मानकों को लागू करने की योजना बनाई थी, जिसे जुलाई 2022 से प्रभावी होना था। हालांकि, बाद में नियमों में गुपचुप तरीके से ढील दे दी गई और आपूर्तिकर्ताओं को जरूरी जांचों से छूट प्रदान की गई। इसी छूट का फायदा उठाकर भारी मात्रा में घटिया गुणवत्ता वाला घी खरीदा गया।

आयोग ने पाया कि निविदा (टेंडर) प्रक्रिया के दौरान सुरक्षा मानकों को जानबूझकर कमजोर किया गया। कम कीमत की बोलियों को बिना जांचे स्वीकार किया गया और उन कंपनियों को भी ठेके दिए गए, जिनके पास पर्याप्त उत्पादन क्षमता तक नहीं थी। जांच में सबसे चौंकाने वाला तथ्य यह सामने आया कि अगस्त 2022 की एक लैब रिपोर्ट, जिसमें घी में वनस्पति वसा (वेजिटेबल फैट) की मौजूदगी की पुष्टि हुई थी, उसे अधिकारियों ने दबा दिया। मिलावट सिद्ध होने के बावजूद संबंधित कंपनियों को काली सूची (ब्लैकलिस्ट) में डालने के बजाय उनसे आपूर्ति जारी रखी गई। रिपोर्ट में टीटीडी की अपनी प्रयोगशाला की स्थिति पर भी सवाल उठाए गए हैं। बताया गया कि लैब के आधुनिकीकरण का काम तीन साल तक टाल दिया गया और निरीक्षण समितियों में उन्हीं लोगों को रखा गया जो खरीद प्रक्रिया से जुड़े थे, जिससे स्वतंत्र निगरानी खत्म हो गई। प्रीमियर एग्री फूड्स, एआर डेयरी फूड और भोले बाबा ऑर्गेनिक डेयरी जैसी कंपनियों पर मिलावटी घी और सिंथेटिक केमिकल के इस्तेमाल के गंभीर आरोप हैं। आयोग ने इस पूरी गड़बड़ी के लिए टीटीडी बोर्ड, खरीद समिति के सदस्यों और वरिष्ठ अधिकारियों को सीधे तौर पर जिम्मेदार ठहराया है।

देश की पहली स्पेस सिटी जल्द

आंध्र में इसी महीने से आकार लेगी, यहां दुनिया के लिए रॉकेट बनेंगे

अमरावती। यदि सबकुछ योजना के अनुसार हुआ तो इसी महीने देश की पहली स्पेस सिटी बननी शुरू हो जाएगी। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने पिछले साल इसका आइडिया सामने रखा था। उनकी सरकार अब इसका ब्लू प्रिंट तैयार कर चुकी है। इस 'अंतरिक्ष शहर' में न केवल सैकड़ों छोटी कंपनियां रॉकेट के पुर्जे, सेंसर बनाएंगी, बल्कि स्काईरूट, कल्याणी स्ट्रेटेजिक सिस्टम्स, एचएएफसीएल जैसी बड़ी कंपनियां दुनियाभर के लिए प्राइवेट रॉकेट बनाकर देंगी। सरकार ने यहां 570 एकड़ का स्टार्टअप एक्टिवेशन जोन बनाया है, जिसमें अग्निकुल, कॉसमॉस, पिक्सेल जैसे स्पेस स्टार्टअप भविष्य की अंतरिक्ष संभावनाओं को आकार देंगे। यह सिटी गगनयान जैसे भारत के महत्वाकांक्षी मिशनों के लिए बेस कैंप का काम करेगी। नायडू सरकार ने पांच राज्यों में सरकार गठन के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हाथों स्पेस सिटी की आधारशिला रखने की योजना तैयार की है। स्काईरूट के सीईओ पवन कुमार चंदना ने बताया कि तिरुपति जिले के थोट्टाम्बेडु मंडल के रौथुसुरमाला गांव में 2600 एकड़ जमीन तैयार की जा रही है। यह अंतरिक्ष औद्योगिक क्लस्टर होगा। यहां एयरोस्पेस, रक्षा विनिर्माण, निजी अंतरिक्ष इनोवेशन के अलग-अलग हब बनने हैं। इस पर 3400 करोड़ रु. से ज्यादा खर्च होंगे।

इन कंपनियों के बड़े बेस होंगे

स्काई रूटः स्काई रूट इस प्रोजेक्ट की 'एंकर यूनिट' है। कंपनी ने यहां रॉकेट निर्माण, असेंबली और टेस्टिंग के लिए ?400 करोड़ के निवेश की घोषणा की है। उन्हें 300 एकड़ जमीन मिली है, जहां वे अपने 'विक्रम' सीरीज के रॉकेट तैयार करेंगे।

कल्याणी स्ट्रैटजिक सिस्टम्सः भारत फोर्ज की यह सहायक कंपनी पास ही के मदाकाशिरा धहब में रू. 1,430 करोड़ निवेश कर रही है।

ट्रासपोर्टर की गलती से बारिश में भींगे गेंहू का अधिकारियों किया परीक्षण

13,000 बोरियों में से करीब 115 बोरी गेंहू भींगने का बनाया पंचनामा

विभाग ने ट्रासपोर्टर को जारी किया पत्र 1लाख 72 हजार 500 रु के नुकसान की कही बात, पत्र में कहा- परिवहन देयक से करेंगे नुकसान की भरपाई

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। शनिवार को आँधी तूफान के साथ जिले भर में हुई बारिश ने ,जगह-जगह तबाही मचाई है। जहां इस बारिश के चलते कई कच्चे मकान धराशाही हो गए, तो वही नगर में जगह-जगह पेड़ भी जमीदोज हो गए, वहीं आंधी तूफान के साथ हुई तेज बारिश में रेलवे स्टेशन परिसर में अनलोडिंग के लिए रखा गेहूं भी भींग गया।जहा विदिशा रैक से प्राप्त पी0डी0एस0 गेहूँ को समय पर अनलोड नही कराये जाने के कारण, शासन के पी0डी0एस0 का गेहूं बारिश से खराब होने के संबंध में अब मध्य प्रदेश स्टेट सिविल सप्लाईज कॉरपोरेशन लिमिटेड बालाघाट प्रबंधक द्वारा ट्रासपोर्टर को पत्र जारी कर, बारिश से हुए नुकसान की भरपाई, परिवहन देयक से किए जाने की सूचना दी है। जहां ट्रासपोर्टर को पत्र जारी करने के पूर्व नागरिक आपूर्ति निगम सहित अन्य अधिकारियों ने मौका स्थल का निरीक्षण कर पंचनामा तैयार किया। तो वही नुकसान का आंकलन कर ,परिवहन देयक राशि से, नुकसान की भरपाई को लेकर पत्र जारी किया है। बताया जा रहा है कि अधिकारियों द्वारा किए गए इस निरीक्षण और बनाए गए पंचनामे में 13000 गेहूं की बोरियों में से करीब 115 गेहूं की बोरियों में पानी घुसने की बात सामने आई है, बताया यह भी गया कि उक्त गेहूं को सुखाकर पुन: उसका परीक्षण किया जाएगा, यदि गेहूं उपयोग करने के योग्य होगा, तो उसे वेयरहाउस से जिले की विभिन्न सहकारी उचित मूल्य की दुकान पहुचाया

जाएगा।जहा राशन दुकान के माध्यम से राशन कार्डधारियो कों उक्त गेंहू का वितरित किया जाएगा।बताया यह भी गया कि यदि गेहूं उपयोग के योग्य नहीं होगा तो फिर परिवहन व्यवस्था के तहत दी जाने वाली परिवहन देयक राशि से नुकसान का करीब 1,72,500 की राशि की कटौती की जाएगी। जिसकी सूचना सम्बधित विभाग प्रबंधक द्वारा ट्रासपोर्टर को पत्र जारी कर दी गई है। वही बालाघाट रेक पॉइंट में विदिशा से आए गेहूं को वेयरहाउस में परिवहन कराया गया है। जहां से उक्त गेहूं को उचित मूल्य की दुकान वितरण के लिए पहुंचाया जाएगा।

ट्रासपोर्टर को लिखे पत्र में इन बात का किया गया उल्लेख

विभाग द्वारा ट्रासपोर्टर को जारी किए गए इस पत्र में इस बात का उल्लेख किया गया है की जिलें को विदशा जिलें से पी0डी0एस0 गेंहू की पूर्ति 30 अप्रैल को रैंक के माध्यम से प्राप्त हुई थी। परिवहन निविदा नियमानुसार 09 घण्टे के अंदर दिये गये निर्धारित समयावधि में रैक अनलोड किया जाना था। किन्तु आपके द्वारा निर्धारित समयावधि में रैक खाली नही कराया गया है जिसके कारण लगभग 2 लाख रुपये का डैमरेज लगा है। आपके द्वारा समय पर रैक अनलोड नही कराये जाने से 2 मई की दोपहर अचनाक मौसम खराब होने के कारण तेज बारिश हुई।जिससे रैक पाईन्ट में डम्प लगभग 13000 बोरी गेहूँ बारिश एवं तेज आंधी आने के कारण डम्प गेहूँ में लगभग 100 से 115 बोरी बारिश के पानी से गीली होना पायी गयी है जिसका मौके पर राजस्व अधिकारी, जिला आपूर्ति अधिकारी सहित अन्य द्वारा निरीक्षण किया जाकर पंचनामा बनाया गया है विदित है कि जिलें को पी0डी0एस0 की पूर्ति हेतु गरीब हितग्राहियों के लिए अन्य जिलें से गेहूँ प्राप्त होता है जिसे सुरक्षित परिवहन कर भण्डारण कराया जाना आपका दायित्व है किन्तु आपके द्वारा समय पर रैक अनलोड नही कराने से शासन के पी0डी0एस0 का लगभग 100-115 बोरी गेहूं बारिश से गीला होना पाया गया है जिसे पी0डी0एस0 में वितरण करना संभव हो रहा है।जिसकी राशि 172500/-(एक लाख बहात्तर हजार पांच सौ रु) आपके परिवहन देयक से कटौती की जावेगी। आगे पत्र में इस बात का भी उल्लेख किया गया कि आपको पूर्व में भी रैक लोडिग एवं अनलोडिंग निर्धारित समयावधि में किये जाने हेतु निर्देशित किया जाता रहा है किन्तु आपके द्वारा समयावधि में रैक का कार्य नही किया जा रहा है जिसके कारण निगम का कार्य प्रभावित हो रहा है। पत्र में यह भी लिखा गया कि आगामी दिवस में रैक लोडिंग एवं अनलोडिंग का कार्य निर्धारित समयावधि में करें अन्यथा परिवहन निविदा नियमानुसार कार्यवाही प्रस्तावित की जाकर आवश्यक कार्यवाही हेतु मुख्यालय लिखा जावेगा।

80 प्रतिशत माल का उठाव वेयरहाउस में कर दिया गया है- बलराज सूर्यवंशी

परिवहन कार्य से जुड़े बलराज सूर्यवंशी ने बताया कि बालाघाट रेलवे स्टेशन में 10,000 से अधिक गेहूं की बोरिया विदिशा जिले से आई थी। उसे मालगाड़ी से उतारकर त्रिपाल से ढककर रखा गया था। लेकिन शनिवार की दोपहर आई आंधी तूफान के चलते त्रिपाल उड़ गई थी, कुछ बोरियो में पानी चला गया है,जिसका गेंहू सुखाने के बाद वेयरहाउस पहुंचा दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि यह गेहूं 3 दिन पूर्व विदिशा से बालाघाट आया था, जिसमें से अब तक करीब 80 प्रतिशत गेहूं का परिवहन जिले के विभिन्न वेयरहाउस में कर दिया गया है, जबकि 20 प्रतिशत माल रैक पर पड़ा है।जिसके परिवहन की व्यवस्था बनाई जा रही है।

खाने योग्य होगा तो ही किया जाएगा वितरण- हरीश पुरी

उधर नागरिक आपूर्ति निगम जिला प्रबंधक हरीश पुरी ने बताया कि कल बहुत तेज आंधी तूफान के साथ बारिश हुई थी, यहां विदिशा से आई करीब 13000 बोरिया भींगने की बात सामने आई थी, जिस पर कलेक्टर साहब के निर्देशन पर मुझे, डीएसओ, और एसडीम सहित अन्य को मौका स्थल निरीक्षण के लिए भेजा गया था।हमने मौका स्थल का निरीक्षण कर पंचनामा तैयार कर लिया गया है, आंधी तूफान व बारिश के चलते जहां रखे गेहूं की बोरियो की त्रिपाल उड़ गई थी ,जिससे कुछ बोरिया भींग चुकी है। यहां रखे गेहूं का सुरक्षित परिवहन कराया गया है,बारिश में गेहूं खराब नहीं हुआ है बल्कि सिर्फ बोरियां भींगी है जिसका गेंहू अलग रखवा दिया गया है, यदि वह गेहूं खाने योग्य होगा, तो ही सरकारी उचित मूल्य की दुकान से उसका वितरण कर देंगे, यदि गेंहू खाने योग्य नहीं रहेगा तो नुकसान की भरपाई परिवहन देयक राशि से की जाएगी।

नगर की सुंदरता पर लग रहा ग्रहण, चौक चौराहों व गार्डन के फव्वारे बंद

जगह जगह लगे फव्वारे बने शोपीस, नागरिकों में दिखी नाराजगी

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। नगर की सुंदरता बढ़ाने के उद्देश्य से विभिन्न चौक-चौराहों और गार्डनों में लगाए गए पानी के फव्वारे इन दिनों अपनी बदहाली पर आंसू बहा रहे हैं। अधिकांश स्थानों पर फव्वारे या तो पूरी तरह बंद पड़े हैं या फिर लंबे समय से खराब स्थिति में हैं। हालत यह है कि जहां ये फव्वारे शहर की खूबसूरती बढ़ाने के लिए लगाए गए थे, वहीं अब ये केवल शोपीस बनकर रह गए हैं।बताया जा रहा है कि वर्षो पूर्व नगर पालिका द्वारा लाखों रुपए खर्च कर लगाए गए इन फव्वारों की नियमित देखरेख नहीं की जा रही है। कई जगहों पर पाइपलाइन जाम हो चुकी है, तो कही मोटर खराब हैं या फिर कही बिजली कनेक्शन ही बंद पड़ा है। इसके चलते फव्वारे चालू नहीं हो पा रहे हैं और धीरे-धीरे उनकी हालत और खराब होती जा रही है।

इन स्थानों पर फव्वारों की बदहाल स्थिति

आपको बताए कि नगर के काली पुतली चौक, आम्बेडकर चौक गार्डन, सुभाष गार्डन चौपाटी सहित अन्य स्थानों पर पूर्व में नगर पालिका द्वारा फव्वारे लगाए गए थे। जिसका नियमित संचालन भी नपा द्वारा रोजाना शाम के समय किया जाता था। लेकिन अब यह फव्वारे लंबे समय से बंद पड़े हैं जिसमें से काली पुतली चौक को छोड़कर, चौपाटी सुभाष गार्डन, अंबेडकर गार्डन के फव्वारे पिछले कई वर्षों से बंद पड़े हैं, तो वही काली पुतली चौक में

लगाया गया फव्वारा पिछले कई माह से बंद पड़ा है। जिसके मेंटेनेंस तक पर ध्यान नहीं दिया जा रहा है। इसके अलावा नगर के बस स्टैंड मुलना गार्डन में भी पूर्व में एक फव्वारा सुशोभित होता नजर आता था।लेकिन वह फव्वारा पिछले कई वर्षों से नजर ही नहीं आ रहा है।वहीं जहां फव्वारे नजर आ रहे हैं उनकी स्थिति बदहाल हो चुकी है, जिस पर नगर पालिका का कोई ध्यान नहीं है।

सुंदरता पर पड़ रहा असर

उधर फव्वारों के बंद रहने से न केवल चौक-चौराहों की रौनक फीकी पड़ गई है, बल्कि शहर की समग्र सुंदरता पर भी नकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है।खासकर शाम के समय, जब ये फव्वारे चलने चाहिए थे, वहां अब सन्नाटा पसरा रहता है। तो वही फव्वारों से निकलने वाले पानी के रंगो को प्रदर्शित करने के लिए लगाई गई लाइटिंग भी,कई महीनो से बंद पड़ी हुई है,बल्कि कुछ स्थानों पर लाइटिंग का पूरा सेटअप गायब नजर आ रहा है।

समय समय पर नहीं किया गया मेंटनेंस

नगर के विभिन्न स्थानों पर लगे फव्वारो के बंद होने के चलते नगर पालिका की कार्यप्रणाली पर सवाल उठ रहे है।यदि समय रहते इनकी मरम्मत की गई होती तो शायद सभी फव्वारे आज भी शुरू रहते,वही यदि अभी भी इसकी मरम्मत नहीं की गई, तो यह पूरी तरह नष्ट हो जाएंगे और फिर नए सिरे से फव्वारे लगाने के लिए भारी खर्च करना पड़ेगा।

गर्मी के बाद बनाई जाएगी व्यवस्था- कतरोलिया

इस पूरे मामले को लेकर की गई चर्चा के दौरान मुख्य नगर पालिका अधिकारी बीडी कतरोलिया ने स्वीकार किया कि फव्वारे खराब हैं। मरम्मत कार्य की आवश्यकता है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि आने वाले समय में सभी फव्वारों को पुन: चालू कर दिया जाएगा, जिससे शहर की सुंदरता फिर से लौट सके। चर्चा के दौरान उन्होंने बताया कि काफी ज्यादा पुराने होने से फव्वारे खराब हो चुके हैं,जिनमे मेंटेनेंस की जरूरत है लेकिन वर्तमान समय में ग्रीष्मकालीन सीजन चल रहा है, पानी की समस्या उत्पन्न होती है इसीलिए इस कार्य को गर्मी के बाद किया जाएगा।जिससे पूर्व की भांति सभी फव्वारे शुरू कर दिए जाएंगे।

मप्र में बढ़ा वंदे भारत ट्रेन का जाल

अभी 5 वंदे भारत ट्रेनें दौड़ रही हैं तो अब 5 और ट्रेनें दौडने् को तैयार

भोपाल। रेलवे सर्विस के मामले में मध्य प्रदेश के कदम लगातार आगे बढ़ रहे हैं। वंदे भारत ट्रेन भी मध्य प्रदेश से सरपट दौड़ रही हैं। रेलवे की प्लानिंग के अनुसार मध्य प्रदेश के भोपाल व जबलपुर रेलवे स्टेशन से बहुत जल्द 5 वंदे भारत ट्रेनें दौडने् को तैयार हैं। इसकी तैयारी रेलवे ने पूरी कर ली है। सब कुछ तय कर लिया गया है केवल हरी झंडी मिलनी बाकी है। इसके अलावा सागर, ओरछा और इंदौर से भी वंदे भारत ट्रेन चलाने का प्रस्ताव है।

दो नई वंदे भारत ट्रेनें (भोपाल-लखनऊ और भोपाल-पटना) शुरू होने वाली हैं। ये ट्रेनें जो 8 कोच वाली हैं। ये ट्रेन स्लीपर से लैस हैं। भोपाल से लखनऊ के बीच चलने वाली वंदे भारत में चेयर कार और एग्जीक्यूटिव क्लास की सुविधा है। इसके अलावा भोपाल-पटना वंदे भारत स्लीपर कोच वाली अमृत भारत ट्रेन होगी, जिसमें फर्स्ट, सेकंड और थर्ड एसी बर्थ उपलब्ध होंगी। इसके साथ ही इंदौर-भोपाल-जबलपुर के बीच वंदे भारत स्लीपर चलाने की पूरी तैयारी कर लली गई है। जबलपुर-गोंदिया-चांदा फोर्ट रूट पर भी ट्रेन प्रस्तावित है।

मध्य प्रदेश में अभी 5 वंदे भारत ट्रेनें

अभी मध्य प्रदेश से रानी कमलापति-हजरत निजामुद्दीन के अलावा इंदौर-नागपुर, भोपाल-रीवा, खजुराहो-वाराणसी, और खजुराहो-हजरत निजामुद्दीन वंदे भारत ट्रेनें चल रही हैं। ओरछा से अयोध्या सीधी ट्रेन सेवा के लिए भी प्रयास शुरू कर दिए गए हैं। केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने इसके लिए रेल मंत्री को पत्र लिखा है। ये भी वंदे भारत ट्रेन होगी। इसके अलावा मध्य प्रदेश में तीन रूट पर वंदे भारत चलाने की घोषणा मुख्यमंत्री मोहन यादव कर चुके हैं। इनमें सागर, बैतूल और शाजापुर शामिल हैं।

अमृत भारत एक्सप्रेस ट्रेन अब नियमित

इधर, पश्चिम मध्य रेल के इटारसी रेलवे स्टेशन से गुजरने वाली अमृत भारत एक्सप्रेस ट्रेन अब नियमित रूप से चलेगी। यह साप्ताहिक ट्रेन महाराष्ट्र के लोकमान्य तिलक टर्मिनस को उत्तर प्रदेश के अयोध्या कैंट रेलवे स्टेशन को जोड़ती है। इस ट्रेन का ठहराव इटारसी जंक्शन, जबलपुर रेलवे स्टेशन और सतना जंक्शन समेत कई प्रमुख स्टेशनों पर है। इस ट्रेन में कुल 22 कोच हैं, जिनमें 8 स्लीपर, 11 जनरल, 2 एसएलआरडी और 1 पेंट्रीकार शामिल हैं।

कार्यालय तहसीलदार तहसील लालबर्रा जिला बालाघाट (म.प्र.)

रा.प्र.क्र. 0005/ड-154/2026-27
मौजा कामथी, रा.नि.मं. खमरिया

आम सूचना

एतद् द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक नंदकिशोर भगत पिता धनपाल भगत जाति पंवार, निवासी ग्राम कामथी, तहसील लालबर्रा, जिला बालाघाट द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि मौजा कामथी, रा.नि.मं. खमरिया, तहसील लालबर्रा, जिला बालाघाट में स्थित आवेदक द्वारा अपनी माता बारनबाई पति धनपाल का अनुज्ञा प्रमाण पत्र रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1969 की धारा 12 (2), म.प्र. मृत्यु पंजीयन 1999 नियम 12 (2) प्रावधानों के अंतर्गत उपरोक्त मृत्यु की घटना दिनांक 24.12.1997 मृत्यु की घटना स्थल ग्राम कामथी के अंतर्गत आवेदन पत्र इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है। जिस किसी भी व्यक्ति को आपत्ति हो तो वह दिनांक 04.05.2026 के पूर्व स्वयं या अपने अभिभाषक/अधिवक्ता सहित उपस्थित होकर इस न्यायालय में दावा आपत्ति पेश कर सकते है। नियत तिथि उपरांत प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 29.04.2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पदमुद्रा से जारी किया गया।

स्थान - लालबर्रा
दिनांक - 04.05.2026

भूपेन्द्र अहिरवार
तहसीलदार
तहसील लालबर्रा जिला बालाघाट म.प्र.

ग्राम पंचायत कायदी के जोड़ापाट वार्ड 16 में गहराया जल संकट-एक दर्जन परिवार बूंद-बूंद को मोहताज

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले के वारासिवनी जनपद पंचायत क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत कायदी के जोड़ापाट वार्ड क्रमांक 16 में इन दिनों भीषण जल संकट गहराता जा रहा है। बरबसपुर रोड पर बसे करीब एक दर्जन परिवार पर्याप्त पानी के लिए संघर्ष कर रहे हैं।जिससे उनका दैनिक जीवन बुरी तरह प्रभावित हो रहा।यहां पर एक हैंडपंप है जो पानी नहीं उगल रहा है और नल जल योजना के तहत दिए गए नल से दो-तीन दिन बाद पानी मिलने के कारण इन परिवारों को पर्याप्त जलापूर्ति नहीं हो पा रही है। यदि पड़ोसी सहयोग करना बंद कर दे, तो निश्चित इन परिवारों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ सकता है।

टंकी भरने लगते हैं दो-तीन दिन

ज्ञात होगी ग्राम पंचायत कायदी के अधीन 2 वर्ष पहले जोड़ापाट समीप पहाड़ी किनारे जल जीवन मिशन के तहत लोग स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के द्वारा लाखों रुपए की लागत से पानी की टंकी का निर्माण किया गया है और इस टंकी के लिए। समय समय पर पांच बोर किए गए हैं किंतु पर्याप्त पानी नहीं मिल रहा है। शुरुआती दौर में यहां

के सभी वार्ड के जलापूर्ति होती थी। किंतु बाद में यह व्यवस्था ढप्प होती गई। कहां जा रहा है कि टंकी के पास लगे बोर से पर्याप्त पानी नहीं निकलता जिसके कारण टंकी को भरने में दो-तीन दिन लग जाते हैं। जिसके कारण वार्ड में पर्याप्त पानी समय पर नहीं मिल पाता। ऐसा नहीं की यहां जलापूर्ति नहीं हो सकती यदि पंचायत या संबंधित विभाग चाहे तो स्कूल के सामने लगे दो बोर या फिर मंदिर के सामने लगे दो बोर की मरम्मत कर जल प्रदान किया जा सकता है या फिर बंद पड़े हैंडपंप को ठीक करवा कर भी इन एक दर्जन परिवार में जल की व्यवस्था कर सकती है किंतु न करने के पीछे क्या मकसद है यह तो पता नहीं ।किंतु यह निश्चित है कि जोड़ापाट के बरबसपुर रोड पर एक दर्जन परिवार जल संकट में है और इन परिवारों के लिए पानी की व्यवस्था करना संबंधित विभाग की एक जिम्मेदारी बन जाती है।

इन परिवार को पड़ोसी कर रहे हैं सहयोग

किंतु वार्ड नंबर 16 जोड़ापाट में बरबसपुर रोड़ पर बसे एक दर्जन परिवार की जलापूर्ति की हालत ही निराली है।जहां नल जल योजना का पानी पर्याप्त नहीं मिल पाता दो-तीन दिन बाद पानी मिलने से इन रहवासियों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। इसी मोहल्ले के निवासी नसीर भाई इन परिवारों को सहयोग कर रहे हैं उनके घर लगे बोर से प्रतिदिन यह परिवार पानी अपने घर ले जाते हैं वहीं पड़ोसी राजेश बाजनघाटे के यहां से भी कुछ परिवार पानी ले जाकर जलापूर्ति करते हैं।

इन महिलाओं ने बताई पानी की समस्या

पद्मेश न्यूज़ ने हाल ही में इन परिवारों से मुलाकात की तब उन्होंने अपनी जल समस्या बताई।श्रीमती दुर्गाबाई नेवारे, श्रीमती सुशीला सहारे, श्रीमती नर्मदा टेकाम, श्रीमती हिना गेडाम और श्रीमती गीता सहित अन्य महिलाओं ने बताया हम लोगों को प्रतिदिन लगातार पानी नहीं मिलता ,तीन-चार दिन बाद ही पानी मिलता है जिससे उन्हें भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है यह समस्या पिछले एक साल से आ रही है किंतु गर्मी के दिनों में और भी परेशानी हो जाती है। तीन-चार दिन बाद भी 10 मिनट तो कभी 5 मिनट पानी दिया जाता है जिससे उनकी पूर्ति नहीं हो पाती हम लोगों को पड़ोसी के घर के बोर से पानी लाने बाध्य होना पड़ता है। इस संबंध में उन्होंने सरपंच सचिव से चर्चा भी की थी किंतु उन्होंने बोले की साल भर दिक्कत है। किंतु उसके बाद कहां से पानी देंगे यह पता नहीं।

एक हैंड पंप के बोर में मोटर लगाने से जल समस्या दूर हो सकती है- नसीर खान

इसी मोहल्ले के नसीर खान ने बताया कि सरपंच सचिव से पानी की व्यवस्था करने के लिए बोले थे। नल जल योजना बनी है,लेकिन तीन-चार दिन में एक बार पानी मिलता है।3-4 गुंडी पानी ही मिल पाता है। इसके बाद यहां के परिवार इधर-उधर से पानी की व्यवस्था करते हैं। सरपंच से बात किए थे उन्होंने पीएचसी विभाग से बात करने के संबंध में बोले थे किंतु कोई विकल्प नहीं निकला। नसीर खान का कहना है कि यहां हैंडपंप है बोर में मोटर डाल देंगे तो एक दर्जन परिवार की जल समस्या दूर हो जाएगी।

नया बोर का खनन करवाया गया है जिससे पर्याप्त पानी उपलब्ध होगा- सरपंच प्रतिनिधि जितेंद्र नगरगड़े

इस जल समस्या पर जब सरपंच प्रतिनिधि जितेंद्र नगरगड़े से चर्चा की गई तो उन्होंने दूरभाष पर बताया कि सरपंच के अथक प्रयासों से पानी की समस्या का निराकरण किया जा रहा है उन्होंने कहा कि हाल ही में एक नया बोर का खनन किया गया है। जिसमें पर्याप्त पानी उपलब्ध है। कुछ ही दिनों में बोर से पानी की पाइपलाइन को जोड़ दिया जाएगा जिसके बाद जोड़ापाट वासियों को पर्याप्त पानी उपलब्ध हो पाएगा।

किराये पर उपलब्ध

धनराज कॉम्पलेक्स बालाघाट में प्रथम तल पर दुकानें किराये पर देना है।

महेन्द्र सुराना 94251 38670
ललित बाघरेचा 9424765679

बारबेड वायर (कांटेदार तार) एवं चेन लिंक जाली उचित दाम पर उपलब्ध

लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध

निर्माता
तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स
मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट
फोन:- 07632-243531
मो:- 8989976858, 9425139998

न्यूज गैलरी

तेज आंधी-तूफान का कहर : जर्जर मकान की दीवार-छप्पर गिरने से घायल एक महिला की मौत

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। ग्रामीण थाना क्षेत्र के ग्राम कोसमी टोला में शनिवार दोपहर में तेज आंधी-तूफान के दौरान जर्जर मकान की दीवार व छप्पर गिरने से गम्भीर रूप से घायल एक महिला की जिला अस्पताल में उपचार के दौरान मौत हो गई ।जबकि गम्भीर रूप से घायल दो महिला को हायर सेंटर रिफर कर दिया गया हैं। जिला अस्पताल पुलिस के मृत महिला अंजनी बाई पति लिखन लिल्हारे 68 वर्ष का शव पोस्टमार्टम करवा कर उसके परिजनों को सौंप दिया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार 2 मई को दोपहर में अंजनी बाई लिल्हारे अपने घर में खाना बना रही थीं। उनके पास मेहमान के रूप में आई रजवंती पति उमेदलाल लिल्हारे 55 वर्ष ग्राम पिंडरई निवासी भी बैठी थीं। अचानक तेज तूफान के चलते मकान की पुरानी दीवार ढह गई और दोनों महिलाएं मलबे में दब गईं। वहीं झामेश्वरी पति रामप्रसाद उपवंशी 45 वर्ष अपने घर के छप्पर के नीचे बैठी थीं। इसी दौरान अचानक तेज आंधी-तूफान आया और मकान की जर्जर दीवार भरभराकर गिर गई, जिससे वह मलबे में दबने से घायल हो गई हैं। तीनों को मलबे से तत्काल ही बाहर निकाल कर जिला अस्पताल में भर्ती कराया था। जहां इलाज के दौरान 3 मई की सुबह अंजनी बाई ने दम तोड़ दिया। वहीं रजवंती और झामेश्वरी को को हायर सेंटर रेफर कर दिया गया है। 3 मई को सुबह जिला अस्पताल पुलिस ने मृतिका अंजनी बाई का शव पोस्टमार्टम करवा कर उनके परिजनों को सौंप दिया है और धारा 194 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता के तहत मर्ग कायम कर मर्ग डायरी अग्रिम कार्रवाई हेतु घटना स्थल से संबंधित पुलिस थाना ग्रामीण भिजवा दी है।

विधायक अनुभा मुंजारे ने गर्रा निर्माण कार्यों का लिया जायजा

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। क्षेत्र में विकास कार्यों की रफ्तार और कानून-व्यवस्था की स्थिति को लेकर बालाघाट विधायक अनुभा मुंजारे इन दिनों लगातार दौरे कर रही हैं। बीते दो-तीन दिनों में उन्होंने शहर और ग्रामीण क्षेत्रों के कई महत्वपूर्ण स्थलों का निरीक्षण कर अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि सभी निर्माण कार्य तय समय-सीमा में और गुणवत्ता के साथ पूरे किए जाएं। 3 मई को विधायक ने बालाघाट-लालबर्रा मार्ग पर निर्माणाधीन गर्रा रेलवे ओवर ब्रिज का निरीक्षण किया। इस दौरान नगर पालिका परिषद के पार्षद, अनुविभागीय अधिकारी और लोक निर्माण विभाग के अधिकारी मौजूद रहे। अधिकारियों ने जानकारी दी कि ओवरब्रिज का कार्य अंतिम चरण में है और शेष कार्य शीघ्र पूरा कर इसे जनता के लिए खोल दिया जाएगा। इस पर विधायक ने निर्माण एजेंसी को सख्त निर्देश देते हुए कहा कि किसी भी प्रकार की लापरवाही या गुणवत्ता में कमी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि यह परियोजना शहर के यातायात को सुगम बनाने के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है, इसलिए समय पर इसका पूर्ण होना जरूरी है।

विधायक अनुभा मुंजारे ने एक दिन पहले ही भटेरा रेलवे क्रॉसिंग पर निर्माणाधीन ओवरब्रिज और देवी तालाब की स्वच्छता व्यवस्था का भी जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने जल निकासी, सफाई और रखरखाव को लेकर अधिकारियों को फटकार लगाई और कहा कि जनहित से जुड़े कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी।

हीरापुर मामले में परिवार से मिल सख्त कार्रवाई के दिये निर्देश

दौरे के दौरान विधायक भरवेली क्षेत्र के हीरापुर भी पहुंचीं, जहां हाल ही में नाबालिग किशोरी की मौत का मामला सामने आया था। उन्होंने पीड़ित परिवार से मुलाकात कर संवेदना व्यक्त की और घटना स्थल का निरीक्षण किया। पुलिस अधिकारियों और स्थानीय लोगों के साथ बैठक में उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि दोषियों के खिलाफ कड़ी से कड़ी कार्रवाई की जाए और फरार आरोपियों को जल्द गिरफ्तार किया जाए। विधायक ने भरवेली थाना प्रभारी को निर्देशित करते हुए कहा कि आरोपियों को 24 घंटे के भीतर गिरफ्तार किया जाए। उन्होंने इस घटना को समाज के लिए गंभीर चिंता का विषय बताते हुए कहा कि ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए प्रशासन को और अधिक सतर्क और सक्रिय रहने की आवश्यकता है।

इसके साथ ही उन्होंने जिला पुलिस अधीक्षक से मांग की कि जिले के शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों, विशेषकर भरवेली क्षेत्र में पुलिस गश्त बढ़ाई जाए, ताकि अपराधों पर नियंत्रण किया जा सके और आमजन में सुरक्षा की भावना बनी रहे। विधायक अनुभा मुंजारे ने दिवंगत किशोरी के परिजनों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि इस कठिन समय में वे परिवार के साथ खड़ी हैं। उन्होंने ईश्वर से दिवंगत आत्मा की शांति और परिजनों को दुख सहने की शक्ति देने की कामना की।

दि बुद्धिस्ट सोसायटी ऑफ इंडिया जिला शाखा आज करेंगी कु.अक्षरा घोड़ेसवार का सम्मान

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। दि बुद्धिस्ट सोसायटी ऑफ इंडिया जिला शाखा बालाघाट द्वारा तुरइयापर की बेटी कु.अक्षरा घोड़ेसवार का आज सम्मान किया जाएगा।उनका यह सम्मान कक्षा 10 में 500 में से 498 अंक लाकर मप्र में दूसरा स्थान प्राप्त कर जिले एवं समाज का नाम रोशन करने पर डॉ.भीमराव य.आंबेडकर साहब के हस्ते किया जाएगा। 4 मई को स्थानीय बूढी वार्ड न 13 में मुख्य अतिथि बोधिसत्व डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर जी के पौत्र.डॉ.भीमराव यशवंतराव आंबेडकर साहेब होंगे,अध्यक्षता अशोक कुमार मेश्राम जिलाध्यक्ष करेंगे,प्रमुख अतिथियों में संस्था के कैप्टन प्रवीण निखाड़े अंतरराष्ट्रीय सचिव मुंबई, डॉ.एवं एड.जगदीश गवई,बी.एच.गायकवाड गुरुजी मप्र के पालक मंत्री मुंबई, डॉ.चरनदास ढेंगरे

अध्यक्ष मप्र राज्य शाखा द.बालाघाट,गौतम पाटिल राज्य संगठक भोपाल, सी.एल.बौद्ध राष्ट्रीय संगठक दतिया, आर.सी. दिवाकर अध्यक्ष मप्र उत्तर शिवपुरी,सुबचन राम सेवा निवृत्त आयकर कमिश्नर मुंबई,महिला नेत्री सुश्री रेशम भोयर वरिष्ठ समाज सेवी नागपुर,महेश चौबे पूर्व प्रदेश संगठक मप्र खरगौन, इंजीनियर पद्माकर गणवीर राष्ट्रीय संगठक,भीमराव फूसे विदर्भ प्रदेश अध्यक्ष महाराष्ट्र एवं अन्य पदाधिकारी होंगे।उक्त जानकारी जिलाध्यक्ष अशोक कुमार मेश्राम द्वारा प्रेसविज्ञप्ति जारी कर दी गई है।जिन्होंने जिलेवासियों से उक्त समारोह में उपस्थिति की अपील करते हुए अन्य कार्यक्रमों में उपस्थित रहने की अपेक्षा की है।

जिले के 8 केंद्रों में आयोजित की गई नीट परीक्षा, करीब 3028 परीक्षार्थियों ने लिया भाग

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। रविवार को जिले के 8 परीक्षा केन्द्रो में दोपहर 2 बजे से 5 बजे तक नीट परीक्षा का आयोजन किया गया। इन परीक्षा केन्द्रो में 3028 परीक्षार्थी एनरोल्ड थे। सभी परीक्षार्थी, परीक्षा के 3 घंटे पहले, प्रात: 11 बजे, अपने निर्धारित परीक्षा केंद्र पर पहुंचे। जहां उनकी कड़ी जांच के बाद ही, उन्हें प्रवेश दिया गया।3 मई की दोपहर आयोजित इस परीक्षा में निर्देश के तहत परीक्षार्थी, साधारण कपड़े और पैरों में कम हील की चप्पल पहनकर ही परीक्षा केंद्र पहुंचे थे। उन्हें अपने साथ केवल पारदर्शी पानी की बोतल ले जाने की ही इजाजत मिली।सबसे ध्यान देने वाली जानकारी यह थी कि परीक्षार्थी के लिए केन्द्र में स्टेशनरी सामग्री से लेकर इलेक्ट्रानिक और संचार सामग्री को प्रतिबंधित किया गया था।

इन परीक्षा केन्द्रो में हुई परीक्षा

जिले में आयोजित नीट परीक्षा के लिए बनाए गए परीक्षा केन्द्रो में सीएम राइज सांदीपनि विद्यालय बालाघाट में (600), शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बूढी में (220), कमला नेहरू कन्या महाविद्यालय में (240), शासकीय महारानी लक्ष्मीबाई उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में (480), शासकीय पॉलीटेक्निक कॉलेज में (240), शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय में (480), पीएम श्री केन्द्रीय विद्यालय भरवेली में (288) तथा जटाशंकर त्रिवेदी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में (480) परीक्षार्थियों के बैठने की व्यवस्था की गई थी।

परीक्षा के पूर्व परीक्षार्थियों की गहन जांच

रविवार को जिले के 8 परीक्षा केद्रो में आयोजित नीट की परीक्षा के पूर्व परीक्षार्थियों की गहन जांच पड़ताल की गई। इस दौरान परीक्षार्थियो की परीक्षा केन्द्र में स्टेशनरी सामग्री पेपर, कंपास बॉक्स, प्लास्टिक पाउच, कैलकुलेटर, स्केल, पेनड्राइव, राइटिंग पैड, लॉग टेबल, इलेक्ट्रॉनिक पेन तथा संचार उपकरण मोबाइल फोन, ब्लूटूथ, ईयरफोन, माइक्रोफोन, पेजर सहित अन्य संचार साधनों की बारिकी से जांच की गई। इसके अलावा परीक्षार्थियों के वॉलेट, गॉगल्स, हैंडबैग, बेल्ट, घड़ी, ब्रेसलेट, कैमरा, धातु के आभूषण और खाद्य सामग्री लाने तक की जांच की गई।

परीक्षा शांतिपूर्ण संपन्न- राहुल नायक

आयोजित परीक्षा को लेकर दूरभाष पर की गई चर्चा के दौरान संयुक्त कलेक्टर राहुल नायक ने जानकारी देते हुए बताया कि जिले में 03 मई को नीट प्रवेश परीक्षा का आयोजन 08 परीक्षा केन्द्रों पर किया गया था। कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच परीक्षा संपन्न कराई गई है। जिले में परीक्षा शांतिपूर्ण रही।

बेनाम जिंदगी की दर्दनाक विदाई : 5 दिन जिंदगी से जूझने के बाद रेलवे ट्रैक पर मिले अज्ञात व्यक्ति ने तोड़ा दम

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। अपनों का साथ क्या होता है, यह उस बेनाम युवक की कहानी बता रही है जो जिला अस्पताल में 5 दिन तक जिंदगी और मौत से लड़ता रहा। आखिरकार बिना पहचान, बिना किसी अपने के उसने दुनिया को अलविदा कह दिया। कटंगी रेलवे लाइन पर भटेरा चौकी के पास घायल मिला यह व्यक्ति 2 मई की रात जिंदगी की जंग हार गया।

क्या है पूरा मामला

ज्ञात हो कि 28-29 अप्रैल की दरमियानी रात भटेरा चौकी रेलवे फाटक के पास रेलवे ट्रैक किनारे एक अज्ञात व्यक्ति गंभीर हालत में पड़ा मिला। इस व्यक्ति के सिर और हाथ में गहरी चोटें थीं। सूचना पर उसे तत्काल जिला अस्पताल बालाघाट में भर्ती कराया गया था।करीब 40 वर्षीय यह व्यक्ति पांच दिन तक अस्पताल के बिस्तर पर बेसुध पड़ा रहा। डॉक्टरों के तमाम प्रयासों के बावजूद 2 मई की रात उसने अंतिम सांस ली।

हादसा या अनहोनी-अब भी रहस्य

व्यक्ति किन परिस्थितियों में घायल हुआ यह अब तक साफ नहीं हो पाया है। पुलिस जांच कर रही है कि वह ट्रेन की चपेट में आया था या चलती ट्रेन से गिर गया। फिलहाल घटना की असल वजह रहस्य बनी हुई है।3 मई को अस्पताल पुलिस चौकी ने इस व्यक्ति का शव जिला अस्पताल के फ्रीजर में सुरक्षित रखवा दिया है। व्यक्ति की अब तक पहचान नहीं हो सकी है।जिससे यह मामला और भी मार्मिक हो गया है। जिला अस्पताल पुलिस ने जिले के सभी थानों और आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में सूचना भेजकर परिजनों की तलाश शुरू कर दी है।

जिला अस्पताल पुलिस की अपील

जिला अस्पताल पुलिस ने आम जनों से अपील की है कि आसपास 35 से 40 वर्ष का कोई व्यक्ति लापता है। तो कृपया तत्काल नजदीकी पुलिस थाना या जिला अस्पताल पुलिस चौकी बालाघाट से संपर्क करें। आपकी एक पहल इस बेनाम शख्स को अपनों तक पहुंचा सकती है और उसे सम्मानजनक अंतिम विदाई मिल सकती है।

कोसमी अतिक्रमण कार्रवाई पर उठे सवाल, माहुले बंदुओं ने लगाए प्रशासन पर गंभीर आरोप, प्रेस वार्ता में बोले -

नियमों की अनदेखी कर हटाया गया निर्माण, राजनीतिक दबाव में कार्रवाई का आरोप

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। कोसमी में हुई अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई को लेकर मुकेश माहुले और हितेश माहुले ने स्थानीय सर्किट हाउस में प्रेस वार्ता आयोजित कर प्रशासन की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए। दोनों भाइयों ने बताया कि उनके दिवंगत मामा डाली दमाहे के मकान से अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई नियमों के विरुद्ध की गई है। उन्होंने आरोप लगाया कि तहसीलदार बालाघाट ने राजनीतिक दबाव में आकर उनकी लगभग 10 / 45 डेसिमल जमीन को अतिक्रमण बताकर कार्रवाई की है, जबकि पूरे कोसमी ग्राम पंचायत क्षेत्र में करीब 30 एकड़ जमीन आबादी क्षेत्र में शामिल है। ऐसे में केवल उनकी जमीन पर कार्रवाई करना पक्षपातपूर्ण और गलत है।माहुले बंदुओं का कहना है कि पिछले दो महीनों से उन्हें लगातार परेशान किया जा रहा था और उन पर दबाव बनाया जा रहा था कि वे संबंधित मामले में चल रही कार्रवाई को आगे न बढ़ाएं। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि कुछ राजनीतिक लोगों के प्रभाव में आकर उन्हें केस न लड़ने के लिए कहा गया। हालांकि उन्होंने किसी का नाम स्पष्ट रूप से नहीं लिया, लेकिन इशारों-इशारों में एक बड़े भाजपा नेता की संलिप्तता की बात कही। उन्होंने कहा कि उनके अधीन रहने से इनकार करने के बाद दुर्भावनावश उनके खिलाफ अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की गई। दोनों भाइयों ने प्रशासन से निष्पक्ष जांच की मांग करते हुए न्याय दिलाने की अपील की है।

कोसमी क्षेत्र में तहसील प्रशासन द्वारा की गई अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई के बाद अब मामला तूल पकड़ता जा रहा है। कार्रवाई के विरोध में हितेश माहुले और मुकेश माहुले ने 3 मई को स्थानीय सर्किट हाउस में प्रेस वार्ता आयोजित कर प्रशासन और राजस्व अधिकारियों पर गंभीर आरोप लगाए। प्रेस वार्ता में माहुले बंधुओं ने बताया कि एक दिन पूर्व बालाघाट के तहसीलदार सुनील वर्मा द्वारा कोसमी में अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की गई थी। उनका कहना है कि कोसमी क्षेत्र की लगभग 30 एकड़ भूमि आबादी क्षेत्र में आती है, जहां बड़ी संख्या में लोगों द्वारा अतिक्रमण किया गया है, लेकिन प्रशासन ने चयनात्मक कार्रवाई करते हुए केवल एक मकान को निशाना बनाया। उन्होंने आरोप लगाया कि जिस मकान पर कार्रवाई की गई, वह डाली दमाहे से जुड़े परिवार का है और इसी कारण उसे अतिक्रमण के दायरे में लाकर तोड़फोड़ की गई। माहुले बंधुओं का कहना है कि वे बीते कई वर्षों से डाली दमाहे से जुड़े मामले में कानूनी लड़ाई लड़ रहे हैं और उसी के चलते उन पर दबाव बनाने के लिए यह कार्रवाई करवाई गई है। प्रेस वार्ता में उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि उन्हें इस मामले में समझौता करने के लिए कई बार दबाव डाला गया। कुछ लोगों ने कथित रूप से राजनीतिक संपर्कों का हवाला देते हुए उन्हें समझौते के लिए राजी करने का प्रयास किया, लेकिन जब उन्होंने भाजपा के कुछ नेताओं के संपर्क में आने से इनकार किया, तो सत्ता का इस्तेमाल कर उनके खिलाफ कार्रवाई करवाई गई। मुकेश माहुले ने बताया कि कार्रवाई के दौरान उत्पन्न तनाव और मानसिक दबाव के चलते उन्होंने आवेश में आकर आत्मघाती कदम उठाने की कोशिश की थी, जिसमें उन्होंने अपने ऊपर पेट्रोल डाल लिया था। हालांकि बाद में उन्हें अपनी गलती का एहसास हुआ और उन्होंने ऐसा कदम न उठाने का निर्णय लिया। उन्होंने कहा कि अब वे पूरी तरह कानूनी रूप से अपनी लड़ाई जारी रखेंगे। उन्होंने स्पष्ट कहा कि चाहे प्रशासनिक या राजनीतिक स्तर पर कितना भी दबाव बनाया जाए, वे पीछे नहीं हटेंगे और जिस मामले को लेकर वे संघर्ष कर रहे हैं, उसे अंत तक जारी रखेंगे। माहुले बंधुओं ने यह भी आरोप लगाया कि इस पूरे मामले में उन्हें अपेक्षित राजनीतिक समर्थन नहीं मिल रहा है। उनका कहना है कि उनकी पत्नी स्वयं जनप्रतिनिधि हैं और कांग्रेस से जुड़ी हैं, बावजूद इसके उन्हें अपेक्षित सहयोग नहीं मिला। उन्होंने विशेष रूप से अनुभा मुंजारे का नाम लेते हुए कहा कि उन्हें उनसे समर्थन की उम्मीद थी, लेकिन अब तक ऐसा नहीं हुआ। हालांकि उन्होंने यह भी बताया कि कुछ अन्य कांग्रेसी नेताओं का उन्हें समर्थन मिल रहा है।

वहीं सूत्रों के अनुसार, अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई के दौरान शासकीय कार्य में बाधा उत्पन्न करने के आरोप में संबंधित पक्ष के खिलाफ ग्रामीण थाने में प्रकरण दर्ज करने की तैयारी भी की जा रही है।

चहक दुबे का इसरो के युविका 2026 कार्यक्रम में हुआ चयन

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। आईडियल पब्लिक स्कूल चंदोरी की छात्रा चहक दुबे ने विज्ञान और तकनीक के क्षेत्र में बड़ी उपलब्धि पायी है। आइडियल पब्लिक स्कूल चंदोरी की कक्षा 10 वीं की छात्रा चहक दुबे का चयन इसरो के प्रतिष्ठित युवा वैज्ञानिक कार्यक्रम युविका 2026 के लिए हुआ है। कक्षा 10वीं की छात्रा चहक ने राष्ट्रीय स्तर पर पहचान कायम की है। इस वर्ष देश भर से कुल 456 विद्यार्थियों का चयन किया गया है, जिनमें मध्य प्रदेश से केवल 13 छात्र छात्रायें शामिल हैं। चहक दुबे आइडियल पब्लिक स्कूल चंदोरी की इकलौती छात्रा हैं 12 दिवसीय विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम के तहत चहक को इसरो के केंद्रों पर 12 दिनों का प्रशिक्षण दिया जाएगा। उन्हें रॉकेट लॉन्चिंग, उपग्रह प्रक्षेपण और आधुनिक अंतरिक्ष प्रौद्योगिकियों को करीब से देखने और देश के शीर्ष वैज्ञानिकों से सीधे संवाद करने का अवसर मिलेगा। चहक की इस उपलब्धि के पीछे उनकी शैक्षणिक उत्कृष्टता, वैज्ञानिक दृष्टिकोण और विज्ञान के प्रति उनकी गहरी रुचि रही है। आइडियल पब्लिक स्कूल चंदोरी के प्राचार्य अब्दूल रब कुरैशी सहित समस्त स्टाफ ने चहक दुबे की इस ऐतिहासिक सफ्लता पर उन्हें बधाई दी है। प्राचार्य ने कहा है की चहक की यह उपलब्धि अन्य छात्रों के लिए प्रेरणा का स्रोत बनेगी और उन्हें बड़े सपने देखने के लिए प्रोत्साहित करेगी।

महान् तपस्वी महायोगी श्री दादागुरू जी का नगर आगमन 17 को

जगह जगह होंगा भव्य स्वागत, श्री विष्णुधाम हीरापुर में आयोजित विभिन्न कार्यक्रमो में होंगे शामिल

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। मां नर्मदा के भाव से प्रेरित धर्म जागरण महाअभियान के तहत सिद्धपीठ विष्णुधाम मंदिर हीरापुर भरवेली में 17 मई को महा धर्मसभा व महासंकल्प यात्रा का आयोजन किया गया है। कार्यक्रम में अवधूत सिद्ध महायोगी श्री दादागुरू जी का आगमन हो रहा है।कार्यक्रम को लेकर आयोजन समिति द्वारा तैयारियां की जा रही है। जिसकी तमाम जानकारी रविवार को नगर के सर्किट हाउस में आयोजित एक पत्रकार वार्ता में आयोजन समिति के पदाधिकारियो द्वारा दी गई।इस संबंध में आयोजन समिति के पदाधिकारी किरण भाई त्रिवेदी ने बताया कि श्री विष्णुधाम हीरापुर में विश्व की 205 फीट ऊंची दिव्य श्री हनुमान प्रतिमा एवं भव्य मंदिर निर्माण किया जा रहा है। इस संकल्प को पूर्ण करने व एक नई आध्यात्मिक ऊर्जा प्रदान करने के लिए अवधूत सिद्ध महायोगी दादा गुरू का विष्णुधाम मंदिर हीरापुर आगमन हो रहा है। श्री दादागुरू का बालाघाट जिले में प्रथम आगमन होगा। उन्होंने बताया कि 17 मई को शाम 4 बजे से महासंकल्प यात्रा विश्वकर्मा मंदिर आंवलाझरी से प्रारंभ होगी वही शाम 7 बजे से रात 8 बजे तक विष्णुधाम मंदिर हीरापुर में संत प्रवचन व सनातर जागरण का संदेश होगा। जिसका उद्देश्य सनातन धर्म के प्रति जन जागरण, राम भक्ति व हनुमान शक्ति का प्रसार एवं प्रस्तावित 205 फीट हनुमान प्रतिमा निर्माण हेतु महासंकल्प सुदृढ़ करना है। जिससे पूरे क्षेत्र में आध्यात्मिक उत्साह एवं श्रद्धाभाव का वातावरण निर्मित होगा।

जगह-जगह होगा स्वागत

अवधूत सिद्ध महायोगी श्री दादागुरू के बालाघाट आगमन पर सिवनी से रास्ते में जगह-जगह उनका भव्य स्वागत किया जाएगा। वे विश्वकर्मा मंदिर आंवलाझरी से निकाली जा रही महा संकल्प यात्रा व संत प्रवचन में प्रमुख रूप से मौजूद रहेंगे। बता दें कि श्री दादागुरु जी द्वारा 5 नवम्बर 2025 (कार्तिक पूर्णिमा) से पावन नर्मदा नदी की सेवा परिक्रमा प्रारंभ की गई है।वही 11 मार्च 2026 को ओंकारेश्वर में हजारों परिक्रमावासियों के साथ उनकी अखंड निराहार मां नर्मदा सेवा परिक्रमा का चतुर्थ चरण पूर्ण हुआ। वे करीब 1800 दिनों से निराहार तप में स्थित हैं, जो वर्तमान युग में अद्वितीय तप, त्याग एवं संकल्प का दिव्य उदाहरण है। दादागुरू महज मां नर्मदा के पावन जल का ही सेवन करते हैं। ऐसे महान् तपस्वी संत का जिले में आगमन होना गौरव का क्षण है। आयोजित पत्रकार वार्ता के दौरान नरेन्द्र महाराज, डब्बूलाल नागेश, अमरसिंग धानेश्वर, शैलेन्द्र कुमार सेन, पवन मरकाम, विजेश बावने, अनिल बिसेन, अभिजीत तुरकर, अंकित शिववंशी, संतोष अर्जुनवार, रवि बरमैया, नंदकिशोर शिववंशी, दानीश शिववंशी, शक्ति नामदेव, शिवपाल टेंभरे, लिखेश्वर मसकरे, राजेंद्र शिववंशी सहित आयोजन समिति के अन्य पदाधिकारियों व सदस्यों ने 17 मई को आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों में शामिल होने की अपील की है।

आस-पास की खबरें

विधायक अनुभा मुंजारे के प्रयास से नल जल योजना स्वीकृत - अनीस

लालबर्रा में पानी टंकी का निर्माण एवं नई पाईप लाईन बिछेगी

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। लालबर्रा नगर मुख्यालय की ग्राम पंचायत पांढरवानी सहित 14 ग्रामों के लिए नई सामूहिक नल जल

योजना व नई पानी टंकी की स्वीकृति की सौगात क्षेत्रीय विधायक श्रीमती अनुभा मुंजारे के प्रयास से स्वीकृत हुई है - उक्ताशय की जानकारी देते हुए विधायक प्रतिनिधि, ग्राम पंचायत पांढरवानी सरपंच अनीस खान ने बताया कि नगर मुख्यालय लालबर्रा सहित ग्रामों में विधायक अनुभा मुंजारे जी की बड़ी सौगात मिली है। जिसमें ग्राम पंचायत पांढरवानी लालबर्रा में लगभग 40 वर्ष पुरानी एस्बेस्टस पाईप लाईन को बदलकर नई पाईप लाईन बिछेगी। इसके साथ ही ग्राम पंचायत पांढरवानी लालबर्रा में नई पानी टंकी का निर्माण भी होगा। साथ ही लालबर्रा क्षेत्र की 14 ग्रामों में नई पाईप विस्तार कार्य सहित पचास हजार किलो लीटर पानी की क्षमता वाली टंकियों का निर्माण भी होगा। श्री खान ने बताया कि अकेले ग्राम पंचायत पांढरवानी लालबर्रा में 17 किमी की नई पाईप लाईन बिछेगी। ज्ञात हो कि क्षेत्रीय विधायक अनुभा मुंजारे से ग्रामीणों व क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों द्वारा उक्त कार्य नल जल की स्वीकृति हेतु अनेकों बार मांग की गई थी। जिसे विधायक अनुभा मुंजारे जी के प्रयास से स्वीकृत किया गया है। क्षेत्र की जनता ने बालाघाट विधायक श्रीमती अनुभा मुंजारे का आभार जताया है।

चिचगांव हाई स्कूल के पास देखा गया हिंसक वन्यप्राणी बाघ

जंगल से लगे ग्रामों के समीप बाघ का बना है मूवमेंट, ग्रामीणजन दहशत में, वन विभाग से पकड़कर घने जंगल में छोड़ने की मांग

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा।

नगर मुख्यालय से लगभग 8 किमी. दूर सोनेवानी वन्यजीव परिक्षेत्र से सटे ग्राम चिचगांव स्थित शासकीय हाई स्कूल के बाउण्ड्रीवाल के अंदर घुसते हुए बीती रात एक हिंसक वन्यप्राणी बाघ दिखाई दिया है। साथ ही गांव के नजदीक भी बाघ का मूवमेंट बना हुआ है, जिससे पूरे क्षेत्र में सनसनी फैल गई है। वहीं बाघ को गांव के शासकीय हाई स्कूल के समीप विचरण करते हुए देखा गया है। जिसकी मार्ग से गुजरते समय आने-जाने वाले ग्रामीण ने मोबाइल में उसकी फोटो भी कैद किया है, साथ ही अन्य लोगों ने भी देखा है। जिसके बाद से ग्रामीणजन दहशत में जी रहे है। इस दौरान अगर कोई व्यक्ति एवं मवेशी उसके संपर्क में आ जाते तो उनके साथ बड़ी अप्रिय घटना घटित हो सकती थी। बाघ उन पर हमला कर सकता था किन्तु लोगों की आहट मिलने पर वह स्कूल के पीछे झाड़ियों की ओर चले गया। जिसके बाद वन विभाग को घटना की जानकारी दी गई। वहीं वन विभाग के द्वारा गश्त कर ग्रामीणजनों को अकेले स्कूल के पीछे एवं जंगल की ओर जाने से मना किया है। साथ ही जंगल से लगे ग्रामों के समीप बाघ की बार-बार दस्तक देने से ग्रामीणजन दशहत में जी रहे है। ग्रामीणजनों ने वन विभाग से गश्त कर बाघ को सुरक्षित पकड़कर घने जंगल की ओर छोड़ने की मांग की है।

शादी समारोहों के बीच बढ़ा खतरा

वर्तमान में वैवाहिक कार्यक्रमों का दौर जारी है। ऐसे में ग्रामीण देर रात तक एक गांव से दूसरे गांव आवागमन करते हैं। चिचगांव में भी शादियों के चलते देर रात तक लोगों की चहल-पहल बनी रहती है। हिंसक वन्यप्राणी की मौजूदगी ने इस उत्सव के माहौल को डर में बदल दिया है। ग्रामीणों को डर है कि अंधेरे में किसी भी समय बाघ हमला कर सकता है, जिससे कोई बड़ी अनहोनी हो सकती है। गौरतलब है कि सोनेवानी वन्यजीव अनुभव क्षेत्र अब वन्य प्राणियों के लिए एक सुरक्षित ठिकाना बन चुका है। वन क्षेत्र से सटे होने के कारण इन गांवों में जंगली जानवरों का आना अब एक सामान्य प्रक्रिया बन गई है। हालांकि, रिहायशी इलाकों के भीतर बाघ का इस तरह पहुंचना सुरक्षा पर बड़े सवाल खड़े करता है। जबकि पूर्व में वन्यप्राणी बाघ ने दर्जनों मवेशियों का शिकार कर चुका है और गर्मी के दिनों में गांव के नजदीक दस्तक देने के बाद किसी भी समय बडे हादसे को अंजाम दे सकता है इसलिए वन विभाग को गश्ती बढ़ाकर उसे घने जंगल की ओर खदेड़ना चाहिए। वहीं वन विभाग के अधिकारियों का कहना है कि बीती रात्रि में चिचगांव के हाई स्कूल के समीप बाघ को देखा गया है। जिसके बाद वह घने जंगल की ओर चले गया। वहीं चिचगांव ग्राम जंगल से लगा हुआ है, विचरण करते हुए स्कूल के समीप बाघ पहुंच गया होगा लेकिन वर्तमान में उक्त स्थान में उसका मूवमेंट नही है वह घने जंगल की ओर चले गया है। घबराने की कोई बात नही है।

इनका कहना है

सोनेवानी वन्यजीव परिक्षेत्र से लगे ग्राम चिचगांव स्थित है, बीती रात्रि में स्कूल के समीप बाघ को विचरण करते हुए देखा गया है। जिसकी जानकारी मिलने के बाद उस क्षेत्र में गश्त की गई किन्तु वह दिखाई नही दिया, घने जंगल की ओर चले गया है। लेकिन ग्रामीणजनों से अपील है कि अकेले जंगल एवं खेत की ओर न जाये।

श्रीमती सीता भलावी
रेंजर
दक्षिण सामान्य वन मंडल लालबर्रा।

बुद्ध पूर्णिमा पर राहगीरों के लिए शीतल जल प्याऊ का किया शुभारंभ

पद्मेश न्यूज। किरनापुर। तहसील मुख्यालय ग्राम पंचायत किरनापुर स्थित बाबा साहब डॉ भीमराव अम्बेडकर बस स्टैण्ड किरनापुर मे सत्यशोधक वेलफेयर फाउंडेशन द्वारा बुद्ध पूर्णिमा पर्व के पावन अवसर पर भीषण गर्मी को दृष्टिगत रखते हुए आने जाने वाले राहगीरों के प्यासे कंठ को तर करने एवं प्यास बुझाने शीतल जल प्याऊ का शुभारंभ किया गया। बुद्ध पूर्णिमा महोत्सव कार्यक्रम के दौरान सत्यशोधक वेलफेयर फाउंडेशन के सदस्यों द्वारा उपस्थित जनसमुदाय को शरबत का भी वितरण किया गया इस दौरान इस पुनित एवं पावन कार्य के संचालन मे राहुल गजभिए, पंकज वासनिक, आर्यन वंजारी, निखिल रनगिरे सहित समस्त सदस्य साथियों का सहयोग प्राप्त हो रहा हैं।

संविधान फाउण्डेशन समिति की बैठक 10 को

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय के बालाघाट रोड़ स्थित लॉन में आगामी 10 मई को दोपहर 1 बजे से संविधान फाउण्डेशन बालाघाट एवं तहसील लालबर्रा समिति की आवश्यक बैठक आहुत की गई है। चर्चा में आयोजन समिति के पदाधिकारी अशोक गेडाम ने बताया कि 10 मई को बालाघाट रोड़ स्थित लॉन में आयोजित बैठक में संविधान फाउण्डेशन एवं तहसील लालबर्रा समिति द्वारा किये जाने वाले कार्य, संगठन को मजबूती प्रदान करने, सम्राट अशोक जी की मूर्ति लालबर्रा में स्थापना करने पर चर्चा की जायेगी। साथ ही कक्षा 10 वीं, 12 वीं में 75 प्रतिशत से अधिक अंक लेकर उत्तीर्ण विद्यार्थियों का सम्मान किया जायेगा। इस अवसर पर समिति के पदाधिकारी, सदस्य एवं क्षेत्रीयजनों से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचने की अपील अशोक गेडाम ने की है।

टीबी मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत स्क्रीनिंग शिविर का हुआ आयोजन

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। टीबी मुक्त भारत अभियान 2.0 के अंतर्गत विकासखंड लालबर्रा के विभिन्न ग्रामों में स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। इसी कड़ी में ग्राम पंचायत पांढरवानी के पंचायत भवन में रविवार को आयुष्मान आरोग्य (स्क्रीनिंग) शिविर का आयोजन किया गया। आयोजित शिविर में चिकित्सकों के द्वारा विशेष रूप से क्षय रोग (टीबी) की पहचान के लिए ग्रामीणों की स्क्रीनिंग की गई। स्वास्थ्य विभाग की टीम द्वारा संभावित मरीजों के छाती का एक्स-रे किया गया। इस दौरान 21 लोगों की जांच की गई किन्तु जांच के पश्चात टीबी के एक भी मरीज नही पाये गये। खंड चिकित्सा अधिकारी डॉ. रितु धुर्वे के मार्गदर्शन में आयोजित इस शिविर में डेटा प्रबंधन पर विशेष जोर दिया गया। जांच के दौरान प्राप्त सभी आंकड़ों को तत्काल निक्षय पोर्टल, एन.सी.डी. पोर्टल और यू-विन पोर्टल पर ऑनलाइन दर्ज किया गया। वहीं शासन के निर्देश है कि टीबी के नये मरीजों की पहचान करना है इसलिए लालबर्रा विकासखण्ड के 42 संभावित पंचायत क्षेत्र में स्क्रीनिंग (आयुष्मान आरोग्य) शिविर का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें रविवार को ददिया, घोटी एवं पांढरवानी पंचायत में शिविर आयोजित कर लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया है।

100 दिवसीय अभियान का हिस्सा

उल्लेखनीय है कि यह शिविर शासन द्वारा संचालित 100 दिवसीय टीबी मुक्त भारत अभियान का हिस्सा है। इसका मुख्य उद्देश्य उच्च जोखिम वाले क्षेत्रों और वार्डों में जाकर टीबी के मरीजों की पहचान करना और उन्हें उपचार उपलब्ध कराकर समाज को इस बीमारी से मुक्त करना है। वहीं आयोजित शिविर में स्वास्थ्य कर्मियों ने ग्रामीणों को जानकारी दी कि यदि किसी व्यक्ति को दो सप्ताह से अधिक समय तक खांसी, शाम के समय बुखार आना या वजन कम होने जैसे लक्षण महसूस हों, तो उन्हें तुरंत नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र में जांच करानी चाहिए। टीबी का पूर्ण उपचार संभव है और शासन द्वारा इसकी दवाइयां नि:शुल्क उपलब्ध करवाई जाती हैं। वहीं टीबी बीमारी के प्रति लोगों को जागरूक भी किया जा रहा है एवं बचाव के उपाय भी बताये जा रहे है। चर्चा में स्वास्थ्य विभाग की एटीएस श्रीमती पूजा विश्वकर्मा ने बताया कि 3 मई को टीबी मुक्त भारत अभियान का शुभारंभ किया गया है और लालबर्रा के 42 ग्रामों के सैंट्रल टीबी डिवाजन द्वारा नामांकित किया गया।

जिसके अंतर्गत उच्च जोखिम जनसंख्या वाले पंचायतों में आयुष्मान आरोग्य (स्क्रीनिंग) शिविर का आयोजन कर टीबी की जांच की जा रही है। जिसका मुख्य उद्देश्य है कि टीबी मुक्त भारत बनाना है इसलिए नये मरीज के पहचान की जा रही है ताकि उनका उपचार समय पर हो सके। श्रीमती विश्वकर्मा ने बताया कि रविवार को ददिया, घोटी एवं पांढरवानी पंचायत में शिविर आयोजित कर जांच की गई। पांढरवानी सरपंच अनीस खान ने बताया कि शासन के निर्देश पर स्वास्थ्य विभाग के द्वारा टीबी जांच हेतु शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें 21 लोगों की जांच की गई ताकि टीबी से ग्रसित लोगों की पहचान कर सके और लोगों से अपील है कि जांच अवश्य करवाये ताकि टीबी के लक्षण है तो उसका इलाज भी हो सकता है और वे स्वस्थ हो सकते है। इस अवसर पर पांढरवानी सरपंच अनीस खान, स्वास्थ्य विभाग से श्री माहले, जावेद मिर्जा, एटीएस पूजा विश्वकर्मा, बलदेव कुतराहे, अनिता मानेश्वर, प्रीति खरे, कृष्णा पंचेश्वर, ममता रंगारे, मीरा पंचेश्वर सहित ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

बेलगांव-बकोड़ा मार्ग पर नाले में रैलिंग नहीं, बड़ी दुर्घटना की आशंका

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय से लगभग 4 किमी दूर ग्राम पंचायत बेलगांव से बकोड़ा पहुंच मार्ग पर राहगीरों की सुरक्षा दांव पर लगी है। इस मार्ग के बीच से एक नाला गुजरता है, जहां सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम न होने से हर समय हादसे का डर बना रहता है। विशेष बात यह है कि जिस स्थान पर नाला है, वहां सड़क पर एक मोड़ है जो दुर से दिखाई नही देता है। यानि कि नाले के दोनों ओर सुरक्षा रैलिंग या पुख्ता पुलिया का अभाव है, जिससे वाहन चालकों को दूर से नाले की गहराई का अंदाजा नहीं लग पाता। जिसके कारण आने-जाने वालों को आवागमन करने में परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। साथ ही हर समय बड़ी दुर्घटना होने की संभावना बनी हुई है और पूर्व में हादसे भी घटित हो चुके है। लेकिन जिम्मेदारों के द्वारा इस समस्या की ओर कोई ध्यान नही दिया जा रहा है जिससे ग्रामीणजनों एवं राहगीरों में शासन-प्रशासन के प्रति आक्रोश व्याप्त है।

दुर से दिखाई नही देता नाला, जिम्मेदार मौन

आपकों बता दे कि बेलगांव से बकोड़ा पहुंच मार्ग का निर्माण विगत वर्ष पूर्व सड़क विभाग के द्वारा करवाया गया है। लेकिन मार्ग के बीच से गुजरे नाले के दोनों साईड में सुरक्षा की दृष्टि से रैलिंग एवं पुलिया नही बनाया गया है, न ही कोई संकेतक बोर्ड लगाया गया है कि आगे मोड़ाई एवं नाला है धीरे चले। साथ ही नाले के पास से सड़क के किनारे की पटरी भराई (शोल्डर फिलिंग) का कार्य भी गुणवत्तापूर्ण नही किया गया है। आधा अधुरा किया गया है जिसके कारण पटरी किनारे गड्ढा होने से अगर वाहन पटरी में आती है तो वह अनियंत्रित होकर सीधे नाले के अंदर जा सकती है जिससे बड़ी दुर्घटना होने की संभावना बनी हुई है। जबकि सड़क निर्माण के समय नाले के दोनों साईड में सुरक्षा की दृष्टि से रैलिंग का निर्माण कर देना था या संकेतक बोर्ड लगाया जाना था परन्तु ऐसा कुछ नही किया गया है जिसके कारण नाले के समीप से गुजरते समय लोगों के मन पर दुर्घटना होने का डर बना रहता है। साथ ही किसी भी समय बड़ा हादसा घटित हो सकता है। वहीं ग्रामीणों कहना है कि सड़क किनारे की पटरी भराई का कार्य भी ठीक तरीके से नही हुआ है एवं मोड़ होने के कारण सामने से आने वाले वाहनों को साईड देते समय पहिया सड़क से नीचे उतरते ही अनियंत्रित होकर सीधे 10 फीट गहरे नाले में गिरने का खतरा बना रहता है। रात के समय स्थिति और भी गंभीर हो जाती है क्योंकि अंधेरे में नाला दिखाई नहीं देता।

शादी का सीजन और मंडी आवागमन से बढ़ा दबाव

वर्तमान में वैवाहिक कार्यक्रमों का दौर चल रहा है, जिसके चलते इस मार्ग पर रात-दिन बड़ी संख्या में लोगों का आवागमन बना हुआ है। इसके अतिरिक्त बकोड़ा स्थित कृषि उपज मंडी में इन दिनों चना खरीदी जारी है। बड़ी संख्या में किसान अपने ट्रैक्टर-ट्रॉली और अन्य वाहनों के माध्यम से उपज लेकर इसी मार्ग से गुजर रहे हैं। भारी वाहनों के लिए यह संकरा और असुरक्षित मोड़ किसी बड़ी अनहोनी का कारण बन सकता है। ग्रामीण एवं राहगीरों ने बताया कि लंबे समय से इस समस्या की ओर ध्यान आकर्षित करवाया जा रहा है, लेकिन जिम्मेदार अधिकारी मौन साधे हुए हैं। शासन-प्रशासन की इस अनदेखी से ग्रामीणों में आक्रोश व्याप्त है। ग्रामीण एवं राहगीरों ने जनहित में नाले के दोनों ओर तत्काल मजबूती रैलिंग लगाई जाने और मोड़ के पहले चेतावनी/संकेतक बोर्ड स्थापित करने की मांग शासन-प्रशासन से की है ताकि भविष्य में किसी भी अप्रिय घटना को रोका जा सके।

आस-पास की खबरें

दिव्यांग युवती से छेड़छाड़ करने वाला आरोपी गिरफ्तार , न्यायालय ने भेजा जेल

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। वारासिवनी थाना क्षेत्र के अंतर्गत मानवता को शर्मसार करने वाला एक मामला सामने आया है। यहाँ एक 24 वर्षीय असहाय , मूकबधिर और मानसिक रूप से कमजोर दिव्यांग युवती के साथ छेड़छाड़ करने के आरोप में पुलिस ने त्वरित कार्यवाही करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर

जेल भेज दिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार घटना उस समय की है जब पीड़िता के पड़ोस में एक विवाह कार्यक्रम का आयोजन चल रहा था। घर और मोहल्ले के सभी लोग शादी के उत्सव में मग्न थे। इसी शोर शराबे और भीड़ का फायदा उठाते हुए रंगलाल पिता भाऊलाल गौतम उम्र 28 वर्ष ने घिनौनी वारदात को अंजाम दिया। आरोपी ने पीड़िता की लाचारी का फायदा उठाते हुए उसे अश्लील इशारे कर अपने पास बुलाया। बताया जा रहा है कि आरोपी ने गलत नीयत से युवती का हाथ पकड़ लिया और उसके साथ छेड़छाड़ शुरू कर दी। युवती भले ही मूकबधिर और मानसिक रूप से कमजोर थी लेकिन उसने आरोपी की इस हरकत का कड़ा विरोध किया। बालिका के कड़े प्रतिरोध और पकड़े जाने के डर से आरोपी रंगलाल गौतम अपनी इज्जत खराब होने के भय से मौके से फरार हो गया। घटना के बाद पीड़िता ने इशारों और अन्य माध्यमों से आप बीती अपने परिजनों को बताई। परिजनों ने तत्काल पीड़िता को साथ लेकर वारासिवनी थाने पहुँचकर लिखित शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए आरोपी रंगलाल गौतम के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न सुसंगत धाराओं के तहत अपराध पंजीबद्ध किया। पुलिस ने सक्रियता दिखाते हुए आरोपी को घेराबंदी कर गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी के बाद आरोपी को वारासिवनी न्यायालय के समक्ष पेश किया गया जहाँ से विद्वान न्यायाधीश ने मामले की गंभीरता को देखते हुए आरोपी को जेल भेजने के आदेश जारी कर दिए हैं।

आवास योजना की किस्तों में देरी से ग्रामीणों में भारी आक्रोश

हितग्राही को बारिश से पहले घर बनाने की चिंता

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी।

केंद्र और राज्य शासन की महत्वाकांक्षी प्रधानमंत्री आवास योजना आवास प्लस सूची 2018 के अंतर्गत वर्ष 2025-26 के लिए वारासिवनी जनपद की 60 ग्राम पंचायतों में 1779 पात्र हितग्राहियों को एक साथ आवास की स्वीकृति तो मिल गई। लेकिन जमीनी स्तर पर पहली किस्त के आवंटन में हो रही देरी अब विवादो का कारण बनती जा रही है। प्राप्त जानकारी के अनुसार क्षेत्र की 60 पंचायतों में स्वीकृत कुल 1779 आवासों के सापेक्ष अब तक लगभग 1300 से अधिक हितग्राहियों के खातों में ही राशि का आवंटन किया जा चुका है। यानी कि लगभग 25 प्रतिशत से अधिक पात्र हितग्राही आज भी पहली किस्त के लिए शासन की ओर टकटकी लगाए बैठे हैं। एक ही सूची में नाम होने के बावजूद कुछ लोगों को राशि मिल जाना और अन्य का वंचित रहना ग्रामीणों के बीच असंतोष का मुख्य कारण बना हुआ है।

पंचायत प्रतिनिधियों पर फूट रहा गुस्सा

किस्त मिलने में हो रही देरी से परेशान ग्रामीण अब सीधे अपनी ग्राम पंचायतों का रुख कर रहे हैं। सरपंच, सचिव और अन्य पंचायत कर्मियों को हितग्राहियों के आक्रोश का सामना करना पड़ रहा है। परेशान ग्रामीणों का कहना है कि जब वे पात्र हैं और स्वीकृति मिल चुकी है। तो राशि डालने में भेदभाव या देरी क्यों की जा रही है स्थिति यह है कि पंचायतों में काम करना कर्मचारियों के लिए चुनौतीपूर्ण हो गया है। वहीं सरपंच भी समस्या के समाधान के लिए जनपद पंचायत के चक्कर काट रहे हैं।

समय का संकट,गर्मी और बारिश की चुनौती

ग्रामीणों के आक्रोश के पीछे सबसे बड़ी वजह मौसम है वर्तमान में क्षेत्र भीषण गर्मी की चपेट में है। निर्माण कार्य के लिए यह समय सबसे उपयुक्त माना जाता है क्योंकि पुराने क'चे मकानों को तोड़कर नया निर्माण शुरू करने के लिए सूखा मौसम जरूरी है। इस दौरान निर्माण कार्य की गति तेज रहती है, शासकीय कैलेंडर के अनुसार 15 जून के बाद मानसून की दस्तक हो जाती है। हवा तूफान और लगातार बारिश के चलते निर्माण कार्य पूरी तरह ठप हो जाता है। हितग्राहियों की मांग है कि यदि उन्हें तत्काल पहली किस्त मिल जाती है तो वे बारिश शुरू होने से पहले कम से कम प्लिंथ या आधा ढांचा तैयार कर लेंगे जिससे उनके परिवार को बारिश में खुले आसमान के नीचे नहीं रहना पड़ेगा।

तकनीकी खामियां या बजट की कमी

प्रशासनिक स्तर पर राशि आवंटन में देरी का कारण पोर्टल की तकनीकी समस्या या बजट आवंटन की प्रक्रिया बताई जा रही है। हालांकि जनपद पंचायत के अधिकारियों का कहना है कि वे इस प्रक्रिया को तेज करने का प्रयास कर रहे हैं ताकि शेष हितग्राहियों को भी जल्द से जल्द लाभ मिल सके। यदि समय रहते शेष हितग्राहियों को राशि प्राप्त नहीं हुई तो आगामी मानसून सत्र उनके लिए बड़ी मुसीबत बन सकता है। ग्रामीण क्षेत्र में बढ़ता असंतोष अब जनप्रतिनिधियों के लिए भी गले की हड्डी बनता जा रहा है। अब देखना यह है कि प्रशासन इस प्रशासनिक सुस्ती को तोड़कर कब तक आम आदमी के सपनों के आशियाने की पहली ईंट रखने का मार्ग प्रशस्त करता है।

आवास योजना की राशि नही डालने से हितग्राही परेशान है- किशोर तामेश्वर

सरपंच प्रतिनिधि किशोर तामेश्वर ने बताया कि अभी प्रधानमंत्री आवास में हमारे यहां जो नाम आए हुए हैं। उसमें कुछ हितग्राहियों को राशि डल चुकी है कुछ को राशि नहीं डली है ऐसे में उन्हें बारिश की समस्या आगे होने वाली है। बारिश के पहले रुपए उन्हें प्राप्त हो जाए यही सोचकर वह परेशान है ,क्योंकि जल्द उन्हें राशि मिलेगी तो वह पुराना मकान तोड़कर नया मकान बनाने का कार्य शुरू कर देंगे। परंतु अभी उन्हें पहली किस्त ही प्राप्त नहीं हो पाई है कुछ लोगों को प्राप्त हो गई है तो वह पंचायत में आकर कहते हैं कि सरपंच तुमने रुपए नहीं डाले कैसा कर रहे हो और बहुत तरीके से बातें बोलकर परेशान करते हैं। हम भी चाहते हैं की बारिश के पहले यदि इन्हें राशि मिल जाती है तो यह अपना आधा काम पूरा कर लेंगे आगे सहूलियत होगी वरना बारिश में इन्हें दिक्कत ही होना है।

सभी लोगों को प्रथम किस्त आना था परंतु वह समय पर नहीं आ रही है- सुनील राणा

सरपंच प्रतिनिधि सुनील राणा ने बताया कि 2018 की आवास प्लस की सूची है उसमें बचे हितग्राही की पीएम आवास की सूची सरपंच ,सचिव और समन्वयक के द्वारा तैयार कर भोपाल भेज दी गई थी। जिसमें यह सभी लोगों को प्रथम किस्त आना था परंतु वह समय पर नहीं आ रही है बारिश जल्द आने वाली है। हितग्राही बारिश में कैसे मकान बनेंगे यह अधिकारियों को सोचना चाहिए इन्होंने किस्त सभी को एक साथ में डालना था। जैसे हमारे यहां 29 आवास स्वीकृत हुई है जिसमें सात हितग्राहियों को राशि नहीं मिली है। इस प्रकार कुछ की आई कुछ कि नहीं आई तो उन लोगों में रोष व्याप्त है की कब उन्हें किस्त मिलेगी। बरसात अभी जून से प्रारंभ होना है तो हम चाहते हैं कि शासन प्रशासन इन समस्याओं पर भी ध्यान दें तत्काल हितग्राहियों को राशि उपलब्ध कराया ताकि वह अपने घर का निर्माण शुरू कर सके।

इनका कहना हैं

हम भुगतान पत्र भेज रहे हैं डायरेक्ट शासन से हितग्राही को भुगतान हो रहा है। पोर्टल पर 60 पंचायत में 1779 हितग्राही है जैसे फंड की व्यवस्था हो रही है वैसे राशि जा रही है। कुछ हितग्राहियों की राशि क्रेडिट होने की भी है यह प्रक्रिया अभी चल रही है।

अनुपमा तिवारी
पीएम आवास प्रभारी
वारासिवनी

पालतू कुत्ते के आतंक से मोहल्ले वासी दहशत में

पड़ोसियों पर हमला करने के आरोप में मालिक पर एफआईआर दर्ज

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। वारासिवनी थाना क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम माताटोला कासपुर में एक पालतू कुत्ते के द्वारा पड़ोसियों पर लगातार हमला करने और आतंक फैलाने का मामला सामने आया है। प्रार्थिया की शिकायत पर पुलिस ने कुत्ते के मालिक के खिलाफ विभिन्न धाराओं में मामला पंजीबद्ध कर जांच शुरू कर दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार वार्ड नंबर 9 माताटोला निवासी कुन्दना वरकड़े ने पुलिस को बताया कि उनके पड़ोस में रहने वाले लुकेश बिसेन ने अपने घर में एक देशी कुत्ता पाल रखा है। प्रार्थियां का आरोप है कि लुकेश अपने कुत्ते को खुला छोड़ देता है जिससे वह आए दिन राहगीरों और पड़ोसियों पर हमला करता रहता है। बीते 27 अप्रैल की रात करीब 1 बजे जब प्रार्थियां अपने ब'चों बेटी वंशिका और बेटा विकास के साथ एक शादी समारोह से लौट रही थी। तभी लुकेश बिसेन के कुत्ते ने अचानक उन पर हमला कर दिया। कुत्ते ने विकास वरकड़े को दौड़कर काट लिया। शिकायत में यह भी उल्लेख किया गया है कि इससे पहले 24 अप्रैल को भी इसी कुत्ते ने प्रार्थियां की बेटी वंशिका को काटकर घायल कर दिया था। जब प्रार्थियां ने इस संबंध में कुत्ते के मालिक लुकेश से शिकायत की और उसे कुत्ता बांधकर रखने की सलाह दी तो लुकेश ने सकारात्मक सुधार के बजाय विवाद किया और कुत्ता बांधने से इनकार कर दिया। मामले की गंभीरता को देखते हुए ग्रामीणों ने स्थानीय कोटवार धुरनलाल डोंगरे और सचिव गुलकराम रहांगडाले को भी सूचित किया था। जिम्मेदारों के द्वारा समझाया जाने के बावजूद लुकेश बिसेन ने अपने पालतू जानवर पर नियंत्रण नहीं रखा। जिससे मोहल्ले के ब'चों और बुजुर्गों में डर का माहौल बना हुआ है। परेशान होकर प्रार्थियां ने शनिवार को वारासिवनी थाने में लिखित शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता 2023 की धारा 291 पशु के संबंध में लापरवाही पूर्ण आचरण के तहत आरोपी लुकेश बिसेन के खिलाफ अपराध क्रमांक 0190/2026 दर्ज किया है, पुलिस मामले की विवेचना कर रही है।

निर्माण कार्यो में रेत की दिक्कत के विषय को प्रदीप जायसवाल ने जिलाधीश के समक्ष रखी बात

शासकीय कार्यो के साथ पंचायत कार्य और प्रधानमंत्री आवास के हितग्राही हो रहे परेशान

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। ग्रामीण क्षेत्रों में विभिन्न निर्माण कार्यो में रेत की दिक्कत को लेकर पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल ने गंभीरता दिखाते उन्होने जिलाधीश के समक्ष जनता की परेशानीयो को सामने रखकर समाधान करने की बात रखी है। जिलाधीश ने इस विषय को जिला खनिज अधिकारी के समक्ष रखकर समाधान के निर्देश प्रदान किये है। वारासिवनी क्षेत्र में बडी नदियों और घाटो के होने के बाद भी रेत को लेकर चौतरफा दिक्कते देखी जा रही है। मंत्रालय भोपाल के द्वारा करायी गई घाटो की निविदा के अभी तक बालाघाट जिले में पूर्ण नही होने के कारण रेत अब एक सपना बनकर रह गयी है। म.प्र. शासन ने रेत की निविदा एक नही दो बार लगा दी है किंतू आफसेट प्राईज अधिक होने की दुहाई देकर विभिन्न ठेकेदारो ने अभी तक रूची नही दिखायी है। जिसके कारण वर्तमान में सभी रेत घाटो में रेत का उत्खनन पूर्णतह प्रतिबंधित है और जनता के साथ अनेको शासकीय ठेकेदार भी विभिन्न निर्माण कार्यो को लेकर परेशान है की आखिर रेत की पूर्ति करें तो कंहा से करे। जिले में भवन निर्माण का कार्य फरवरी से लेकर 15 जून तक ही होता है। इसके उपरांत किसान भाई व मजदूर भाई खेती के कार्य में व्यस्त हो जाता है। ऐसी स्तिथि में अगर उपभोक्ता को रेत ना मिले तो वह किसी भी प्रकार का कच्चा अथवा पक्का निर्माण कार्य कैसे करवा सकता है। इसी तरह की पीडा बडे बडे शासकीय कार्य व पंचायत निर्माण कार्यो के साथ प्रधानमंत्री आवास हितग्राहीयो की भी है की अगर समय सीमा में निर्माण कार्य पूर्ण नही होंगे तो जून माह से नदियों में पानी का बहाव भी रेत की निकासी को प्रभावित करेगा। तब उनके निर्माण कार्यो का क्या होगा साथ ही करोडो रूपये की राशि भी प्रभावित हो जायेगी। दूसरी ओर शासकीय ठेकेदार भी निर्माण कार्य की समय सीमा के खत्म होने की ओर इशारा कर रहे है कि अगर रेत नही मिली तो उनको मिली समय सीमा का क्या होगा। जनमानस की इस समस्या की गंभीरता को समझकर पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल ने तत्काल जिलाधीश के समक्ष रखकर समाधान की उम्मीद जतायी है। विशेषकर शासकीय कार्य, ग्राम पंचायतो के कार्य और प्रधानमंत्री आवास योजना के हितग्राहीयों के निर्माण कार्य की तकलीफो को खुलकर प्रशासन के समक्ष रखा गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार अधिकारी वर्ग द्वारा पडोसी जिले सिवनी से रेत लाकर निर्माण कार्य की दिक्कते दूर कर लेने की बाते भी सामने आयी है की किंतू निर्माणकर्ताओं का स्पष्ट कथन सामने आया है की क्या 90 किमी दूर सिवनी से रेत लाना व्यावहारिक है और इतनी दूर का आवागमन का भाडा उठा पाना संभव है।

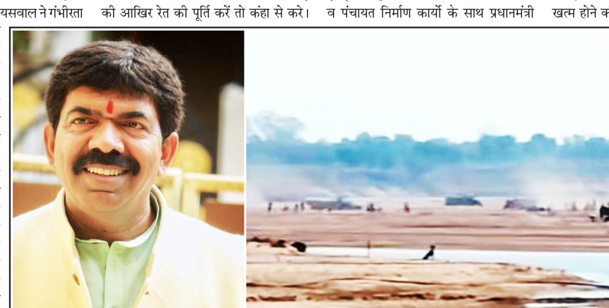

वादा निभाने के लिये शिवधाम वासियों ने प्रदीप जायसवाल का किया धन्यवाद ज्ञापित

शिवधाम मार्ग में 11 सौ मीटर पक्की सड़क का निर्माण कार्य होगा प्रांरभ

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। वारासिवनी जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम वारा के शिवधाम मोहल्ले से लगभग 65 लाख रूपये की राशि से 11 सौ मीटर बनने वाली इस सड़क का वारा सरपंच सूर्यभान सिंह पूसाम, पूर्व जनपद सदस्य प्रवीण खरोले,रमेश कनोजे,आशुतोष सिंह कोहरे सहित अन्य ने सड़क निर्माण के वादे को पूरा करने के लिये पूर्व केबिनेट मंत्री प्रदीप जायसवाल का धन्यवाद ज्ञापित किया है। गौरतलब है की अनेको बार आंदोलनो व धरना प्रदर्शन के बाद इस मार्ग को बनाने का आश्वासन प्रदीप जायसवाल के द्वारा पूर्व में ही दिया गया था। ज्ञात हो की बालाघाट मुख्य मार्ग पर वारा रेल्वे ओवर ब्रिज के निर्माण के समय इस बायपास वारा से शिवधाम मार्ग पर यातायात के दबाव के कारण लगभग दो साल तक धूल और मिटटी का सामना करने के बाद सहनशीलता खत्म होने पर मोहल्लेवासीयों ने धरना आंदोलन तक किया था। लंबे समय तक ग्रामीणों के द्वारा आंदोलन करने के कारण प्रशासन को भी उन्हे समझाने में दिक्कतो का सामना करना पडा था। तात्कालिन समय में आंदोनल स्थल पर जाकर पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल ने ग्रामीणो को इस मार्ग को भी पक्की सड़क में बदलने का आश्वासन दिया था। जिसके बाद ग्रामीणो ने एक विश्वास पर अंतत अपना आंदोलन स्थगित किया था।

वारा फ्लाई ओवर निर्माण की बची शेष राशी से बन रही है सड़क

नगर के गणेश मंदिर से वाराटोला तक बनने वाली पक्की सड़क के विषय में प्रदीप जायसवाल ने चीफ इंजीनियर सेतू निर्माण विभाग भोपाल से स्वीकृति लाकर वारा रेल्वे ओवर ब्रिज की बची शेष राशि से इस सड़क को बनाने का मार्ग प्रशस्त कर दिया है। वहीं कार्य एंजेसी के ठेकेदार सिद्वार्थ जायसवाल ने बताया कि निर्माण कार्य के लिये मटेरियल शिफिटींग का कार्य प्रारंभ कर दिया गया है। इस सड़क का निर्माण कार्य शुरू करा दिया जायेगा। इस दौरान सुर्यभान सिंह पूसाम, प्रवीण खरोले,रमेश कनोजे , सुनील रणदीवे , मोनू चौधरी, डालेश जैतवार, कमलेश वरकडे, आशुतोष कोहरे,नरेन्द्र पटले, दुर्गाप्रसाद राहंगडाले, भूरू देवगडे, अनिल देवगडे सहित अन्य लोग उपस्थित भी रहे।

फ्लाई ओवर के लिये पहले भी एक पक्की सड़क और दो पूल का किया निर्माण-प्रदीप जायसवाल

पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल ने बताया की वारा रेल्वे ब्रिज के निर्माण के पूर्व ही हमने गायत्री मंदिर बायपास मार्ग लागत 1 करोड 75 लाख की सड़क का निर्माण कार्य पूर्ण करा दिया था। जो रेल्वे फ्लाई ओवर बनाते समय यातायात के विषय में उस समय जीवन रेखा साबित हुआ था। साथ ही जिला खनिज मद से नहर के उपर दो पूल निर्माण कार्य पूर्ण कराकर सीधे मदनपुर जाने का रास्ता बना दिया गया है। इसी वक्त हमने शिवधाम मार्ग के निर्माण का भी वादा किया था जिसे आज पूरा कर दिया गया है। हमे खुशी है की अब बालाघाट सहित अन्य दिशाओ में जाने का बारहमासी रास्ता आवागमन के विषय में शुरू हो रहा है।

5 राज्यों में किसका होगा राजतिलक

लोकतंत्र में चुनाव केवल सत्ता परिवर्तन का माध्यम नहीं होते, बल्कि वे जनभावनाओं, अपेक्षाओं और राजनीतिक दिशा का स्पष्ट संकेत भी देते हैं। देश के पाँच राज्यों में होने वाले विधानसभा चुनावों को इसी दृष्टि से देखा जा रहा है। यह चुनाव न केवल क्षेत्रीय राजनीति का भविष्य तय करेंगे, बल्कि राष्ट्रीय राजनीति की धारा को भी प्रभावित करेंगे। इन चुनावों में मुख्य मुकाबला सत्तारूढ़ दलों और विपक्षी गठबंधनों के बीच है। एक ओर जहाँ सत्ताधारी दल अपनी उपलब्धियों—विकास, कल्याणकारी योजनाओं और स्थिर शासन—को जनता के सामने रख रहे हैं, वहीं विपक्ष महंगाई, बेरोजगारी और सामाजिक असंतोष जैसे मुद्दों को लेकर सरकार को घेरने में जुटा है। ऐसे में मतदाता के सामने विकल्प स्पष्ट हैं, लेकिन निर्णय आसान नहीं। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि इन चुनावों में स्थानीय मुद्दे निर्णायक भूमिका निभाएंगे। हर राज्य की अपनी सामाजिक-आर्थिक परिस्थितियाँ हैं, जिनके आधार पर वोटिंग पैटर्न अलग-अलग हो सकता है। कहीं जातीय समीकरण हावी होंगे, तो कहीं विकास का मुद्दा केंद्र में रहेगा। यही कारण है कि एक ही राजनीतिक दल का प्रदर्शन सभी राज्यों में समान नहीं रहने की संभावना है। इन चुनावों की एक और खासियत यह है कि क्षेत्रीय दलों की भूमिका काफी अहम हो गई है। कई राज्यों में वे किंगमेकर की स्थिति में हैं, जो यह तय कर सकते हैं कि सत्ता किसके हाथ में जाएगी। इससे गठबंधन राजनीति को भी नई मजबूती मिल सकती है। हालाँकि, इन चुनावों का सबसे महत्वपूर्ण पहलू मतदाता की भूमिका है। लोकतंत्र की असली ताकत जनता के हाथ में होती है, और वही तय करती है कि किसे राजतिलक मिले और किसे विपक्ष में बैठना पड़े। इसलिए यह आवश्यक है कि मतदाता जाति, धर्म और भावनात्मक नारों से ऊपर उठकर विकास, सुशासन और पारदर्शिता के आधार पर अपना निर्णय लें। पाँच राज्यों के ये चुनाव केवल सरकार बनाने का गणित नहीं हैं, बल्कि यह लोकतंत्र की परिपक्वता की परीक्षा भी हैं। परिणाम चाहे जो भी हों, यह स्पष्ट है कि जनता का संदेश ही सबसे बड़ा निर्णायक होगा—और वही तय करेगा कि किसके सिर सजेगा सत्ता का ताज।

एक्जिट पोल—हवा या हकीकत?

चुनावी लोकतंत्र में एक्जिट पोल अब सिर्फ आंकड़ों का खेल नहीं रह गए हैं, बल्कि वे जनमत की तत्काल झलक पेश करने का दावा करते हैं। जैसे ही मतदान समाप्त होता है, टीवी स्टूडियो से लेकर सोशल मीडिया तक, एक्जिट पोल के आंकड़े माहौल बना देते हैं—कहीं उत्साह, कहीं चिंता और कहीं संशय। ऐसे में बड़ा सवाल यही है कि क्या 5 राज्यों के ये एक्जिट पोल सच साबित होंगे या फिर एक बार फिर हवा साबित होंगे?सबसे पहले यह समझना जरूरी है कि एक्जिट पोल वैज्ञानिक पद्धति पर आधारित होते हुए भी पूर्ण सत्य नहीं होते। ये सीमित सैंपल, मतदाताओं की ईमानदारी और स्थानीय परिस्थितियों पर निर्भर करते हैं। भारत जैसे विविधतापूर्ण देश में, जहां हर राज्य की सामाजिक, जातीय और राजनीतिक संरचना अलग है, वहां एक समान सटीकता की उम्मीद करना अव्यावहारिक है। पिछले चुनावों का इतिहास भी मिश्रित रहा है। कई बार एक्जिट पोल ने चौंकाने वाली सटीकता दिखाई है, तो कई बार वे पूरी तरह गलत साबित हुए हैं। खासकर राज्य चुनावों में, जहां स्थानीय मुद्दे, उम्मीदवार की छवि और क्षेत्रीय समीकरण निर्णायक भूमिका निभाते हैं, वहां एक्जिट पोल की सीमाएं और स्पष्ट हो जाती हैं। इन 5 राज्यों के चुनावों में भी तस्वीर जटिल है। कहीं सत्ता विरोधी लहर की चर्चा है, तो कहीं सरकार की योजनाओं के प्रभाव की।

2009 के नियमों में डिजिटल तकनीक, अंतरराष्ट्रीय प्रवासन और प्रवासी भारतीयों की बढ़ती संख्या ने नए सुधारों की मांग पैदा की

नागरिकता (संशोधन) नियम, 2026 -1 मई 2026 को राजपत्र में अधिसूचित-भारत की नागरिकता व्यवस्था में डिजिटल युग का प्रवेश-व्यापक समग्र विश्लेषण

वैश्विक स्तरपर किसी भी राष्ट्र की स्थिरता, उसकी संप्रभुता और प्रशासनिक दक्षता का सबसे महत्वपूर्ण आधार उसकी कानून-व्यवस्था और नागरिकता प्रणाली होती है। नागरिकता केवल एक कानूनी पहचान नहीं, बल्कि व्यक्ति और राज्य के बीच अधिकारों,कर्तव्यों और विश्वास का एक गहरा सामाजिक अनुबंध है। समय के साथ जब समाज,तकनीक, प्रवासन और वैश्विक संपर्क का स्वरूप बदलता है,तब यह आवश्यक हो जाता है कि नागरिकता से जुड़े कानून और नियम भी उसी अनुरूप अद्यतन किए जाएं। इसी परिप्रेक्ष्य में भारत सरकार द्वारा 1 मई 2026 को राजपत्र मेंनागरिकता (संशोधन) नियम, 2026 को अधिसूचित किया गया है,जो न केवल प्रशासनिक सुधार का प्रतीक है बल्कि डिजिटल शासन और वैश्विक मानकों के अनुरूप एक बड़े परिवर्तन का संकेत भी है। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि भारत की नागरिकता व्यवस्था ऐतिहासिक रूप सेजटिल और बहुस्तरीय रही है,जिसमें जन्म,वंश,पंजीकरण और प्राकृतिकरण जैसे विभिन्न आधार शामिल हैं। 2009 में बनाए गए नियमों ने उस समय की आवश्यकताओं के अनुरूप प्रक्रियाओं को व्यवस्थित किया था,लेकिन बीते डेढ़ दशक में डिजिटल तकनीक,अंतरराष्ट्रीय प्रवासन और प्रवासी भारतीयों की बढ़ती संख्या ने नए सुधारों की मांग पैदा कर दी थी।ऐसे में 2026 के नए नियम पुराने ढांचे को आधुनिक बनाने का प्रयास करते हैं। इन नियमों का सबसे महत्वपूर्ण पहलू यह है कि यह नागरिकता से जुड़ी प्रक्रियाओं को कागज-आधारित प्रणाली से निकालकर पूर्णत:डिजिटल प्लेटफॉर्म पर ले जाते हैं, जिससे पारदर्शिता, गति और जवाबदेही में उल्लेखनीय सुधार की संभावना है। साथियों बात अगर हम नए नियमों में सबसे चर्चित और महत्वपूर्ण बदलाव को समझने की करें तो यह नाबालिगों से संबंधित है। अब किसी भी नाबालिग को एक ही समय में भारतीय और विदेशी दोनों पासपोर्ट रखने की अनुमति नहीं होगी। यह प्रावधान पहली नजर में कठोर प्रतीत हो सकता है,लेकिन इसके पीछे एक स्पष्ट नीति दृष्टिकोण है। वैश्विक स्तरपर दोहरी नागरिकता और बहु-पासपोर्ट के मामलों में कई बार कानूनी विवाद,सुरक्षा चुनौतियां और पहचान से जुड़े प्रश्न उत्पन्न होते हैं।विशेष रूप से नाबालिगों के मामले में,जहां निर्णय अक्सर माता-पिता द्वारा लिया जाता है,वहां भविष्य में नागरिकता विवादों की संभावना अधिक रहती है। भारत सरकार का यह कदम इन संभावित जटिलताओं को पहले ही रोकने का प्रयास है। यह नियम नागरिकता की स्पष्टता को बढ़ाता है और यह सुनिश्चित करता है कि व्यक्ति की राष्ट्रीय पहचान में कोई अस्पष्टता न रहे। इस बदलाव के दूसरे महत्वपूर्ण पहलू राष्ट्रीय सुरक्षा से भी जुड़ा हुआ है इसको समझने की करें तो,आधुनिक युग में, जहां अंतरराष्ट्रीयआतंकवाद साइबर अपराध और पहचान की चोरी जैसी चुनौतियां बढ़ रही हैं, वहां नागरिकता और पासपोर्ट की स्पष्टता अत्यंत आवश्यक हो जाती है। दोहरे पासपोर्ट रखने की स्थिति में निगरानी और सत्यापन की प्रक्रिया जटिल हो सकती है, जिससे सुरक्षा जोखिम उत्पन्न हो सकते हैं। ऐसे में यह नया नियम सुरक्षा के दृष्टिकोण से भी एक मजबूत कदम माना जा सकता है। साथियों बात अगर हम नए नियमों का दूसरे प्रमुख स्तंभ को समझने की करें तो यह प्रवासी भारतीय नागरिक (ओसीआई) प्रणाली का पूर्णत: डिजिटलीकरण है।ओसीआई कार्ड लंबे समय से उन भारतीय मूल के लोगों के लिए एक महत्वपूर्ण सुविधा रहा है, जो विदेशों में बस चुके हैं लेकिन भारत के साथ अपने संबंध बनाए रखना चाहते हैं। पहले ओसीआई कार्ड से जुड़ी प्रक्रियाएं काफी हद तक कागजी और समय लेने वाली थीं, जिसमें आवेदन,सत्यापन और अनुमोदन में लंबा समय लगता था। अब नए नियमों के तहत इन सभी प्रक्रियाओं को ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से संचालित किया जाएगा, जिससे न केवल समय की बचत होगी बल्कि पारदर्शिता भी बढ़ेगी।डिजिटल प्रणाली का एक महत्वपूर्ण लाभ यह है कि यह मानवीय त्रुटियों और भ्रष्टाचार की संभावनाओं को कम करता है। जब आवेदन प्रक्रिया ऑनलाइन होती है, तो प्रत्येक चरण का रिकॉर्ड डिजिटल रूप में सुरक्षित रहता है, जिससे किसी भी प्रकार की अनियमितता को आसानी से ट्रैक किया जा सकता है। इसके अलावा, आवेदकों को भी अपने आवेदन की स्थिति को रियल- टाइम में देखने की सुविधा मिलती है,जिससे अनिश्चितता और असुविधा सटिकता से कम होती है। साथियों बात अगर हम नए नियमों में 'ई-ओसीआई' की अवधारणा को समझने की करें तो यह भी एक क्रांतिकारी कदम है। इसके तहत आवेदकों को भौतिक कार्ड के साथ-साथ डिजिटल पंजीकरण की सुविधा दी जाएगी। यह न केवल पर्यावरण के दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण है, बल्कि यह प्रशासनिक दक्षता को भी बढ़ाता है। डिजिटल पहचान प्रणाली भविष्य में अन्य सरकारी सेवाओं के साथ भी एकीकृत की जा सकती है, जिससे एक समग्र डिजिटल इकोसिस्टम का निर्माण संभव होगा। यह कदम भारत को डिजिटल गवर्नेंस के क्षेत्र में वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनाता है।इसके साथ ही, नए नियमों में यह भी स्पष्ट किया गया है कि यदि कोई व्यक्ति अपना ओसीआई दर्जा छोड़ता है या सरकार द्वारा उसका ओसीआई दर्जा रद्द किया जाता है, तो उसे अपना कार्ड अनिवार्य रूप से संबंधित प्राधिकरण के पास जमा करना होगा। यह प्रावधान प्रशासनिक नियंत्रण और रिकॉर्ड की शुद्धता बनाए रखने के लिए अत्यंत आवश्यक है। यदि कोई व्यक्ति कार्ड वापस नहीं करता है, तब भी सरकार के पास उसे डिजिटल रूप से रद्द करने का अधिकार होगा। यह दर्शाता है कि सरकार ने न केवल प्रक्रियाओं को डिजिटल बनाया है,बल्कि उनकेअनुपालन को सुनिश्चित करने के लिए भी मजबूत प्रावधान किए हैं। साथियों बात अगर हम एक और महत्वपूर्ण सुधार को समझने की करें तो दस्तावेजों की डुप्लिकेट' प्रतियो की अनिवार्यता को समाप्त करना है। यह बदलाव छोटे स्तर पर दिख सकता है, लेकिन इसका प्रभाव व्यापक है।पहले आवेदकों को कई बार एक ही दस्तावेज की कई प्रतियां जमा करनी पड़ती थीं,जिससे समय औरसंसाधनों की बर्बादी होती थी। अब डिजिटल दस्तावेजों के माध्यम से यह प्रक्रिया सरल और तेज हो गई है। यह कदम 'ईज ऑफ डूइंग गवर्नमेंट' की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है, जो नागरिकों के लिए सरकारी प्रक्रियाओं को अधिक सुगम बनाता है। साथियों नए नियमों में बायोमेट्रिक आधारित फास्ट- ट्रैक इमिग्रेशन की सुविधा भी शामिल की गई है, जो विशेष रूप से ओसीआई कार्डधारकों के लिए उपयोगी होगी। बायोमेट्रिक डेटा के उपयोग से पहचान सत्यापन की प्रक्रिया अधिक सटीक और तेज हो जाती है, जिससे हवाई अड्डों और अन्य प्रवेश बिंदुओं पर समय की बचत होती है। हालांकि, इसके साथ ही डेटा गोपनीयता और सुरक्षा के मुद्दे भी महत्वपूर्ण हो जाते हैं। सरकार को यह सुनिश्चित करना होगा कि बायोमेट्रिक डेटा का उपयोग केवल वैध उद्देश्यों के लिए किया जाए और इसे किसी भी प्रकार के दुरुपयोग से सुरक्षित रखा जाए।नए नियमों में अपील की प्रक्रिया को भी अधिक पारदर्शी और न्यायसंगत बनाया गया है। यदि किसी व्यक्ति का आवेदन अस्वीकार होता है, तो अब वह एक उच्च प्राधिकारी के पास अपील कर सकता है, जहां उसे सुनवाई का अधिकार भी मिलेगा। यह प्रावधान प्रशासनिक न्याय के सिद्धांतों को मजबूत करता है और यह सुनिश्चित करता है कि किसी भी निर्णय के खिलाफ उचित मंच उपलब्ध हो। साथियों इन सभी सुधारों का समग्र उद्देश्य भारत की नागरिकता प्रणाली को आधुनिक, पारदर्शी और वैश्विक मानकों के अनुरूप बनाना है।आज के वैश्वीकरण के युग में, जहां लोग शिक्षा, रोजगार और व्यापार के लिए सीमाओं के पार जा रहे हैं, वहां एक मजबूत और स्पष्ट नागरिकता प्रणाली अत्यंत आवश्यक हो जाती है। भारत जैसे बड़े और विविधतापूर्ण देश के लिए यह और भी महत्वपूर्ण है, जहां प्रवासी भारतीयों की संख्या करोड़ों में है और उनका देश के साथ आर्थिक और सामाजिक संबंध अत्यंत महत्वपूर्ण हैं।हालांकि, इन नियमों के कार्यान्वयन में कुछ चुनौतियां भी सामने आ सकती हैं। डिजिटल प्रणाली के लिए आवश्यक बुनियादी ढांचा, साइबर सुरक्षा,और उपयोगकर्ताओं की डिजिटल साक्षरता जैसे मुद्दे महत्वपूर्ण होंगे। विशेष रूप से ग्रामीण और कम विकसित क्षेत्रों में, जहां इंटरनेट की पहुंच सीमित है, वहां इन नई प्रणालियों का प्रभावी उपयोग सुनिश्चित करना एक चुनौती हो सकता है। इसके लिए सरकार को जागरूकता अभियान, प्रशिक्षण कार्यक्रम और तकनीकी सहायता प्रदान करनी होगी।इसके अलावा, नाबालिगों के पासपोर्ट संबंधी नए नियमों को लेकर भी कुछ सामाजिक और कानूनी बहस हो सकती है। ऐसे परिवार, जहां माता-पिता अलग-अलग देशों के नागरिक हैं, उनके लिए यह नियम जटिलताएं पैदा कर सकता है। ऐसे मामलों में सरकार को स्पष्ट दिशानिर्देश और लचीले प्रावधान बनाने होंगे, ताकि नागरिकों के अधिकारों और हितों की रक्षा की जा सके। साथियों बात अगर हम संपूर्ण मामलों को अंतरराष्ट्रीय परिपेक्ष में देखने की करें तो कई देश अपनी नागरिकता नीतियों को सख्त और स्पष्ट बना रहे हैं, खासकर सुरक्षा और प्रवासन के मुद्दों को ध्यान में रखते हुए। भारत का यह कदम भी उसी वैश्विक प्रवृत्ति का हिस्सा है, जहां डिजिटल तकनीक का उपयोग करके प्रशासन को अधिक प्रभावी और सुरक्षित बनाया जा रहा है।यह न केवल भारत की आंतरिक व्यवस्था को मजबूत करता है, बल्कि अंतरराष्ट्रीय मंच पर उसकी विश्वसनीयता और प्रतिष्ठा को भी बढ़ाता है।

अत: अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि नागरिकता (संशोधन) नियम, 2026 को एक व्यापक सुधार के रूप में देखा जाना चाहिए, जो प्रशासनिक दक्षता, डिजिटल नवाचार और राष्ट्रीय सुरक्षा के बीच संतुलन स्थापित करने का प्रयास करता है। यह नियम केवल प्रक्रियाओं में बदलाव नहीं है, बल्कि यह एक नई सोच और दृष्टिकोण का प्रतीक है, जिसमें नागरिकता को एक गतिशील और विकसित होने वाली अवधारणा के रूप में देखा गया है। यदि इन नियमों को प्रभावी ढंग से लागू किया जाता है और उनसे जुड़ी चुनौतियों का समाधान किया जाता है।

-एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी

सृष्टि के सर्जनहार प्रकाश ब्रह्म भगवान राम हैं

- संजय गोस्वामी

चार वेद में मूलभूत भूल थी है जिसमें व्यासजी जैसे ऋषि-मुनियों ने चार वेद का दोहन करके अपने अपने विरोधाभासी मत दर्शाकर मतभेद खड़े किये है और खट-पट बढ़ गई है। नेति नेति का हार्द समझें बिना ही अनंत ब्रह्मांड में ओंकार के स्वरुप में सर्वव्यापक प्रकाश ब्रह्म है जो सृष्टि के सर्जनहार का परम प्रकाश ब्रह्म है। उस सर्जनहार की विश्व में कोई यथार्थ खोज नहीं कर पाया इसलिए चार वेद से चली आई भूल दिन दूना रात चौगुना बढ़ती ही गई जो थमने का नाम नहीं रही है। हररोज एक नया भगवान और देवी पैदा होती ही रहती है। क्यों कि कवियों की काल्पनिक मनगढ़ंत

तथ्यहीन रसिक कविताओं और वाणीयों रुप वाणी विलास में जगत फंस गया है। जगत में आज तक न किसी को निज चैतन स्वरुप अंश का यथार्थ बोध है और न सृष्टि के सर्जनहार का बोध है, फिर भी च्युंइगम की तरह वाणी विलास के नशे में चबाते हुए सब मस्त है जैसे कि उनको परमपद की प्राप्ति अभी इसी वक्त हो गई हो। जब भीतर ही परमात्मा का बोध दृढ़ हो जाए, तब भय मिट जाता है क्योंकि रक्षक और रक्षित का भेद ही नहीं रहता — वही शरण, वही शरणागत हो जाता है। बुद्धि से आगे कि यात्रा के लिए प्रेम ही सहारा है। संसारीक पदार्थों से विरक्ति होने पर प्रेम कि शुरुआत होती है। भोगों का दमन नहीं करा जा सकता क्योंकि मन द्वारा उत्पन्न सृष्टि का भोक्ता मन ही है। ये ऐसा ही है जैसे चित्रकार कागज को भुलाकर उसमें बने हुए चित्रों को ही भोग रहा है = परिवार है समाज है कुटुंब इत्यादि है धन सम्पत्ति मान मर्यादा इतना सब जीवन भर मेहनत करके जोड़ा उसका त्याग सरल नहीं होता है = शरीर और संसार में अहं भाव है ही नहीं। अहं है कहां किसमें जानने मानने में है। अनजाने में भी है। ज्ञान अज्ञान में भी। जनाइये मैं कौन हूं हूं भाव कौन सवाल मैं संकेत मात्र हूं या नहीं भाव हैं। अहं न देह में है न संसार में, वह केवल जानने वाले मैं हूँ के स्फुरण में है — और जब यह स्फुरण भी किसमें उठ रहा है यह देखो, तो मैं केवल साक्षी का संकेत मात्र रह जाता है, भाव नहीं।! = राम कथा के तेई अधिकारी । जिन्ह के सत संगति अति प्यारी।। सत्संग श्रवण कीजिए सब कुछ ठीक हो जाएगा। एक मृत शरीर है और एक जीवित शरीर है दोनों ही पर सुर्य का प्रकाश पड रहा है एक शांत है और दुसरे में प्राण है। सुर्य कि दृष्टि से दोनों ही सुर्य के विषय है और सुर्य दोनों का विषयेता । तीनो ही सतय बनकर स्थित है ये बुद्धि का विचार है धारणा है मन का निश्चय है। यदि अचानक से पता चले कि ये जो कुछ भी देखा वो स्वप्न में देखा तो कोई एक सत्ता ऐसी भी हैं जो सुर्य को भी प्रकाशित कर रही है। अब एक मृत शरीर है एक जीवित शरीर है एक बुद्धि है एक सुर्य है और एक वो सत्ता भी है जो इन सबको स्वप्न में एक क्षण में रच लेती है = आजकल तत्त्वदर्शी तत्त्ववेत्ता केवल एक ही पूरे विश्व में है और वह राजनीति में कृष्ण की तरह से है।वह उत्तर भारत में प्राप्त है उसके प्रवचन फोटो भी इस साइट पर आए हैं। परन्तु उसके बारे में जानकारी देने वाले उचित-अनुचित से अनभिज्ञ हैं। जिस महात्मा के बारे में जानकारी दी गई है उसके चेले उचित-अनुचित से अनभिज्ञ हैं मैंने पहले ही बता दिया है। चेले को यह साफ़ साफ़ स्पष्ट रूप से देखें जा सकते हैं कि उन्होंने क्या सीखा है? और उस महापुरुष को अपने स्वभाव से ख़राब करते रहते हैं। एक उपले रखने के लिए बरसात में बटिहा जिसमें उपले सूखें रहें बनाया जाता है। तब उसमें से उपले ही निकलते हैं उसी तरह से कुछ महात्माओं के चेले निम्न श्रेणी के फंसे हुए रहते हैं और वह उस महापुरुष को अपने स्वभाव से बदनाम करते रहते हैं। इतना समय हो गया उस महापुरुष का शिष्य यहां पर किसी का भी समाधान नहीं कर सका है जबकि वह बड़े बड़े लेख लिखने से अपने को महात्मा रूप में व्यक्त करता है गुरु को कभी नहीं। कैसा कलियुग आ गया है।अन्त में राम नाम सत्य है का स्मरण करने का कारण यह है कि जब मनुष्य अंतिम समय में होता है तो बहुत ज्यादा कष्ट में होता क्योंकि वो माया की जाल में जकड़ा रहता है और जैसे ही प्राण त्याग देता है तब जो मनुष्य अपने जीवन काल में जितना गलत करता है उतना उस आत्मा को गुस्सा आती है और इसलिए किसी किसी के मरते वक्त शरीर कभी डरावना या चेहरा गुस्से में आंख जीभ निकला हुआ रहता है जो सत्य कर्म करते हैं उसका शरीर अंतिम समय एक शांत सा गहरी निद्रा में दिखाई देता है मरने के बाद आत्मा शरीर के पास ही रहती है जिसे कई वैज्ञानिकों ने यन्त्र से देखा है लेकिन वो शरीर में इसलिए नहीं जाती क्योंकि उसे अपने जीवन में किये गए गलत कार्यों से नफरत होता और फिर जब राम नाम सत्य है का उद्घोष होता है तो आत्मा में चेतना होती है अत: वह पुन: भगवान राम की खोज में निकल पढ़ता है और जब सभी बुरे कर्मों का कष्ट भोगता है तो धीरे धीरे राम के प्रकाश जो पुरी दुनिया कों रोशनी देता है उसकी ओर चलकर पुन: शरीर कों प्राप्त करता है यदि भटकाव 36 करोड़ योनियों से होकर जाता है जो संत होते हैं वो प्रभु का स्मरण करते करते शरीर त्याग कर समाधि लगा लेते हैं और उसी के आसपास रहते हैं जो हमें किसी ने बताया जब एक समाधि स्थल पर गया कि यहाँ हवन पूजा होती है और बाबा रात में कई कों दिखे हैं और कल्याण करते हैं इसकी सच्चाई मुझे मालूम नहीं है लेकिन एक चीज जो रामायण में सुना है कि अहिल्या जब मुनि के श्राप से पत्थर बन गईं थी बाद में भगवान राम ने उसे पुन: जीवन दिया इससे मैं ऐ समझता हूँ कि पहले जब पत्थर बनी तो चेतना चली गईं और निर्जीव हो गईं ठीक उसी प्रकार मनुष्य मरा और निर्जीव हो गया बाद में जब राम नाम सत्य है का उद्घोष हुआ तो आत्मा पुन: जीवन पाने के लिए भगवान राम की शरण में जाने हेतु संघर्ष से सामना यानि अनेक योनि में भटकाव हुआ और बाद में करुणामई भगवान राम ने पुन: उसे जीवन दिया। अत: सृष्टि के सर्जनहार प्रकाश ब्रह्म भगवान राम हैं इसमें कोई संशय नहीं है।

आईसीयू के अमानवीय एवं अनैतिक पक्षों की निगरानी जरूरी

देश में स्वास्थ्य सेवा की वर्तमान स्थिति पर विचार करते समय एक अत्यंत चिंताजनक, मानवीय और संवेदनशील प्रश्न सामने आता है-क्या चिकित्सा अब सेवा न रहकर व्यवसाय का कठोर रूप एवं एक त्रासदी बनती जा रही है? विशेष रूप से निजी अस्पतालों के आईसीयू (गहन चिकित्सा कक्ष) से जुड़े मामलों ने इस प्रश्न को और अधिक तीखा बना दिया है। ऐसे अनेक उदाहरण सामने आए हैं, जहां मरीज के चिकित्सकीय रूप से स्थिर हो जाने के बावजूद उसे आईसीयू में रोके रखा जाता है। इसके पीछे का कारण अक्सर चिकित्सा की अनिवार्यता नहीं, बल्कि आर्थिक लाभ की निरंतर चलती प्रक्रिया होती है। यह स्थिति न केवल चिकित्सा के नैतिकता एवं सेवाभावना पर प्रश्नचिह्न लगाती है, बल्कि मानवता की मूल संवेदनाओं को भी झकझोरती है। हाल ही में सर्वोच्च न्यायालय द्वारा आईसीयू के लिए एकसमान दिशानिर्देशों की आवश्यकता पर बल देना इस गंभीर समस्या की स्वीकारोक्ति भी है और समाधान की दिशा में एक सार्थक पहल भी। न्यायालय ने स्पष्ट किया है कि जो मरीज चिकित्सकीय रूप से स्थिर हो चुके हैं या जिन्हें गहन निगरानी अथवा जीवन रक्षक उपकरणों की आवश्यकता नहीं है, उन्हें अनावश्यक रूप से आईसीयू में नहीं रखा जाना चाहिए। यह निर्देश केवल प्रशासनिक नहीं, बल्कि गहरे नैतिक आधार पर टिका हुआ है। यह हमें याद दिलाता है कि चिकित्सा का मूल उद्देश्य जीवन की रक्षा और पीड़ा का निवारण है, न कि आर्थिक लाभ का अधिकतमकरण।

सही मायनों में सुप्रीम कोर्ट के ये दिशानिर्देश एक सरल व सामान्य सिद्धांत की पुष्टि करते हुए इस विसंगति को दूर करने का प्रयास करते हैं कि किसी भी अस्पताल का आईसीयू मरीज की अनिश्चितकालीन देखभाल के लिए नहीं होता है। इन दिशानिर्देशों में यह निर्दिष्ट किया गया है कि चिकित्सकीय रूप से स्थिर हो चुके या जिन मरीजों के अंगों को बाहरी सहायता अथवा शारीरिक निगरानी की आवश्यकता नहीं होती, उन्हें अस्पताल से छुट्टी दे दी जानी चाहिए। इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि शीर्ष अदालत ने समस्या के यथाशीघ्र समाधान की जरूरत पर बल दिया है। अदालत ने डॉक्टरों की प्रतिष्ठा को संरक्षित करते हुए चिकित्सा संस्थानों व अस्पतालों की जवाबदेही सुनिश्चित करने पर बल दिया है। निश्चित तौर पर आधुनिक चिकित्सा खर्चीली हो गई और बेहतर सुविधाओं के लिए बड़ी रकम चुकानी होती है। लेकिन इस व्यवस्था में सेवा का भाव न होकर व्यवसाय की भावना का अधिक होना चिन्ताजनक है। इसी के कारण इसमें अनेक विसंगतियां एवं क्रूरताएं व्याप्त होती जा रही है, इसके नियमन का कार्य यूं तो देश के नीति-नियंताओं और शासन-प्रशासन को करना चाहिए था। लेकिन विडंबना यह है कि अदालत को ऐसे मामलों में पहल करनी पड़ती है। हाल ही में सर्वोच्च न्यायालय द्वारा एक समान गहन चिकित्सा ईकाई दिशानिर्देशों की जरूरत बताना विसंगतियों से जूझती आईसीयू प्रणाली के लिए एक आशा की किरण लेकर आई है। वास्तव में आईसीयू एक विशेष सुविधा है, जिसका उपयोग केवल उन मरीजों के लिए होना चाहिए जिनकी स्थिति गंभीर हो और जिन्हें निरंतर निगरानी या अत्याधुनिक उपकरणों की आवश्यकता हो। किंतु जब इस सुविधा का उपयोग लाभ कमाने के साधन के रूप में होने लगे, तब यह व्यवस्था एक प्रकार की अमानवीयता में परिवर्तित हो जाती है। गरीब और मध्यमवर्गीय परिवारों के लिए आईसीयू का खर्च अक्सर असहनीय होता है। एक दिन का खर्च हजारों से लेकर लाखों तक पहुंच सकता है। ऐसे में यदि मरीज को अनावश्यक रूप से वहां रोका जाता है, तो यह केवल आर्थिक शोषण नहीं, बल्कि मानसिक और सामाजिक उत्पीड़न भी है। यह स्थिति इसलिए भी जटिल हो जाती है क्योंकि आमजन को चिकित्सा प्रक्रियाओं की गहन जानकारी नहीं होती। मरीज के परिजन डॉक्टरों और अस्पताल प्रबंधन के निर्देशों पर पूरी तरह निर्भर होते हैं। इस निर्भरता का दुरुपयोग तब होता है जब पारदर्शिता का अभाव होता है। कई बार मरीज को वास्तविक स्थिति से अवगत नहीं कराया जाता और उसे आईसीयू में बनाए रखने के निर्णय को अंतिम सत्य की तरह प्रस्तुत कर दिया जाता है। इस प्रकार एक अस्पष्टता का वातावरण बनता है, जिसमें सत्य और लाभ के बीच की रेखा धुंधली हो जाती है। यदि हम इस समस्या की जड़ में जाएं, तो पाएंगे कि यह केवल अस्पतालों या डॉक्टरों तक सीमित नहीं है, बल्कि यह एक व्यापक व्यवस्थागत विफलता का परिणाम है। आजादी के बाद शिक्षा और स्वास्थ्य जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों को सरकार के अधीन रखकर यह अपेक्षा की गई थी कि ये क्षेत्र जनसेवा के आदर्श उदाहरण बनेंगे। किंतु समय के साथ आर्थिक उदारीकरण और निजीकरण के प्रभाव ने इन क्षेत्रों की दिशा बदल दी। शिक्षा जहां एक महंगा व्यवसाय बन गई, वहीं चिकित्सा सेवा भी धीरे-धीरे लाभ कमाने का माध्यम बनती चली गई। यह कहना अनुचित नहीं होगा कि आज चिकित्सा क्षेत्र में एक प्रकार की व्यावसायिक प्रतिस्पर्धा चल रही है, जिसमें मरीज एक ग्राहक की तरह देखा जाने लगा है। बड़े-बड़े निजी अस्पताल आधुनिक सुविधाओं से लैस होकर तेजी से बढ़ रहे हैं, जो एक दृष्टि से सकारात्मक है, लेकिन जब इन सुविधाओं का उपयोग केवल आर्थिक लाभ के लिए होने लगे, तब यह चिंता का विषय बन जाता है। अस्पतालों की संख्या बढ़ना अच्छा है, लेकिन उनकी कार्यप्रणाली में लोभ की प्रवृत्ति का बढ़ना जहां गहन घातक है, वही उसमें मानवीय संवेदना और नैतिकता का समावेश होना अधिक आवश्यक है। इसी संदर्भ में सर्वोच्च न्यायालय के दिशानिर्देश एक आशा की किरण के रूप में सामने आते हैं। इन दिशानिर्देशों में न केवल मरीजों के अधिकारों की रक्षा की बात की गई है, बल्कि अस्पतालों की जवाबदेही भी सुनिश्चित करने का प्रयास किया गया है। नर्स और मरीज के अनुपात, विशेषज्ञों की उपलब्धता, बुनियादी ढांचे और प्रशिक्षण जैसे पहलुओं पर ध्यान केंद्रित करना इस दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। यह प्रयास स्वास्थ्य सेवा को अधिक पारदर्शी, जवाबदेह और न्यायसंगत बनाने की दिशा में मार्ग प्रशस्त कर सकता है। किन्तु यह भी उतना ही सत्य है कि किसी भी नीति या दिशानिर्देश की सफलता उसके प्रभावी क्रियान्वयन पर निर्भर करती है। भारत में अनेक बार देखा गया है कि अच्छे इरादों से बनाई गई योजनाएं केवल कागजों तक सीमित रह जाती हैं। यदि इन दिशानिर्देशों का पालन भी आधे-अधूरे मन से किया गया, तो यह प्रयास भी अपने उद्देश्य को प्राप्त नहीं कर पाएगा। इसके लिए राजनीतिक इच्छाशक्ति, पर्याप्त वित्तीय संसाधन और मजबूत प्रशासनिक ढांचे की आवश्यकता होगी। साथ ही यह भी आवश्यक है कि इस पूरी प्रक्रिया में मानवीय दृष्टिकोण को केंद्र में रखा जाए। आईसीयू में लंबे समय तक भर्ती रहना केवल आर्थिक बोझ नहीं, बल्कि मानसिक पीड़ा का भी कारण होता है। मरीज और उसके परिवार दोनों ही एक अनिश्चितता और भय के वातावरण में जीते हैं। ऐसे में यदि मरीज को उसकी वास्तविक आवश्यकता के अनुसार उचित वार्ड में स्थानांतरित किया जाता है, तो यह न केवल खर्च को कम करता है, बल्कि उसे मानसिक राहत भी प्रदान करता है। वर्ष 2047 तक एक विकसित और सशक्त भारत का सपना देखते हुए हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि हमारी स्वास्थ्य व्यवस्था केवल तकनीकी रूप से उन्नत ही न हो, बल्कि नैतिक और मानवीय दृष्टि से भी समृद्ध हो। चिकित्सा सेवा का मूल स्वरूप करुणा, सेवा और संवेदना पर आधारित होना चाहिए। यदि यह आधार कमजोर हो जाता है, तो सारी आधुनिकता और प्रगति भी अधूरी रह जाती है। अंतत: यह कहा जा सकता है कि आईसीयू से जुड़े दिशानिर्देश केवल एक प्रशासनिक सुधार नहीं, बल्कि एक नैतिक पुनर्जागरण का संकेत हैं। यह हमें यह सोचने के लिए प्रेरित करते हैं कि क्या हम वास्तव में एक ऐसी स्वास्थ्य व्यवस्था का निर्माण कर रहे हैं, जो मानवता के मूल्यों के अनुरूप हो। यदि इस दिशा में ठोस और ईमानदार प्रयास किए गए, तो निश्चित रूप से यह पहल भारत की स्वास्थ्य प्रणाली को अधिक संवेदनशील, पारदर्शी और न्यायसंगत बनाने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है।

-ललित गर्ग

बीते सप्ताह खाद्य तेल बाजार में तेजी का रुख, सरसों-पाम ऑयल उछले, मूंगफली फिसली

नई दिल्ली। एजेंसी। बीते सप्ताह देश के तेल-तिलहन मंडियों में सरसों तेल-तिलहन, सोयाबीन तिलहन, कच्चा पामतेल (सीपीओ) और बिनौला तेल के दाम में सुधार देखा गया। सस्ते भाव और बढ़ी मांग के चलते यह तेजी आई। हालांकि, ऊंचे भाव के कारण मूंगफली तेल-तिलहन में गिरावट दर्ज की गई, जबकि सोयाबीन तेल स्थिर रहा। बाजार सूत्रों के अनुसार सोयाबीन तेल से सस्ता होने के कारण सरसों तेल की मांग में जबरदस्त बढ़ोतरी हुई है, खासकर कम आय वर्ग में। समीक्षाधीन सप्ताह में आवक कम रहने से सरसों तेल-तिलहन के दाम सुधर गए। हालांकि, विशेषज्ञों ने बढ़ती खपत पर चिंता जताते हुए सरकार को सरसों का बफर स्टॉक बनाने की सलाह दी है, ताकि भविष्य में कमी से बचा जा सके। सटोरियों की सक्रियता पर भी नजर रखने को कहा गया है। सोयाबीन तिलहन में डी-आयल्ड केक (डीओसी) की मांग बढ़ने से सुधार आया, लेकिन आयातकों द्वारा लागत से नीचे बिकवाली के कारण सोयाबीन तेल स्थिर रहा। दूसरी ओर, ऊंचे दामों के कारण मूंगफली तेल-तिलहन में गिरावट दर्ज हुई। सरकार को मूंगफली और सोयाबीन का भी स्टॉक बनाने की सलाह दी गई है। सरकार द्वारा आयात शुल्क मूल्य में वृद्धि और गर्मियों में औद्योगिक मांग बढ़ने से कच्चा पामतेल और पामोलीन के दाम भी बढ़े। उपलब्धता कम रहने के बीच बिनौला तेल के दाम में भी सुधार आया। सूत्रों ने बताया कि बीते सप्ताह सरसों दाना 160 रुपये के सुधार के साथ 7,000-7,025 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। दादरी मंडी में बिकने वाला सरसों तेल 150 रुपये के सुधार के साथ 14,350 रुपये प्रति क्विंटल, सरसों पक्की और कच्ची घानी तेल का भाव क्रमश- 25-25 रुपये के सुधार के साथ क्रमश- 2,400-2,500 रुपये और 2,400-2,545 रुपये टिन (15 किलो) पर बंद हुआ। समीक्षाधीन सप्ताह में सोयाबीन दाना और सोयाबीन लूज का थोक भाव क्रमश- 375-375 रुपये के सुधार के साथ क्रमश- 6,525-6,575 रुपये और 6,175-6,250 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। दूसरी ओर मांग की कमी और आयातित सोयाबीन डीगम तेल की लागत से कम दाम पर बिकवाली होने के बीच, दिल्ली में सोयाबीन तेल 16,000 रुपये प्रति क्विंटल, इंदौर में सोयाबीन तेल 15,850 रुपये और सोयाबीन डीगम तेल 12,550 रुपये प्रति क्विंटल पर स्थिर रुख के साथ बंद हुए।दूसरी ओर, मूंगफली तिलहन का दाम 100 रुपये की गिरावट के साथ 6,650-7,125 रुपये क्विंटल, मूंगफली तेल गुजरात 250 रुपये की गिरावट के साथ 15,750 रुपये क्विंटल और मूंगफली साल्वेंट रिफाइंड तेल 30 रुपये की गिरावट के साथ 2,500-2,800 रुपये प्रति टिन पर बंद हुआ। समीक्षाधीन सप्ताह में सीपीओ तेल का दाम 225 रुपये के सुधार के साथ 13,650 रुपये प्रति क्विंटल, पामोलीन दिल्ली का भाव 100 रुपये बढ़कर 15,450 रुपये प्रति क्विंटल तथा पामोलीन एक्स कांडला तेल का भाव भी 150 रुपये की मजबूती के साथ 14,300 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।सुधार के आम रुख के अनुरूप, बिनौला तेल का दाम 150 रुपये के सुधार के साथ 15,100 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।

आरबीआई के नए डिप्टी गवर्नर बने रोहित जैन

नई दिल्ली। एजेंसी। सरकार ने रोहित जैन को भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) का नया डिप्टी गवर्नर नियुक्त किया है। उन्हें तीन साल के कार्यकाल के लिए यह अहम जिम्मेदारी सौंपी गई है। जैन, टी रबी शंकर का स्थान लेंगे, जिनका विस्तारित कार्यकाल हाल ही में समाप्त हुआ है। मंत्रिमंडल की नियुक्ति समिति ने तीन मई या उसके बाद पदभार ग्रहण करने की तारीख से रोहित जैन की नियुक्ति को मंजूरी दे दी है। आरबीआई अधिनियम 1934 के अनुसार केंद्रीय बैंक में चार डिप्टी गवर्नर होने चाहिए। रोहित जैन के साथ अब स्वामीनाथन जे, पूनम गुप्ता और एस सी मुर्मू अन्य तीन डिप्टी गवर्नर होंगे। जैन का पदभार संभालना टी रबी शंकर के विस्तारित कार्यकाल की समाप्ति के बाद हुआ है, जिन्हें सितंबर 2021 में नियुक्त किया गया था और बाद में उनके कार्यकाल को 2024 और फिर 2025 तक बढ़ाया गया था। रोहित जैन एक अनुभवी अधिकारी हैं और इससे पहले आरबीआई में कार्यकारी निदेशक के पद पर कार्यरत थे। उनके पास केंद्रीय बैंकिंग, विदेशी मुद्रा प्रबंधन और वित्तीय स्थिरता जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों का व्यापक अनुभव है। उनकी नियुक्ति ऐसे महत्वपूर्ण समय में हुई है जब आरबीआई के समक्ष वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं के बीच भारतीय अर्थव्यवस्था को स्थिर बनाए रखने और बढ़ती मुद्रास्फीति पर नियंत्रण पाने जैसी प्रमुख चुनौतियां हैं।

एलपीजी की महंगाई का झटका, दिल्ली के खाने का स्वाद होगा महंगा

नई दिल्ली। एजेंसी। दिल्ली के लजीज पकवानों का स्वाद अब महंगा होने वाला है। वाणिज्यिक एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में हुई रिकॉर्ड 50 प्रतिशत की वृद्धि ने शहर के होटल और रेस्टोरेंट उद्योग को गहरे संकट में डाल दिया है। इस अप्रत्याशित बढ़ोतरी के चलते कारोबारियों ने मेन्यू कार्ड के दाम बढ़ाने की चेतावनी दी है, जिससे आम आदमी की जेब पर सीधा असर पड़ेगा। राजधानी के खाद्य व्यापार पर इस वक्त एक तरह का आर्थिक शॉक लगा है, जिसने तंदूर की आंच से ज्यादा व्यापारियों के माथे पर चिंता की लकीरें गरम कर दी हैं। 19 किलो वाले कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर की कीमत में एक ही बार में 993 रुपये का इजाफा हुआ है, यह बीते तीन महीनों में तीसरी बढ़ोतरी है। पश्चिम एशिया में जारी तनाव के कारण वैश्विक ऊर्जा बाजार में अस्थिरता इसका मुख्य कारण है। नेशनल रेस्टोरेंट एसोसिएशन ऑफ इंडिया का कहना है कि उद्योग पहले से ही बढ़ती लागत से जूझ रहा था, ऊपर से इस भारी इजाफे ने कमर तोड़ दी है। उन्होंने बताया कि बाजार में गैस सिलेंडरों की भारी कमी और कालाबाजारी की खबरें हैं। जो सिलेंडर पहले 1,300-1,600 रुपये में मिलते थे, अब खुले बाजार में 3,000-4,000 रुपये में बिक रहे हैं। एक मध्यम आकार का रेस्टोरेंट प्रतिदिन 2 से 5 सिलेंडर का उपयोग करता है, जिससे दैनिक परिचालन लागत हजारों रुपये बढ़ गई है। यदि यही स्थिति बनी रही, तो छोटे ढाबे और रेस्टोरेंट बंद होने के कगार पर होंगे, साथ ही बड़े पैमाने पर छंटनी का खतरा भी है।

विधानसभा चुनाव और कच्चा तेल इस सप्ताह बाजार की दिशा तय करेंगे

मुंबई। एजेंसी। इस सप्ताह भारतीय शेयर बाजारों की दिशा मुख्य रूप से पांच राज्यों में हुए विधानसभा चुनावों के नतीजों और पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के कारण कच्चे तेल की कीमतों से तय होगी। विश्लेषकों ने यह अनुमान व्यक्त किया है कि ये दोनों कारक मिलकर निवेशकों की धारणा और बाजार की चाल पर महत्वपूर्ण प्रभाव डालेंगे। बाजार विशेषज्ञों के अनुसार इस सप्ताह शेयर बाजार में मुख्य रूप से दो बड़े घटनाक्रमों पर निवेशकों की नजर रहेगी - पहला, पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों के परिणाम और दूसरा, पश्चिम एशिया में तनाव के बीच कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव। सोमवार, 4 मई से पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, केरल, असम और पुडुचेरी के पांच विधानसभा चुनावों के लिए मतों की गिनती शुरू होगी। एक बाजार विश्लेषक ने बताया कि सबसे तात्कालिक कारक इन चुनावों के परिणाम होंगे। निवेशक विशेष रूप से यह देखने में उत्सुक हैं कि क्या केंद्र में

सत्ताधारी दल पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस को चुनौती दे पाता है और उन राज्यों (केरल, तमिलनाडु) में सार्थक पैठ बना पाता है जहां भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की इस समय सीमित उपस्थिति है। उन्होंने कहा कि कच्चा तेल सबसे महत्वपूर्ण व्यापक आर्थिक कारक बना हुआ है। हॉर्मुज जलडमरूमध्य के आसपास बढ़ते तनाव के बीच ब्रेंट तेल की कीमतें लगातार ऊंचे स्तर पर बनी हुई हैं, जिससे भारत जैसी आयात-निर्भर अर्थव्यवस्था के लिए मुद्रास्फीति का जोखिम बढ़ गया है। कच्चे तेल की लगातार ऊंची कीमतें रुपये पर दबाव डालती हैं और कॉर्पोरेट मार्जिन तथा राजकोषीय गतिशीलता पर भी असर डालती हैं। इसके अलावा कई महत्वपूर्ण व्यापक आर्थिक आंकड़े भी इस सप्ताह जारी होंगे, जिनमें एचएसबीसी विनिर्माण पीएमआई (4 मई), सेवा और कंपोजिट पीएमआई (6 मई) और विदेशी मुद्रा भंडार के आंकड़े (8 मई) शामिल हैं। अंबुजा सीमेंट्स, बीएचईएल, हीरो मोटोकॉर्प, महिंद्रा एंड महिंद्रा और बजाज ऑटो जैसी प्रमुख कंपनियों के चौथी तिमाही के नतीजे भी घोषित किए जाएंगे, जो निवेशकों के लिए महत्वपूर्ण होंगे।

एनपीएस में बड़ा बदलाव, जुलाई 2026 से जेब पर बढ़ेगा बोझ, जानें नए चार्ज नियम

नई दिल्ली। एजेंसी। नेशनल पेंशन सिस्टम (एनपीएस) में निवेश करने वाले करोड़ों सब्सक्राइबर्स के लिए एक महत्वपूर्ण खबर है। पेंशन फंड रेगुलेटर पीएफआरडीए ने एनपीएस खातों पर लगने वाले सालाना मेंटेनेंस चार्ज (एएमसी) में बदलाव की घोषणा की है, जो जुलाई 2026 से लागू होंगे। 29 अप्रैल को जारी इस सर्कुलर का मकसद शुल्कों में एकरूपता लाना और मौजूदा विसंगतियों को दूर करना है। इन नए नियमों का सीधा असर आपके टियर-1, टियर-2 और निष्क्रिय (डॉर्मेंट) खातों पर पड़ेगा, जिससे आपकी रिटायरमेंट प्लानिंग की लागत में बदलाव आ सकता है। टियर-1 और टियर-2 खाते हुए बराबर एनपीएस सब्सक्राइबर्स के लिए एक अहम बदलाव टियर-2 खातों से संबंधित है। अब तक टियर-1 और टियर-2 खातों के मेंटेनेंस चार्जेस में अंतर था, लेकिन पीएफआरडीए ने अब इन्हें एक समान कर दिया है। इसका अर्थ है कि टियर-2 खाते पर भी वही सालाना मेंटेनेंस चार्ज लगेगा जो उसी सेक्टर के टियर-1 खाते पर लागू होता है। यह उन निवेशकों के लिए मायने रखता है जो टियर-2 को बचत के एक लचीले विकल्प के तौर पर देखते थे, क्योंकि अब इसकी लागत बढ़ जाएगी। हालांकि, छोटे निवेशकों को राहत देते हुए, अगर किसी तिमाही के अंत में टियर-2 खाते का बैलेंस 1,000 रुपये या उससे कम है, तो कोई मेंटेनेंस चार्ज नहीं लिया जाएगा। हर स्कीम पर अलग चार्ज इसके अलावा पीएफआरडीए ने स्पष्ट किया है कि एक ही पीआरएएन (परमानेंट रिटायरमेंट अकाउंट नंबर) के तहत हर पेंशन स्कीम को अब एक अलग खाता माना जाएगा।

अमेरिका ने ईरान के शांति प्रस्ताव पर उठाए सवाल, होर्मुज को लेकर भी दी चेतावनी

वाशिंगटन। एजेंसी। अमेरिका और ईरान के बीच तनाव गहराता जा रहा है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के नए शांति प्रस्ताव पर गंभीर संदेह जताया है, जिसे उन्होंने अस्वीकार्य करार दिया। ट्रंप ने कहा कि उन्हें नहीं लगता कि यह प्रस्ताव स्वीकार करने योग्य होगा, क्योंकि उनके अनुसार ईरान ने पिछले कई दशकों में किए गए कृत्यों के लिए अभी पर्याप्त कीमत नहीं चुकाई है। इस बयान से साफ है कि दोनों देशों के बीच समझौता फिलहाल दूर की कौड़ी है और तनाव बना रहेगा। इसी बीच अमेरिका ने अंतरराष्ट्रीय शिपिंग कंपनियों को चेतावनी दी है कि अगर वे स्ट्रेट ऑफ होर्मुज से सुरक्षित गुजरने के लिए ईरान को किसी भी रूप में (नकद, डिजिटल या वस्तु विनिमय) भुगतान करती हैं, तो उन पर कड़े प्रतिबंध लगाए जा सकते हैं। 28 फरवरी को अमेरिका और इजरायल के साथ संघर्ष के बाद ईरान कथित तौर पर इस महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग पर दबाव बना रहा था और कुछ जहाजों से सुरक्षित मार्ग के बदले फीस वसूल रहा था। अमेरिकी चेतावनी से वैश्विक शिपिंग कंपनियों की चिंता बढ़ गई है और क्षेत्र में अस्थिरता बढ़ने के संकेत मिल रहे हैं। दूसरी तरफ ईरान की नोबेल शांति पुरस्कार विजेता नरगिस मोहम्मदी की तबीयत अचानक बिगड़ने के बाद उन्हें शुक्रवार को ज़ंजान शहर के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया। उन्हें दिल से जुड़ी गंभीर परेशानी हुई और वे बेहोश हो गई थीं। परिवार का आरोप है कि उनकी खराब सेहत का कारण हालिया गिरफ्तारी और उससे जुड़ी घटनाएं हैं। हालांकि डॉक्टरों ने बेहतर इलाज के लिए उन्हें तेहरान ले जाने की सलाह दी है, लेकिन उनके पति ताघी रहमानी का आरोप है कि ईरान का खुफिया मंत्रालय इसकी अनुमति नहीं दे रहा, जिससे उनकी जान को खतरा हो सकता है। नॉर्वेजियन नोबेल कमेटी ने भी इस मामले पर चिंता व्यक्त करते हुए मोहम्मदी को तुरंत विशेषज्ञ मेडिकल टीम के पास भेजने की अपील की है। नरगिस मोहम्मदी पहले से ही ईरान सरकार के खिलाफ प्रचार और राष्ट्रीय सुरक्षा के खिलाफ साजिश जैसे आरोपों में सजा काट रही थीं।

मेष- आज का दिन आपको सिखाएगा कि असली ताकत संतुलन में होती है। काम में आपको सहयोग भी मिलेगा और दबाव भी। यानी मेहनत करनी पड़ेगी, लेकिन उसका फल भी मिलेगा। व्यापार में खासकर लोहे या बिल्डिंग से जुड़े काम में बढ़िया लाभ दिख रहा है। लेकिन खर्च अचानक बढ़ सकते हैं, इसलिए थोड़ा संभलकर चलें। रिश्तों में गुस्सा आपके लिए नुकसानदेह हो सकता है। शब्दों पर कंट्रोल रखें।

वृषभ- आज का दिन आपको सुकून और खुशी देने आया है। घर में प्यार और तालमेल बना रहेगा और जीवनसाथी के साथ खूबसूरत पल बिताने का मौका मिल सकता है। अगर कोई मनमुटाव था, तो आज उसे खत्म करने का सही समय है। ससुराल पक्ष से भी खुशखबरी मिल सकती है। नौकरी में आपकी मेहनत रंग लाएगी और सम्मान बढ़ेगा। पैसा आएगा, लेकिन खर्च भी साथ-साथ चलेगा। खासकर अगर शुगर की समस्या है तो खानपान पर ध्यान दें।

मिथुन- आज आपके लिए राहत भरा दिन है। पुराने अधूरे काम पूरे होने से मन हल्का महसूस करेगा। ऑफिस में साथियों का सपोर्ट मिलेगा, लेकिन काम का दबाव थोड़ा मानसिक तनाव दे सकता है। परिवार में कोई अच्छी खबर दिल खुश कर देगी। जीवनसाथी और बच्चों से प्यार और सहयोग मिलेगा। बस मां की सेहत को लेकर थोड़ी सावधानी रखें। सांस से जुड़ी समस्या है तो आज लापरवाही बिल्कुल न करें।

कर्क- आज आपका मन थोड़ा उलझा हुआ रह सकता है। काम में चुनौतियां आएंगी, लेकिन धैर्य और समझदारी से आप सब संभाल सकते हैं। सरकारी कामों में रुकावट आ सकती है। घर में जीवनसाथी से किसी बात पर तकरार हो सकती है, इसलिए शांत रहना ही बेहतर है। मां की सेहत चिंता बढ़ा सकती है। यात्रा के योग बन रहे हैं। सर्दी-जुकाम से बचाव रखें और खुद को मानसिक रूप से शांत रखने की कोशिश करें। प्रेम जीवन में थोड़ी राहत जरूर मिलेगी।

सिंह- आज आपका दिन चमकने वाला है। काम में सफलता मिलेगी और अधिकारी भी आपकी तारीफ करेंगे। रुके हुए काम पूरे होंगे और व्यापार में अच्छा लाभ मिलेगा। खासतौर पर धातु से जुड़े काम में। राजनीति या संपर्कों से भी फायदा मिलेगा। परिवार में बड़ों का आशीर्वाद मिलेगा और जीवनसाथी के साथ खूबसूरत पल बिताने का मौका मिलेगा। दोस्तों के साथ मजेदार समय और अच्छा खाना दिन को यादगार बना देगा। बस ब्लड प्रेशर का ध्यान रखें।

कन्या- आज किस्मत आपके साथ है। सेहत में सुधार होगा और आप खुद को पहले से ज्यादा ऊर्जावान महसूस करेंगे। नौकरी में आपका प्रदर्शन शानदार रहेगा और सम्मान भी मिलेगा। कोर्ट-कचहरी के मामलों में राहत मिल सकती है। पैसे से जुड़े कामों और विदेशी मामलों में भी सफलता मिलेगी। घर में भाई-बहनों के साथ प्यार बढ़ेगा। वैवाहिक जीवन में भी मिठास बनी रहेगी। बस गुस्से और नसों से जुड़ी समस्या को नजरअंदाज न करें।

तुला- आज आपके लिए पॉजिटिव बदलावों का दिन है। पैसा आएगा और काम भी आसानी से चलता रहेगा। आपकी बातचीत की कला आज आपको दूसरों से आगे ले जाएगी। पढ़ाई और करियर दोनों में अच्छे परिणाम मिल सकते हैं। किसी पुराने संपर्क से मदद मिलेगी।

वृश्चिक- आज आपके लिए सफलता और सम्मान दोनों इंतजार कर रहे हैं। नौकरी की तलाश कर रहे हैं तो खुशखबरी मिल सकती है। पुराना पैसा वापस आ सकता है। दोस्तों और खासकर महिला सहकर्मियों से सहयोग मिलेगा। परिवार के साथ अच्छा समय बिताने का मौका मिलेगा। प्रेम जीवन रोमांटिक रहेगा, लेकिन शादीशुदा जीवन में गुस्से पर कंट्रोल जरूरी है।

धनु- आज का दिन अच्छा है, लेकिन आपका गुस्सा सब बिगाड़ सकता है। इसे संभालना ही आपकी जीत है। काम में आपकी प्लानिंग और मेहनत आपको आगे ले जाएगी। शिक्षा और ज्ञान से जुड़े लोगों के लिए दिन शानदार है। पैसा और सम्मान दोनों मिलेंगे। परिवार में तालमेल बना रहेगा और अच्छा खाना मूड को और बेहतर करेगा। बस कमर और पीठ दर्द को हल्के में न लें।

मकर- आज किस्मत आपका साथ देने के लिए तैयार है। पैसे का लाभ होगा और रुके हुए काम भी पूरे हो सकते हैं। नौकरी में आपका रुतबा बढ़ेगा और पुराना पैसा वापस मिलने के संकेत हैं। दोस्तों के साथ अच्छा समय और किसी करीबी से मुलाकात खुशी देगी। लेकिन पिता की सेहत चिंता का कारण बन सकती है। शादीशुदा जीवन में पुरानी बातों को उखाड़ने से बचें। सेहत के लिए मौसम के हिसाब से चलना जरूरी है।

कुंभ- आज का दिन आपको बैलेंस सिखाएगा। कमाई भी होगी और खर्च भी। सरकारी योजनाओं से फायदा मिल सकता है, लेकिन कानूनी मामलों में सावधानी जरूरी है। यात्रा में सतर्क रहें। किसी करीबी की वजह से मन थोड़ा उदास हो सकता है। जीवनसाथी की सेहत चिंता बढ़ा सकती है। पुराने दोस्त से मुलाकात सुकून देगी। वाहन या इलेक्ट्रॉनिक चीजों पर खर्च हो सकता है। पेट और कफ से जुड़ी समस्या से बचें।

मीन- आज का दिन आपके लिए खास है। गुरु की कृपा आपके साथ है। काम में माहौल अनुकूल रहेगा और आपका सम्मान बढ़ेगा। दोस्त की मदद से कोई जरूरी काम पूरा होगा। नया काम शुरू करने के संकेत हैं। पुराना पैसा वापस आ सकता है। जमीन-जायदाद से जुड़े मामलों में सफलता मिलेगी।

शब्दजाल- 8248

या	द	गा	र	ग	ब	ज	क	प	ल	क
दें	वि	ल	क	या	दों	का	मौ	स	म	ड़
क	स	या	ल	र्म	छ	स	या	दी	ख	क
क	या	ल	र	क	वी	स	र	ल	श	क
क	री	दो	ग	क	ज	र	ग	ग	झ	क
जी	जिं	ल	प	नु	स	उ	द्दा	ण	घ	या
ती	दा	ल	श	सं	प	म	र	कौ	ला	दों
क	बा	या	र	मे	रा	क	फ	ना	श	की
क	द	ल	प	न	क	स	रा	औ	प	क
क	र	ल	प	व	जी	या	ऐ	ओ	प	स
क	क	ल	प	या	द	स	व्य	ब	प	म

शब्द जाल में 'या' से शुरु होनेवाली 10 हिंदी फिल्मों के नाम ढूंढिए. नाम उपर से नीचे एवं तिरछे भी हैं.

यादें, याद, यादगार, यार गद्दार, यार कसम, यार मेरा, यारी जिंदाबाद, याराना, यादों का मौसम, यादों की कसम.

शब्दजाल - 8247 का हल

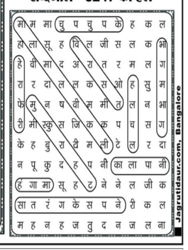

Jagrutidaur.com, Bangalore

फिल्म वर्ग पहेली- 7192

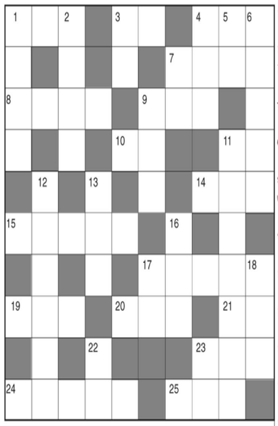

बायें से दायें:-

१. 'राह बनी खुद मंजिल' गीत वाली विस्वजीत, वहीदा की फिल्म-३
३. संजीवकुमार, सुचित्रासेन की 'तेरे बिना जिंदगी से कोई' गीत वाली फिल्म-२
४. 'मैं ने तेरे लिए ही' गीत वाली अमिताभ, राजेश खन्ना, शर्मिला की फिल्म-३
७. गोविंदा, आदित्य, नीलम, मंदाकिनी की अजय कश्यप निर्देशित फिल्म-४
८. 'कितना मजा आ रहा है' गीत वाली धर्मेन्द्र, हेमा मालिनी की फिल्म-२,२
९. राजेंद्रकुमार, वहीदा की 'ये मौसम भीगा भीगा है' गीत वाली फिल्म-३
१०. 'ना जइयो परदेस' गीत वाली दिलीपकुमार, अनिलकपूर, जैकी श्रॉफ, श्रीदेवी, पुनम ढिल्लों की फिल्म-२
११. जॉन अब्राहम, तारा शर्मा की 'हर तरफ हर जगह' गीत वाली फिल्म-२
१४. 'ऐ मेरे मेहरबां ऐ मेरे हमनशी' गीत वाली मनोजकुमार, साधना की फिल्म-३
१५. जीतेंद्र, रेखा की 'गोकुल की गलियों का' गीत वाली फिल्म-२,२,१
१७. 'जाओ जाओ हम से क्या' गीत वाली जैकी श्रॉफ, अमृता सिंह की फिल्म-२,३
१९. अरविंद, प्रभुदेवा, काजोल की 'चंदा रे चंदा रे कभी' गीत वाली फिल्म-३
२०. 'सिलसिला शुरू हुआ यहाँ से' गीत वाली फिल्म-३
२१. राजकपूर, नर्गिस की 'राजा की आएगी बारात' गीत वाली फिल्म-२
२३. शशि, संजीवकुमार, वहीदा, पूनम की फिल्म-३
२४. राहुलराय, शीबा की 'तेरी दोस्ती में मिला है' गीत वाली फिल्म-२,१,२
२५. 'देखो मेरा दिल मचल' गीत वाली राजेंद्रकुमार, वैजयंती की फिल्म-३

ऊपर से नीचे:-

१. अमिताभ, नाना पाटेकर, तब्बू की 'हम हैं बनारस के भैया' गीत वाली फिल्म-४
२. शाहरूख, विवेक, जूही की फिल्म-४
३. धर्मेन्द्र, माला सिन्हा की 'गैरों पे करम अपनों पे सितम' गीत वाली फिल्म-२
४. 'कभी तो मिलेगी कहीं' गीत वाली अशोक, प्रदीप, मीना की फिल्म-३
५. फिल्म 'परिवार' में जीतेंद्र के साथ नायिका कौन थी-२
६. शाहबाद, किरण, तब्बू, रीता की फिल्म-५
७. सनी, सुष्मिता सेन की 'कोई देख रहा छुप छुप के' गीत वाली फिल्म-२
९. 'तेरे चेहरे में वो' गीत वाली फिरोज खान, हेमा मालिनी, रेखा की फिल्म-३
११. जॉय, सायरा की 'दिल की महफिल सजी है' गीत वाली फिल्म-२,२,३
१२. 'इक तुम पास ना आना' गीत वाली अमिताभ, लक्ष्मी छाया की फिल्म-२,१,३
१३. अक्षयकुमार, माधुरी दीक्षित की 'दुनिया से दूर जा रहा हूँ' गीत वाली फिल्म-३
१६. राजकुमार, शत्रुघ्नसिन्हा, हेमा मालिनी, मिथुन चक्रवर्ती की फिल्म-३
१७. आमिर खान, फैजलखान, ट्विंकल की 'कमरिया लचके रे' गीत वाली फिल्म-२
१८. 'ये दुनिया वाले पूछेंगे' गीत वाली देव आनंद, आशा पारेख की फिल्म-३
२२. 'आज सजन मोहे अंग लगालो' गीत वाली फिल्म-२
२३. नसीरूद्दीनशाह, अतुल अग्निहोत्री, पूजा भट्ट की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 7191

Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

4 मई 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह	स्थिति
सूर्य	मेष में
चंद्र	वृश्चिक में
मंगल	मीन में
बुध	मेष में
गुरु	मिथुन में
शुक्र	वृष में
शनि	मीन में
राहु	कुंभ में
केतु	सिंह में

राहुकाल 7.30 से 9.00 बजे तक

लग्नारंभ समय	
वृष	06.06 बजे से
मिथुन	08.04 बजे से
कर्क	10.18 बजे से
सिंह	12.34 बजे से
कन्या	14.46 बजे से
तुला	16.57 बजे से
वृश्चिक	19.11 ब.से
धनु	21.27 बजे से
मकर	23.32 बजे से
कुंभ	01.19 बजे से
मीन	02.52 बजे से
मेष	04.22 बजे से

सोमवार 2026 वर्ष का 124 वा दिन
दिशाशूल पूर्व **ऋतु** ग्रीष्म।
विक्रम संवत् 2083
शक संवत् 1948
मास ज्येष्ठ (दक्षिण भारत में वैशाख) **पक्ष** कृष्ण
तिथि तृतीया अहोरात्र।
नक्षत्र अनुराधा 09.58 बजे को समाप्त।
योग परिघ 23.20 बजे को समाप्त।
करण वणिज 16.13 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 16.5 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 15° 54'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872699
जूलियन दिन 2461164.5
कलियुग संवत् 5128
कल्पारंभ संवत् 1972949128
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885128
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1447
महीना जिल्काद
तारीख 16

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
अमृत	05.53 से	07.22 बजे तक	चर	05.43 से	07.14 बजे तक
काल	07.22 से	08.50 बजे तक	रोग	07.14 से	08.45 बजे तक
शुभ	08.50 से	10.19 बजे तक	काल	08.45 से	10.17 बजे तक
रोग	10.19 से	11.48 बजे तक	लाभ	10.17 से	11.48 बजे तक
उद्वेग	11.48 से	01.17 बजे तक	उद्वेग	11.48 से	01.19 बजे तक
चर	01.17 से	02.45 बजे तक	शुभ	01.19 से	02.51 बजे तक
लाभ	02.45 से	04.14 बजे तक	अमृत	02.51 से	04.2 बजे तक
अमृत	04.14 से	05.43 बजे तक	चर	04.22 से	05.53 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रसंगतः रचना का सम्मान

यह उस समय की बात है, जब विख्यात बांग्ला लेखक शरतचंद्र चट्टोपाध्याय ने लेखन की शुरुआत ही की थी। उन दिनों कई बार तो उनकी रचनाएं पत्र-पत्रिकाओं से लौटा दी जाती थीं और प्रकाशित होने पर भी उन्हें दूसरे लेखकों की तुलना में कम पारिश्रमिक मिलता था। इसी संकोच के कारण कई बार तो वह कहानी लिख कर भी छपने के लिए कहीं नहीं भेजते थे। एक बार उन्होंने अपनी 'स्वामी' शीर्षक रचना उस समय की चर्चित पत्रिका 'नारायणा' में छपने के लिए भेजी। पत्रिका के संपादकों को यह रचना इतनी पसंद आई कि दूसरे ही दिन वह पत्रिका के पहले पेज पर छाप दी गई। उस समय नारायणा में प्रकाशित एक कहानी या लेख का पारिश्रमिक कम से कम पचास रुपये हुआ करता था। लेकिन कई बार इससे ज्यादा पारिश्रमिक भी दिया जाता था। इसका निर्णय रचना का स्तर और लेखक की प्रतिष्ठा को देखकर संपादकगण करते थे। लेकिन शरतचंद्र की इस रचना के बारे में संपादक मंडल कोई निर्णय नहीं ले सका। यह तय हुआ कि इसका फैसला शरतचंद्र जी स्वयं करें। दो दिनों के बाद उनके पास पत्रिका के कार्यालय से एक कर्मचारी आया और उन्हें प्रधान संपादक की एक चिट्ठी सौंपी। चिट्ठी के साथ एक हस्ताक्षरित ब्लैंक चेक भी था। पत्र में लिखा था, 'हस्ताक्षर करके खाली चेक आप को भेज रहा हूं। एक महान लेखक की इस महान रचना के लिए मुझे बड़ी से बड़ी रकम लिखने में भी संकोच हो रहा है। इसलिए कृपा करके खाली चेक में स्वंय ही अपना पारिश्रमिक डाल लें। मैं आप का आभारी रहूंगा।' शरतचंद ने पत्र पढ़ा। फिर राशि की जगह केवल 75 रुपये भरकर प्रधान संपादक को पत्र लिखा, 'मान्यवर, आप ने मुझे जो सम्मान दिया है उसका कोई मूल्यांकन नहीं किया जा सकता। आप का यह पत्र मेरे लिए बेशकीमती है। यही मेरा सम्मान है।' उनका पत्र पढ़कर संपादकगण बेहद प्रभावित हुए। इसके बाद शरतचंद्र की कई महत्वपूर्ण रचनाएं प्रकाशित हुईं और उन्हें अपार लोकप्रियता मिली।

सूडोकु नवताल- 7501

★★★✯☆ मध्यम

3				8				9
		8	6		9	5		
6	5			4			7	1
	4						2	
1	2			6			9	8
		6	4		5	8		
9				1				7

Jagrutidaur.com, Bangalore

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
■ पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7500 का हल

2	3	8	5	1	9	6	4	7
9	6	4	7	3	8	2	5	1
5	1	7	4	6	2	8	3	9
3	2	5	1	9	7	4	6	8
1	8	9	6	4	3	7	2	5
4	7	6	2	8	5	1	9	3
6	4	3	8	5	1	9	7	2
8	9	2	3	7	4	5	1	6
7	5	1	9	2	6	3	8	4

शब्द पहेली - 8716

बाएँ से दाएँ

1. दैत्य, असुर-3
3. रुकावट, बाधा-4
6. सम्मान-2
7. नियंत्रण, घोड़े की रास-3
8. मूल, कंद-2
9. सलाह, मशवरा-2
10. मोटा आटा-2
12. सलाह देने वाला-5
14. जलाना-3
17. माला का मोती-3
19. उग्रवाद, हिंसा वाद-5
22. शराब, मदिरा-2
24. दुख, कष्ट-2
25. चेतना, ध्यान-2
27. सालन, रसा-3
28. प्राणेंद्रिय, इज्जत-2
29. राजकुमार (उर्दू-4)
30. अस्तित्व, प्राण तत्व-3

ऊपर से नीचे

1. खैरात, दक्षिणा-2
2. गोलाकार-5
3. नश्वर, जो कभी न मरे-3
4. प्रतिदिन-2
5. हृदय स्पंदन-4
6. विचार-3
9. मार्ग, रास्ता-2
11. अदालत में प्रस्तुत दावा-2
13. बब्बर शेर (अंग्रेजी-3)
15. सीरा, एक मिष्ठान्न-3
16. पतंग के पेच लड़ाना-5
17. बेसुध, अलमस्त-4
18. कार्य-2
20. जरा, थोड़ा-2
21. दरवाजा खटखटाना-3
23. इन्होंने कृष्ण को पाला था, कृष्ण की दूसरी मां-3
26. उकसावा, बढ़ावा-2
28. मैदे की एक प्रकार की रोटी-2

शब्द पहेली -8715 का हल

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

नगर परिषद अतिक्रमण के नाम पर दुकानदारों को टीन शेड हटाने का भेजा नोटिस

नजर नहीं आ रही यातायात को बाधित कर रहे विद्युत पोल व सड़कों पर लगी दुकानें

पद्मेश न्यूज। लांजी।

नोटिस की राजनीति से शहर नहीं सुधरते, शहर सुधरते हैं नियोजन से और सुनियोजित नीतियों पर लगातार कार्य करने से। परंतु नगर परिषद लांजी अपनी विफलताओं का ठीकरा छोटे व्यापारियों पर फोड़कर अपना पल्ला झाड़ रही है। यदि परिषद वास्तव में दुर्घटनाएं रोकना चाहती है, तो उसे वसूली मशीन बनने के बजाय सुधारवादी संस्था बनना होगा। जनता देख रही है कि परिषद की कार्रवाई न्यायपूर्ण है या केवल अपने राजस्व दाताओं का दमन! नगर परिषद लांजी इन दिनों अतिक्रमण के नाम पर कानून का जो चश्मा पहनकर बैठी है, उसमें उसे केवल छोटे दुकानदारों के अस्थायी टीन शेड ही नजर आ रहे हैं। नगर पालिका अधिनियम 1961 की धारा 223 का डर दिखाकर परिषद उन हाथों को मरोडने की कोशिश कर रही है, जो छोटी मोटी दुकान लगाकर परिवार का जीवन यापन कर रहे हैं। सवाल यह है कि क्या लांजी की बदहाल ट्रैफिक व्यवस्था का असली विलेन एक छोटा दुकानदार है, या परिषद की खुद की प्रशासनिक निरंकुशता? परिषद के पास इन दुकानदारों से टैक्स वसूलने के लिए लंबी चौड़ी फौज है, लेकिन जब इन्हीं व्यापारियों को एक सुव्यवस्थित हॉकर्स जोन या मार्केट कॉम्प्लेक्स देने की बात आती है, तो प्रशासन की इच्छाशक्ति को लकवा मार जाता है। विडंबना देखिए -परिषद उन फुटकर व्यापारियों का गला घोंट रही है जिनसे परिषद का राजस्व बढ़ता है। परिषद आज तक यह तय नहीं कर पाई कि व्यापारियों को हटाना समाधान नहीं, बल्कि उन्हें व्यवस्थित करना असली जिम्मेदारी है।

रसूखदारों के आगे नतमस्तक, गरीबों पर शेर

दुकानदारों ने परिषद की निष्पक्षता को सरेआम चुनौती दी है। मुख्य मार्गों पर दुकानों का जो अंबार लगा है और जहां से खुलेआम ठेका-वसूली का खेल चल रहा है, वहां परिषद के अधिकारियों की नजर क्यों नहीं पहुंचती? साप्ताहिक बाजार के दिन मुख्य सड़कों से गुजरना मौत को दावत देने जैसा है, लेकिन उस वक्त परिषद का अतिक्रमण दस्ता गहरी नींद में सोता रहता है। धूप-बारिश से बचने के लिए लगाए गए शेड पर तो नोटिस चस्पा हो जाता है, लेकिन रसूखदारों के पक्के कब्जों और सड़क घेरकर खड़े वाहनों पर परिषद की कलम नहीं चलती।

व्यापारियों की दो टूक, पहले व्यवस्था दो, फि र हटाओ अतिक्रमण.

स्थानीय व्यापारियों ने प्रशासन को आईना दिखाते हुए स्पष्ट चेतावनी दी है की परिषद पहले व्यापारियों के लिए एक समर्पित बाजार क्षेत्र विकसित करे जहां जनता और व्यापारी दोनों सुरक्षित महसूस करें। जैसे ही परिषद छोटे व्यापारियों को सम्मानजनक विकल्प देगी, मुख्य सड़कें स्वत: ही अतिक्रमण मुक्त हो जाएंगी। कार्रवाई का डंडा उन पर चले जो सड़क रोककर अंबार लगाए बैठे हैं, न कि उन पर जो छत के अभाव में शेड तानकर अपना गुजारा कर रहे हैं।

बिजली के खंभे और ट्रांसफार्मर अतिक्रमण की असली जड़

प्रशासनिक निरंकुशता का आलम यह है कि रोड चौड़ीकरण की योजना बनाने से पहले परिषद ने विद्युत विभाग के साथ तालमेल बिठाना जरूरी नहीं समझा। आज भी शहर की सड़कों के बीचों-बीच बिजली के खंभे और ट्रांसफार्मर सीना तानकर खड़े हैं। इन्हीं खंभों की ओट में अतिक्रमण पनपता है। यदि परिषद ने इन खंभों को पहले शिफ्ट करवाया होता, तो सड़कें स्वत: ही चौड़ी हो जातीं और अतिक्रमण की समस्या पैदा ही नहीं होती। यह परिषद की तकनीकी और रणनीतिक हार है।

सरस्वती शिशु मंदिर लांजी में नि:शुल्क समर कैंप का तीसरा दिन भव्यतापूर्वक संपन्न

पद्मेश न्यूज। लांजी। सरस्वती शिशु मंदिर लांजी में नि:शुल्क समर कैंप के तीसरे दिन के आयोजन के मुख्य अतिथि योगेंद्र दहीकर खंड कार्यवाह राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ लांजी, विशिष्ट अतिथि अरुण आसटकर बौद्धिक प्रमुख राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ लांजी, प्रधानाचार्य सदरूलाल बोहने एवं वरिष्ठ आचार्य त्रयंबक भगत, लेखराम ठाकरे उपस्थित रहे। इन अतिथियों के द्वारा मां सरस्वती, मां भारती की छायाचित्र पर माल्यार्पण कर दीप प्रज्वलित किया गया। वाणी वंदना हुई एवं अतिथियों का तिलक वंदन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री दहीकर ने अपने वक्तव्य में कहा कि बच्चों के इस समर कैंप में आने से आपका व्यक्तित्व विकास के साथ ही सर्वांगीण विकास भी होता है। यहां विभिन्न प्रकार की नई-नई जानकारियां को सीखने और समझने मिलता है। अरुण जी ने कहा कि आप बच्चों को निशुल्क समर कैंप में पूरे मनोयोग एवं लगन से सीखना है, अपने शरीर को स्वस्थ रखने के लिए प्रतिदिन योग, व्यायाम, खेलकूद भी करना अनिवार्य है। यह सारी चीज इस समय कैंप में आपको प्राप्त हो रही है, खूब लगन से शिविर का आनंद लें और अपने जीवन में उपयोग में ले। श्री भगत आचार्य जी ने बच्चों को प्रयोग करके बताया कि रासायनिक क्रिया के माध्यम से इस तरह पानी का रंग बदल जाता है, कागज में आग लग जाती है, और थर्मोकोल को गायब किया जा सकता है । यह सब विज्ञान के प्रयोग पर आधारित होता है, इसमें किसी प्रकार का जादू नहीं है। हमें अंधविश्वास में नहीं पड़ना चाहिए। इसे बच्चों ने बड़ी उत्सुकता के साथ प्रयोग को देखा और प्रशंसा की यह जादू नहीं यह विज्ञान है। साथ ही अंग्रेजी स्पोकन, वंदना, योग, नृत्य, खेलकूद आदि क्रियाकलापों में बच्चों ने भाग लेकर अपनी प्रतिभा का भी प्रदर्शन किया,और बच्चों में आत्मविश्वास जागृत हुआ।श्री ठाकरे आचार्य जी ने आभार व्यक्त करते हुई कहा कि निशुल्क समर कैंप में दिनों दिन बच्चों में सीखने की जिज्ञासा बढ़ रही है, और बड़े ही शालीनता के साथ कैंप का आनंद बच्चे ले रहे हैं। समिति, आचार्य परिवार और बच्चों का इस शिविर को भरपूर सहयोग प्राप्त हो रहा है। आज समर कैंप का तीसरा दिन है और शिविर में लगभग 115 बच्चे शामिल हुए।

किरनापुर आगमन पर बाबा साहब के पौत्र का गर्मजोशी से किया गया स्वागत

पद्मेश न्यूज। किरनापुर। लांजी मे आयोजित बौद्ध महासम्मेलन मे शिरकत करने जा रहे बाबा साहब डॉ भीमराव अम्बेडकर जी के पौत्र डॉ भीमराव यशवंतराव अम्बेडकर के काफिले के किरनपुर आगमन पर क्षेत्रभर के सैकड़ों बौद्ध धम्म अनुयायियों द्वारा फूलमालाएं पहनाकर एवं पुष्प गुच्छ

भेंट कर गर्मजोशी से स्वागत सत्कार किया गया। इस अवसर पर उनके द्वारा डॉ बाबा साहब अम्बेडकर जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर नमन किया। अनुयायियों द्वारा बाबा साहब अम्बेडकर के जयकारे लगाएं तथा काफिले मे शामिल लोग आगे लांजी के गंतव्य के लिए रवाना हुए। इस दौरान डॉ भीमराव अम्बेडकर जी द्वारा चौंक मे की गई बाबा साहब की मनोहारी प्रतिमा की सराहना करते हुए पूछा गया कि क्या यह प्रतिमा अनुदान के माध्यम से स्थापित की गई है तो समुदाय के लोगो ने उन्हें बताया कि यह प्रतिमा सरकारी अनुदान के बिना तथा बिना किसी राजनीतिक सपोर्ट लिए सिर्फ़ सामाजिक बंधुओं के सहयोग से ही स्थापित की गई है। जिसकी उनके द्वारा खूब सराहना की गई। इस अवसर पर बाबा साहब अम्बेडकर प्रतिमा स्थापना एवं सुरक्षा समिति अध्यक्ष जे पी रामटेके, भारतीय बौद्ध महासभा तहसील शाखा किरनापुर अध्यक्ष दुरेन्द्र सावनकर,आर के शेंडे,उपाध्यक्ष राकेश बोरकर, सरोज गौतम भीमटे , कोषाध्यक्ष एस आर पटले,सचिव राहुल वैद्य, अमरदीप रामटेके, स्वाकेश भीमटे, संरक्षक एम आर बागड़े, सुरेखा ताई पटले, राजेन्द्र वैद्य, मिलिंद चौरे, विनय चौरे, हंसराज वाहने रमाशंकर हिरकने, जे के गेडाम, वाय आर रामटेके, ?नेन्द्र मेश्राम,हरिदास मेश्राम, विकास सूर्यवंशी, प्रज्वल सूर्यवंशी, सुधांशु बोरकर सहित ग्रामीण शाखा भालवा एवं तहसील शाखा लांजी के पदाधिकारियों एवं सदस्यों की मौजूदगी रही।

अपने अस्तित्व के निर्माण के लिए निरंतर प्रयास करना होगा - डॉ भीमराव यशवंतराव अम्बेडकर

पद्मेश न्यूज। लांजी। आदर्श बौद्ध समाज के निर्माण के उद्देश्य से 24 अप्रैल से 3 मई 2026 तक जिले के विभिन्न तहसील एवं सर्कल मुख्यालयों में दस दिवसीय श्रामणेर बौद्धाचार्य धम्म प्रशिक्षण शिविर, उपासिका धम्म प्रशिक्षण शिविर तथा समता सैनिक दल के सैनिक प्रशिक्षण शिविरों का व्यापक स्तर पर आयोजन किया गया। इन शिविरों के माध्यम से समाज में नैतिकता, अनुशासन और धम्म के सिद्धांतों के प्रसार का संदेश दिया गया। इसी श्रृंखला के समापन अवसर पर रविवार 3 मई को रानी अवंती बाई स्टेडियम लांजी में राज्य स्तरीय बौद्ध महासम्मेलन का भव्य आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में बौद्ध अनुयायी, पदाधिकारी एवं सामाजिक कार्यकर्ता शामिल हुए। महासम्मेलन बाबा साहब आंबेडकर के पौत्र डॉ. भीमराव यशवंतराव आंबेडकर के मुख्यातिथ्य में एवं कैप्टन प्रवीण निखाड़े, बी.एच. गायकवाड़, सी.एल. बौद्ध, गौतम पाटिल, आर.सी. दिवाकर, बी.सी. सहारे, डॉ. जगदीश गवई, डॉ. चरणदास ढेंगरे, अनिल भाऊ मेश्राम, धर्मेंद्र कुरील, रमेश लोखंडे, शंकरराव शेषकर, संतोष गवले, आर.के. कठाने, सुनील वासनिक, रामबक्श सुखचरण राम, पदमाकर गनवीर, भीमराव फुसे, भंते राहुल बोधि जी (चैत्य भूमि, मुंबई), रेशम भोयर, महेश चौके सहित अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

सुभाष चौक पर हुआ मुख्य अतिथि का भव्य स्वागत

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में बोधिसत्व डॉ बाबा साहब आंबेडकर के पौत्र डॉ. भीमराव यशवंतराव आंबेडकर विशेष रूप से उपस्थित रहे। उनके लांजी आगमन पर नगर के सुभाष चौक में आतिशबाज़ी कर पुष्प मालाओं से भव्य स्वागत किया गया। इस दौरान उन्होंने सुभाष चौक स्थित नेताजी सुभाषचंद्र बोस की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की। स्वागत के उपरांत वे रानी अवंतीबाई स्टेडियम स्थित कार्यक्रम स्थल के लिए रवाना हुए, जहां पहले से ही बड़ी संख्या में अनुयायी उनका इंतजार कर रहे थे।

दीप प्रज्वलन और त्रिशरण पाठ से हुई कार्यक्रम की शुरुआत

रानी अवंतीबाई स्टेडियम में आयोजित महासम्मेलन का शुभारंभ बाबा साहब डॉ. आंबेडकर, भगवान गौतम बुद्ध एवं सम्राट अशोक के छायाचित्रों के समक्ष मोमबत्ती जलाकर किया गया। इसके पश्चात त्रिशरण पाठ किया गया, जिससे पूरे वातावरण में आध्यात्मिक ऊर्जा का संचार हुआ। समता सैनिक दल द्वारा अतिथियों को विधिवत सलामी दी गई और मंच पर उपस्थित अतिथियों का विभिन्न संगठनों के द्वारा फूल-मालाओं से आत्मीय स्वागत किया गया।

आदर्श समाज निर्माण का दिया संदेश

अपने उद्बोधन में मुख्य अतिथियों एवं वक्ताओं ने दस शील का पालन करने का संकल्प लेने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि समाज में व्याप्त बुरी आदतों को त्यागकर अच्छी आदतों को अपनाना ही एक सशक्त और आदर्श बौद्ध समाज की स्थापना का आधार है। शिविरों में दी गई शिक्षाओं को केवल सीमित समय तक न रखकर उन्हें जीवन का हिस्सा बनाना आवश्यक है। वक्ताओं ने बताया कि ये प्रशिक्षण शिविर जीवन जीने की कला सिखाने का माध्यम हैं, जिनसे व्यक्ति अपने आचरण, विचार और व्यवहार में सकारात्मक परिवर्तन ला सकता है।उन्होंने आगे कहा कि ज्ञान प्राप्त होने से व्यक्ति का भय समाप्त होता है और वह किसी भी प्रकार के भ्रम से मुक्त होकर आत्मविश्वास के साथ जीवन में आगे बढ़ सकता है। संघर्ष को जीवन का अभिन्न हिस्सा बताते हुए वक्ताओं ने कहा कि हर व्यक्ति को अपने अस्तित्व के निर्माण के लिए निरंतर प्रयास करना होगा। तभी समाज में सच्चे अर्थों में समता, भाईचारा और प्रगति स्थापित हो सकेगी।

सम्मेलन की सराहना, कार्यकर्ताओं की मेहनत को मिला सम्मान

कार्यक्रम में उपस्थित सभी वक्ताओं ने लांजी में आयोजित इस राज्य स्तरीय महासम्मेलन की मुक्त कंठ से सराहना की। दूर-दराज से आए अतिथियों ने यहां के सामाजिक कार्यकर्ताओं एवं आयोजकों की मेहनत, समर्पण और संगठन क्षमता की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के आयोजन समाज में जागरूकता लाने और नई दिशा देने का कार्य करते हैं।

आयोजन में व्यापक सहभागिता

यह कार्यक्रम बुद्धिस्ट सोसायटी ऑफ इंडिया (भारतीय बौद्ध महासभा) की मध्यप्रदेश राज्य शाखा के तत्वावधान में आयोजित किया गया। आयोजन को सफल बनाने में प्रमोद भीमटे, अशोक कुमार मेश्राम, कमल मेश्राम, विलास चौरे, गौरव भालाधरे, कैलाश वैद्य, संतोष वैद्य, इंद्रजीत अहिरवार, वीरेंद्र हुमने, महेंद्र रामटेके, इंदिरा भालाधरे, चंद्रदीप रामटेके, लक्ष्मण बोरकर, बुद्धवर्धन उके, उज्जवल मेश्राम, डॉ. मिथलेश रामटेके, सुरेश बंसोड़, कमलेश गजभिये, नुजीत भालेकर, एम.के. बौद्ध, पी.डी. भालाधरे, वंदना वैद्य, बी.आर. रामटेके सहित सभी सर्किलों के पदाधिकारियों का महत्वपूर्ण योगदान रहा। कार्यक्रम का सफल एवं सुव्यवस्थित संचालन उत्तम प्रधान द्वारा किया गया, जिन्होंने पूरे आयोजन को क्रमबद्ध और प्रभावी ढंग से आगे

विभिन्न मार्गों को लेकर रजेगांव के ग्रामीणों ने सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी को सौंपा ज्ञापन

पद्मेश न्यूज। किरनापुर। सांदीपनि विद्यालय रजेगाँव के निर्माणाधीन भवन एवं रजेगाँव के आवासीय क्षेत्र इंदिरा आवास टोली जिससे होकर विद्यार्थियों को विद्यालय तक पहुचना होता है, राष्ट्रीय राज मार्ग न. 543 जो बालाघाट से गोंदिया की ओर फोरलेन है। वर्ष 2026-27 में विद्यार्थियों को इस मार्ग को पार कर के विद्यालय में पहुंचना पड़ता है। जहा विद्यार्थियों के साथ कभी भी गंभीर एवं भीषण दुर्घटना हो सकती है। जनहित एवं सुरक्षा की दृष्टि से उक्त स्थल पर रोड ओवर ब्रिज बनाना नितान्त आवश्यक है।चूंकि वर्ष 2026-27 में सांदीपनि विद्यालय मे विद्यार्थियों की संख्या लगभग 2500 होने की पूर्ण संभावना है। अत: इस राष्ट्रीय राजमार्ग पर फ्लाई ओवर अथवा गति अवरोधक जैसे

विषयवस्तु निर्मित हो सके। आज दिनांक 3 मई 2026 सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री भारत सरकार सम्माननीय श्री नितिन गडकरी जी से कांग्रेस नेता एवं सांसद प्रतिनिधि परवेज़ अली जी के नेतृत्व में महत्वपूर्ण मुलाकात कर अपनी मांग रखी। इस दौरान रजेगाव के सरपंच भूपेंद्र बुड्ढेकर,जिलापंचायत सदस्य श्रीमती चेतना अजय कुर्राहे ,सामाजिक कार्यकर्ता जावेद खान ने प्रमुखता से माननीय मंत्री जी को अपनी समस्याओं से अवगत कराया। माननीय मंत्री जी श्री नितिन गडकरी ने पूर्ण आश्वस्त कर बहुत जल्द रजेंगांव में ओपन ब्रिज या अन्डर पास बनाने का आश्वासन दिया।

लांजी में "पद्मेश"
इंटरनेट (ब्राडबेंड) कनेक्शन के लिये संपर्क करें
Mo. 8319969927

गृह विभाग ने जारी किए आदेश

मप्र में 62 आईपीएस अधिकारी इधर से उधर

रवि कुमार को विशेष डीजीपी प्रशिक्षण और पुलिस अकादमी निदेशक का प्रभार सौंपा

भोपाल। मध्य प्रदेश के गृह विभाग ने 62 आईपीएस अधिकारियों का तबादला किया है, जिससे राज्य भर में वरिष्ठ रैंक और जिला स्तर पर तैनाती प्रभावित हुई है। ये आदेश शनिवार देर रात जारी हुए। नए आदेश में रवि कुमार गुप्ता को विशेष डीजीपी प्रशिक्षण और भोपाल के भौरी स्थित पुलिस अकादमी के निदेशक का प्रभार सौंपा गया है। राजाबाबू सिंह को एडीजीपी रेलवे नियुक्त किया है। अब डीपी गुप्ता सामुदायिक पुलिसिंग, आरटीआई, सार्वजनिक सेवा गारंटी, सहकारी धोखाधड़ी, पुलिस नियमावली, अनुसंधान एवं विकास का जिम्मा संभालेंगे। सोलोमन यश कुमार मिंज को कंप्लेंट सेल, मानवाधिकार और कल्याण लेखा विभाग सौंपा है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक अमित सिंह का तबादला इंदौर रेंज में सशस्त्र बल के डीआईजी के पद पर कर दिया गया है जबकि अवधेश कुमार गोस्वामी को भोपाल स्थित पीएयक्यु में डीआईजी के रूप में तैनात किया गया है। अमित सांघी का तबादला डीआईजी होमगार्ड/एसडीईआरएफ भोपाल के पद पर कर दिया गया है। वीरेंद्र कुमार सिंह नर्मदापुरम रेंज के डीआईजी बन गए हैं और प्रशांत खरे को पुलिस मुख्यालय भेजा गया है। मनीष कुमार अग्रवाल पीएयक्यु में डीआईजी के पद पर तैनात किए गए हैं। मनोज कुमार राय, रियाज इकबाल, राहुल कुमार लोढ़ा और सिमाला प्रसाद को भी मुख्यालय में डीआईजी के विभिन्न पदों पर स्थानांतरित किया है।

जिला स्तर पर असित यादव का तबादला ग्वालियर रेंज में, विवेक सिंह का शाहडोल रेंज में, शैलेंद्र सिंह चौहान का अतिरिक्त आयुक्त (कानून और व्यवस्था) भोपाल में, कुमार प्रतीक का डीआईजी नारकोटिक्स इंदौर में, शिवदयाल का मुख्यालय में, मयंक अवस्थी का अतिरिक्त आयुक्त इंदौर में और अरविंद तिवारी को कमांडेंट 34वीं बटालियन धार बनाया है।

सूरज कुमार वर्मा को एसपी भिंड, यांगचेन डोलकर भूटिया को एसपी शिवपुरी, गुरुकरण सिंह को एसपी रीवा, दीपक शुक्ला को कमांडेंट 32वीं बटालियन उज्जैन, अमन सिंह राठौड़ को डीसीपी इंदौर, अनुराग सुजानिया को एसपी सागर, सचिन शर्मा को एसपी धार, वाहनी सिंह को एसपी पीटीसी इंदौर, विकास कुमार सहवाल को डीसीपी भोपाल, धर्मराज मीना को एसपी मुरैना, समीर सौरभ को एसएसपी रेडियो भोपाल, रजत सकलेचा को एसपी छतरपुर और अगम जैन को एसपी खंडवा बनाया गया है।

मनीष खत्री को एआईजी मुख्यालय, सुनील कुमार मेहता को डीसीपी इंदौर, देवेन्द्र कुमार पाटीदार को एसपी झाबुआ बनाया गया है। रामशरण प्रजापति को एआईजी मुख्यालय, सुंदर सिंह कनेश को एसपी रेल जबलपुर, राजेश व्यास को एसपी नीमच, विनोद कुमार सिंह को कमांडेंट 24वीं बटालियन रतलाम, पंकज कुमार पांडे को एसपी ग्रामीण भोपाल, प्रकाश चंद्र परिहार को एसपी पांढुर्ना, दिलीप कुमार सोनी को एसपी आगर मालवा, राजेंद्र कुमार वर्मा को एसपी ग्रामीण इंदौर, विक्रांत मुराब को एसपी अनूपपुर, सुरेंद्र कुमार जैन को एसपी मऊगंज, आशीष खरे को एसपी डिंडोरी, अंकित जायसवाल को एसपी रेलवे भोपाल में पदस्थ किया गया है।

राजेश रघुवंशी को एसपी मंडला, मोतीउर रहमान को कमांडेंट 9वीं बटालियन रीवा, श्रुतकीर्ति सोमवंशी को कमांडेंट 13वीं बटालियन ग्वालियर, मयूर खंडेलवाल को एसपी दतिया, सोनाक्षी सक्सेना को एसपी सीहोर, शियाज केएम को एसपी सिंगरौली, आनंद कलदगी को एसपी दमोह, कृष्णलाल चंदानी को एसपी सिवनी, आयुष गुप्ता को डीसीपी भोपाल, आदर्शकांत शुक्ला को डीसीपी भोपाल, नरेंद्र रावत को डीसीपी इंदौर, अभिषेक रंजन को डीसीपी इंदौर बनाया है।

एम्स भोपाल का चमत्कार, महिला को दिलाई दर्द से परमानेंट मुक्ति

- 6 महीने से पत्थर जैसा हो गया था शरीर

भोपाल। एम्स भोपाल के दर्द चिकित्सा यूनिट (एनेस्थेसियोलॉजी विभाग) और न्यूरोसर्जरी विभाग की संयुक्त टीम ने उत्तर प्रदेश के ललितपुर की एक 65 वर्षीय बुजुर्ग महिला को छह महीने के असहनीय दर्द और स्पास्टिक पैराप्लेजिया (लकवे जैसी स्थिति) से स्थायी छुटकारा दिलाया है। जानकारी के अनुसार, महिला रीढ़ की हड्डी में गंभीर चोट के कारण स्पास्टिक पैराप्लेजिया का शिकार हो गई थीं। इस बीमारी में मांसपेशियां इस कदर जकड़ जाती हैं कि मरीज का शरीर पत्थर की तरह सख्त हो जाता है और हिलना-डुलना भी असंभव हो जाता है। महीनों से भीषण दर्द के कारण महिला सो भी नहीं पा रही थीं। जब दवाओं की भारी खुराक भी बेअसर साबित हुई, तब परिजन उन्हें एम्स भोपाल लेकर आए। दर्द चिकित्सा विशेषज्ञ डा. अनुज जैन और न्यूरोसर्जन डा. सुमित राज की टीम ने महिला के शरीर में प्रोग्रामेबल ड्रग डिलीवरी पंप प्लांट करने का निर्णय लिया।

कैसी काम करती है तकनीक?

इस तकनीक के तहत एक छोटा डिवाइस त्वचा के नीचे प्रत्यारोपित किया जाता है, जो सीधे रीढ़ की हड्डी के तरल (सेरेब्रोस्पाइनल फ्लुइड) में दवा पहुंचाता है। इस विधि का सबसे बड़ा फायदा यह है कि दवा सीधे नसों तक पहुंचती है, जिससे परिणाम तुरंत और बेहद प्रभावी मिलते हैं। डा. अनुज जैन ने बताया कि यह जटिल प्रक्रिया देश के कुछ चुनिंदा संस्थानों में ही उपलब्ध है।

इलाज के खर्चे में तीन लाख की कमी

निजी अस्पतालों में इस पंप और सर्जरी की कुल लागत 10 लाख रुपये से अधिक आती है, जबकि एम्स भोपाल में यह सफल उपचार लगभग सात लाख रुपये में संपन्न हुआ। सफल सर्जरी के बाद अब महिला जकडन् और दर्द से पूरी तरह मुक्त हैं और महीनों बाद उन्हें चैन की नींद आई है।

मासूमों की मौत पर हस्तक्षेप की मांग

– पीसीसी जीतू पटवारी ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को लिखी चिट्ठी

भोपाल । मप्र में एक के बाद एक हादसों ने प्रदेशवासियों को झकझोर दिया है। हाल ही में बरगी डैम क्रूज हादसे में 13 लोगों की मौत हो गई। छिंदवाड़ा के सिरपकांड में कई मासूम काल के गाल में समा गए। वहीं इंदौर में दूषित पानी से कई लोगों ने अपनी जान गंवा दी। मध्य प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष जीतू पटवारी ने इसको लेकर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को संबोधित करते हुए पत्र लिखा है। उन्होंने राष्ट्रपति से राज्य में लगातार हो रही बड़ी घटनाओं और सामूहिक रूप से हो रही मासूमों की मौत पर हस्तक्षेप की मांग की है।

पीसीसी चीफ जीतू पटवारी ने पत्र में लिखा है कि महामहिम राष्ट्रपति जी, आपके संज्ञान में यह विषय लाना अत्यंत आवश्यक एवं जनहित में है कि भारत गणराज्य के मध्य प्रदेश में वर्तमान शासन व्यवस्था गंभीर रूप से विफल होती प्रतीत हो रही है। प्रदेश की निर्वाचित सरकार निरंतर जनता के विश्वास को आहत कर रही है, जिससे जन-जीवन में असुरक्षा एवं अव्यवस्था का वातावरण व्याप्त है। महामहिम, विगत समय में घटित अनेक घटनाएं इस विफलता का प्रत्यक्ष प्रमाण हैं। पहला छिंदवाड़ा में मासूम बच्चों की मृत्यु जहरीली दवा सेवन से होना, न केवल प्रशासनिक लापरवाही का उदाहरण है, बल्कि यह स्वास्थ्य तंत्र की भयावह स्थिति को भी उजागर करता है। दूसरा इंदौर में जहरीले पानी की आपूर्ति जैसी घटना, मूलभूत सुविधाओं के प्रबंधन में गंभीर चूक को दर्शाती है, जहां जीवनदायिनी सेवा ही जानलेवा बन गई। तीसरा हाल ही में जबलपुर में क्रूज दुर्घटना में अनेक नागरिकों की असमय मृत्यु ने पूरे देश को झकझोर दिया।

मुख्यमंत्री पर साधा निशाना

उन्होंने आगे लिखा कि अत्यंत दुख एवं क्षोभ के साथ उल्लेख करना पड़ रहा है कि जिस समय इस दुर्घटना के बाद एक मां और उसके पुत्र के शव निकाले जा रहे थे, जो पूरे देश के लिए अत्यंत मार्मिक एवं पीड़ादायक दृश्य था, उसी समय प्रदेश के मुख्यमंत्री एवं राज्यपाल राजभवन में महाराष्ट्र एवं गुजरात के स्थापना दिवस के अवसर पर आयोजित लोक नृत्य कार्यक्रम में उपस्थित होकर उत्सव में सम्मिलित थे। यह आचरण प्रशासनिक संवेदनशीलता के विपरीत तथा जन-भावनाओं के प्रति असम्मान को दर्शाता है। इन घटनाओं के अतिरिक्त प्रदेश में निरंतर हो रहे सडक़ हादसे, किसानों की समस्याएं एवं आमजन की पीड़ा भी अत्यंत गंभीर चिंता का विषय हैं। हाल ही में धार जिले में सडक़ दुर्घटना में अनेक आदिवासी नागरिकों की मृत्यु इस बात का संकेत है कि सुरक्षा और प्रशासनिक उत्तरदायित्व दोनों ही स्तरों पर कमी है।

सरकार के प्रति घट रहा विश्वास

जीतू पटवारी ने लिखा कि उपरोक्त घटनाएं मात्र उदाहरण हैं। वस्तुस्थिति यह है कि प्रदेश में कानून-व्यवस्था एवं प्रशासनिक नियंत्रण कमजोर पड़ता दिखाई दे रहा है। सरकार के प्रति जनता का विश्वास निरंतर घट रहा है और भय एवं असंतोष का वातावरण बन रहा है। अतः आपसे सादर निवेदन है कि इस गंभीर विषय पर तत्काल संज्ञान लेकर प्रदेश सरकार को आवश्यक मार्गदर्शन एवं निर्देश प्रदान करने की कृपा करें, जिससे प्रदेश में सुशासन, सुरक्षा एवं जन-विश्वास की पुनर्स्थापना हो सके। आपके संवेदनशील एवं न्यायोचित हस्तक्षेप से ही वर्तमान परिस्थितियों में सुधार की आशा है।

रेखा यादव बनी राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष

– 6 साल बाद महिला आयोग में हुई नियुक्ति

भोपाल । मप्र में लंबे इंतजार के बाद राज्य महिला आयोग को नया नेतृत्व मिल गया है। सरकार ने आयोग के पुनर्गठन की दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए रेखा यादव को अध्यक्ष नियुक्त किया है। इस संबंध में आधिकारिक आदेश जारी कर दिए गए हैं। इसके साथ ही साधना स्थापक को आयोग का सदस्य बनाया गया है, जिनकी नियुक्ति तीन वर्ष की अवधि के लिए की गई है। करीब छह साल के अंतराल के बाद आयोग में अध्यक्ष और सदस्य की नियुक्ति होने से इसे महिला सशक्तिकरण के लिहाज से अहम कदम माना जा रहा है।

बता दें रेखा यादव का नाम महिला आयोग के अध्यक्ष के लिए तय हो गया था, लेकिन उनके नाम को लेकर आपत्ति आने के बाद उसे होल्ड कर दिया गया था। अब सरकार ने उनके नाम पर ही मुहर लगा दी है। प्रदेश में इन दिनों निगम, मंडल, आयोग और विकास प्राधिकरणों में नियुक्तियों का दौर तेज है। अब तक करीब दो दर्जन से अधिक पदों पर नियुक्तियां की जा चुकी हैं, जबकि शेष रिक्त पदों को भी भरने की प्रक्रिया लगातार जारी है।

महिला मुद्दों को मिलेगी नई दिशा

महिला आयोग को अध्यक्ष और सदस्य मिलने से प्रदेश में महिलाओं से जुड़े मामलों की सुनवाई और नीतिगत फैसलों को नई गति मिलेगी। लंबे समय से आयोग में शीर्ष पद खाली होने के कारण कई मामलों में निर्णय प्रक्रिया प्रभावित हो रही थी। बता दें मध्य प्रदेश राज्य महिला आयोग में अध्यक्ष का पद जनवरी 2019 के बाद से स्थायी रूप से नहीं भरा जा सका है। बीच में 2020 में कांग्रेस की सरकार बनने पर शोभा ओझा की नियुक्ति की गई, लेकिन शिवराज सरकार आने के बाद उन्होंने आयोग की सभी को हटा दिया।

मूल भाजपाई कर रहे इंतजार, 'गैरों' पर मेहरबान

निगम-मंडलों और प्राधिकरणों में राजनीतिक नियुक्तियों पर उठने लगे सवाल

भोपाल। मप्र में निगम-मंडलों और प्राधिकरणों में राजनीतिक नियुक्तियों का सिलसिला जारी है। सरकार निगमों, बोर्डों और विकास प्राधिकरणों के अध्यक्षों और उपाध्यक्षों की धड़ाधड़ नियुक्ति की जा रही है। कहा जा रहा है कि सत्ता और संगठन के तालमेल से नियुक्तियां की जा रही है। लेकिन अभी तक की सूचियों का आकलन किया जाए तो यह तथ्य सामने आया है की मूल भाजपाई अभी नियुक्ति का इंतजार कर रहे हैं, जबकि 'गैरों'(दागी, बागी और कांग्रेस पृष्ठभूमि के नेता)पर जमकर मेहरबानी हुई है।

भाजपा सूत्रों का कहना है कि सत्ता और संगठन आगामी चुनावों को देखकर राजनीतिक नियुक्तियां कर रहे हैं। ऐसे में जातीय, क्षेत्रिय और चुनावी समीकरण के आधार पर नियुक्तियां की जा रही हैं। इसमें भाजपा नेताओं के साथ ऐसे नेताओं को उपकृत किया जा रहा है जो दागी, बागी और कांग्रेस पृष्ठभूमि के हैं। जानकारों का कहना है कि असल में भाजपा में कांग्रेस से जो सैलाब आया, उसके बाद पद को लेकर जो होड़ दौड़ मची है, उसे संभालना जरुरी है। खास तौर पर वो कार्यकर्ता जो हमेशा इम्तेहान के समय पार्टी के लिए जी जान से जुटता है, तो इस समय भाजपा 2028 में होने वाले चुनाव से पहले उसी कार्यकर्ता को नवाज रही है। भाजपा इस बार केवल निगम मंडलों तक सीमित नहीं है। खेप बड़ी है, इसलिए तय किया गया है कि कार्यकर्ताओं को अकमडेशन के लिए समितियां जिला स्तर पर भी हों। ये जिले की समितियां सत्ता के पावर से लैस होंगी। एक अभियान के तहत इन समितियों में कार्यकर्ताओं की नियुक्ति की जाएगी। ताकि जिलास्तर पर भी सत्ता में भागीदारी की बाट जोह रहे नेताओं के असंतोष को खत्म किया जा सके। वहीं भाजपा प्रवक्ता डॉ. हितेष वाजपेयी कहते हैं कि भाजपा हर कार्यकर्ता के संघर्ष का सम्मान है। कोई छोटा बड़ा नहीं सब कार्यकर्ता हैं। कांग्रेस की तरह गुट नहीं कि कोई खास गुट को ही सत्ता में भागीदारी मिले। पार्टी अपने छोटे से छोटे कार्यकर्ता के योगदान को रेखांकित करना जानती है और समय पर उनके योगदान का परिणाम भी आता है।

इनकी नियुक्ति पर उठ रहे सवाल

कांग्रेस से भाजपा में आए भितरवार के केशव सिंह बघेल को राज्य पशुधन एवं कुक्कुट विकास निगम का अध्यक्ष बनाया गया है, जिन्हें 2022 में पंचायत चुनावों के दौरान पार्टी विरोधी गतिविधियों के कारण कांग्रेस ने छह साल के लिए निष्कासित कर दिया था। उन्होंने लोक जनशक्ति पार्टी के टिकट पर भितरवार विधानसभा क्षेत्र से चुनाव भी लड़ा था। बाद में वह कांग्रेस में शामिल हुए, जहां उन्हें ग्वालियर जिला ग्रामीण महामंत्री बनाया गया था। कांग्रेस से छह साल के लिए निष्कासन के बाद लोकसभा चुनाव से पहले मई 2024 में बघेल भाजपा में शामिल हो गए थे। भाजपा से छह वर्ष के लिए निष्कासित महेश केवट को राज्य मछुआ कल्याण बोर्ड का अध्यक्ष बनाया गया है। मूलतः निवाड़ी जिले के ओरछा निवासी केवट को नगरीय निकाय चुनाव के समय भाजपा ने 27 जून 2022 को छह वर्ष के लिए पार्टी से निष्कासित किया था। उनका निष्कासन अभी खत्म नहीं हुआ है, फिर भी उन्हें महत्वपूर्ण पद दे दिया गया है। कांग्रेस से भाजपा में आए रामलाल मालवीय को अनुसूचित जाति (एससी) आयोग में सदस्य बनाया गया है। मालवीय लंबे समय तक कांग्रेस में रहे और उन्हें पूर्व मुख्यमंत्री व वरिष्ठ कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह का करीबी माना जाता था। अप्रैल 2024 में लोकसभा चुनाव से ठीक पहले उन्होंने कांग्रेस छोडकर् भाजपा का दामन थाम लिया था। मालवीय सहित कई अन्य नेताओं को भी ऐसे ही समायोजित किया गया है, जो कांग्रेस से आए। इससे मूल भाजपा के कार्यकर्ता स्वयं को उपेक्षित महसूस कर रहे हैं। सिंधिया खेमे के अशोक शर्मा और सुधीर गुप्ता भी उपकृत- कांग्रेस से भाजपा में आए अशोक शर्मा को विशेष क्षेत्र विकास प्राधिकरण (साडा) ग्वालियर का अध्यक्ष बनाया गया है। वह केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया खेमे से हैं। 2020 में हुए उपचुनावों के पहले कांग्रेस के प्रदेश महामंत्री पद से इस्तीफा देकर सिंधिया के साथ उन्होंने भाजपा का दामन थामा था। ग्वालियर विकास प्राधिकरण (जीडीए) के उपाध्यक्ष बनाए गए सुधीर गुप्ता भी सिंधिया खेमे से आते हैं, जो उनके साथ ही भाजपा में आए थे। कांग्रेस से आए, मंत्री रहते उपचुनाव हारे रावत को वन विकास निगम की कमान कांग्रेस छोडकर् भाजपा में आए प्रदेश के पूर्व वन मंत्री रामनिवास रावत विधानसभा का उपचुनाव हार गए थे। उन्हें मध्य प्रदेश राज्य वन विकास निगम का अध्यक्ष बनाया है। पूर्व सांसद केपी यादव को राज्य स्टेट सिविल सप्लाई कारपोरेशन (नागरिक आपूर्ति निगम) का अध्यक्ष बनाया गया है। केपी यादव पहले ज्योतिरादित्य सिंधिया के करीबी थे और कांग्रेस में थे, लेकिन 2019 के लोकसभा चुनाव से पहले भाजपा में शामिल हो गए थे।

मप्र में बिजली उपभोक्ताओं को लगेगा झटका

अप्रैल माह के बिल में 5.36 प्रतिशत का नया सरचार्ज लागू किया गया

भोपाल । मप्र में बिजली उपभोक्ताओं पर एक बार फिर अतिरिक्त बोझ बढ़ गया है। अप्रैल माह के बिल में 5.36 प्रतिशत का नया सरचार्ज लागू किया गया है। यह सरचार्ज 24 अप्रैल से 24 मई एक महीने की अवधि के लिए लागू रहेगा। प्रदेश के बिजली उपभोक्ताओं पर अप्रैल माह के बिल में अतिरिक्त शुल्क लागू किया गया है। मध्य प्रदेश पावर मैनेजमेंट कंपनी लिमिटेड ने फ्यूल एंड पावर परचेज एडजस्टमेंट सरचार्ज की दर 5.36 प्रतिशत तय की है। यह दर उपभोक्ताओं के बिजली बिल में ऊर्जा शुल्क के साथ जोड़ी जाएगी। बिजली कंपनियों ने एक महीने पहले ही बिजली दरों में 4.8 प्रतिशत का इजाफा किया था। यह सरचार्ज 24 अप्रैल 2026 से 24 मई 2026 एक महीने की अवधि के लिए लागू रहेगा।

कंपनी द्वारा जारी आदेश के अनुसार, अप्रैल 2026 के लिए फ्यूल एंड पावर परचेज एडजस्टमेंट सरचार्ज की गणना 5.40 प्रतिशत आई थी। नियामक आयोग के नियमों के तहत यदि यह 5 प्रतिशत से अधिक होता है तो 5 प्रतिशत मूल रूप से लागू किया जाता है और शेष राशि का 90 प्रतिशत जोडक़र अंतिम दर तय की जाती है। इसी आधार पर 5.36 प्रतिशत फ्यूल एंड पावर परचेज एडजस्टमेंट सरचार्ज निर्धारित किया गया है। इस दौरान उपभोक्ताओं को अपने बिजली बिल में ऊर्जा शुल्क के साथ यह अतिरिक्त राशि भी चुकानी होगी। इसके बाद अगले महीने के लिए दरें अलग से तय की जाएंगी, जो उस समय की फ्यूल और पावर खरीद लागत पर निर्भर करेंगी। इस आदेश के तहत सभी बिजली वितरण कंपनियों पूर्व, मध्य और पश्चिम क्षेत्र को निर्देश दिए गए हैं कि वे इस सरचार्ज को उपभोक्ताओं के बिल में शामिल करें और इसकी जानकारी अपनी वेबसाइट पर भी सार्वजनिक करें। इस फैसले से घरेलू और व्यावसायिक दोनों उपभोक्ताओं के बिजली बिलों में बढ़ोतरी होगी। पहले से ही महंगाई के दबाव में चल रहे उपभोक्ताओं पर यह अतिरिक्त शुल्क आर्थिक बोझ बढ़ाने वाला माना जा रहा है।

पीएम मोदी 10 मई को आएंगे मप्र!

-पथरिया में 517 एकड़ में गौशाला की रखेंगे नींव, प्रशासन अलर्ट

भोपाल। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मध्य प्रदेश के दौरे पर आ सकते हैं। वह दमोह के पथरिया में स्वावलंबी गौशाला कामधेनु निवास का भूमि पूजन कर सकते हैं। 10 मई को उनका संभावित दौरा है, जिसे लेकर तैयारियां तेज हो गई हैं। बता दें कि दमोह में 517 एकड़ में विशाल गौशाला बनाई जा रही है। जिसका भूमि पूजन कार्यक्रम 10 मई को किया जा सकता है। नरसिंहगढ़ क्षेत्र में उनका कार्यक्रम प्रस्तावित है, जहां प्रधानमंत्री मोदी इसमें शामिल हो सकते हैं। फि़लहाल उनके आगमन पर आधिकारिक मुहर बाकी है। पीएम के संभावित दौरे को लेकर प्रशासन अलर्ट हो गया है। व्यवस्थाएं भी अंतिम चरण में है।

पीएम के प्रस्तावित दौरे को देखते हुए बीते दिन दमोह कलेक्टर प्रताप नारायण यादव और पुलिस अधीक्षक श्रुतकीर्ति सोमवंशी ने विकासखंड पथरिया के ग्राम रानगिर, कल्याणपुरा और बिजोरी में स्वीकृत 517 एकड़ भूमि का निरीक्षण किया था। उन्होंने अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश देकर तैयारियों का जायजा लिया था। गौरतलब है कि इससे पहले सितंबर में पीएम मोदी मध्य प्रदेश आए थे, जहां उन्होंने धार का दौरा किया था। 17 सितंबर 2025 को अपने 75वें जन्मदिन पर उन्होंने धार जिले के भैंसोला में देश के पहले पीएम मित्रा पार्क का भूमिपूजन किया था।

मैडम को चाहिए सामने वाले को थप्पड़ मारने वाला असिस्टेंट

- मप्र की लेडी प्रशासनिक अधिकारी लक्ष्मी गामड़ की पोस्ट पर हंगामा

भोपाल। मध्य प्रदेश अजब है, सबसे गजब है ये बात एक बार फिर सही साबित हो रही है। इस बार गजब खबर राजधानी भोपाल से सामने आई है। भोपाल में पदस्थ मध्य प्रदेश राज्य प्रशासनिक सेवा की लेडी अधिकारी लक्ष्मी गामड़ का एक सोशल मीडिया पोस्ट वायरल हो रहा है। जिसमें उनको एक ऐसे असिस्टेंट की तलाश है जो उनके इशारे पर जरूरत के हिसाब से सामने वाले को दो चमाट (थप्पड़) रसीद कर सके।

लक्ष्मी गामड़ ने सोशल मीडिया पर इसकी वैकेंसी ओपन बताते हुए संपर्क करने के लिए कहा है। उनकी इस पोस्ट पर उन्हें सोशल मीडिया पर ट्रोल भी किया जा रहा है। एक यूजर ने लिखा कि आप प्रशासनिक अधिकारी हैं। आपको ऐसे पोस्ट मीडिया में डालने से बचना चाहिए। हालांकि, वहीं कई यूजर्स बोले बताइए मैडम जी कब से ज्वाइन करना है नौकरी?

सोशल मीडिया पर जैसे ही यह पोस्ट वायरल हुई तो महिला अधिकारी ने चुपचाप इसे डिलीट कर दिया। आपको बता दें कि लक्ष्मी अलग-अलग रील बनाकर सोशल मीडिया पर काफी चर्चा में रहती हैं। गामड़ की फेसबुक पोस्ट पर अलग-अलग रील देखने को मिलेगी। जिसमें कई पब्लिक स्पॉट पे रील बनी हैं। लेकिन अभी तक इस पोस्ट को लेकर उनकी सफाई सामने नहीं आई है। वहीं 1 मई को मजदूर दिवस की बधाई देते हुए उन्होंने पोस्ट किया था। जो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हुआ था। जिसमें उन्होंने लिखा था कि ऐसा बिल्कुल नहीं कि बीवियां सिर्फ खून पीती हैं। हम भी कभी-कभी मजदूरों पर तरस खाकर खून भी दान देते हैं। लक्ष्मी गामड़ राज्य सेवा प्रशासनिक सेवा अधिकारी हैं। नीमच में अपर कलेक्टर रह चुकी हैं। फिलहाल उनकी तैनात भोपाल स्थित एमपी गवर्नमेंट प्रेस में अपर नियंत्रक पद पर है।

दो टाइगर टाइगर रिजर्व गंभीर वायरस की जद में

बांधवगढ में एंथ्रेक्स, कान्हा में केनाइन डिस्टेम्पर वायरस से खतरा

भोपाल। मप्र के दो टाइगर रिजर्व बांधवगढ़ और कान्हा गंभीर वायरस की जद में हैं। बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व में हथिनी गायत्री की मौत के बाद अब टाइगर रिजर्व के आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में एंथ्रेक्स अलर्ट जारी कर दिया गया है। वहीं कान्हा टाइगर रिजर्व में केनाइन डिस्टेम्पर वायरस से प्रभावित एक बाघिन का पूरा कुनबा खत्म होने के बाद पार्क प्रबंधन ने आसपास के गांवों के लोगों को और वन विभाग के अमले को अलर्ट कर दिया है कि वे आवारा कुत्तों को जंगल में प्रवेश न करने दें।

पशु चिकित्सा विभाग के डॉक्टर ग्रामीण क्षेत्रों में पशुओं की स्थिति जानने पहुंचने लगे हैं। साथ ही पशुओं को टीका भी लगाए जाने लगे हैं। पहले दिन बांधवगढ से लगे ग्राम बिझरिया में पशु पालकों को एंथ्रेक्स टीकाकरण की जानकारी दी गई और मवेशियों को टीका लगाया गया। उप संचालक पशु चिकित्सा सेवाएं डॉ. अविनाश सिंह ने बताया कि पशुधन की सुरक्षा एवं संक्रामक रोगों की रोकथाम के उद्देश्य से एंथ्रेक्स टीकाकरण अभियान चलाया जा रहा। एंथ्रेक्स एक गंभीर संक्रामक रोग है, जो पशुओं के साथ-साथ मनुष्यों में भी फैल सकता है। टीकाकरण की जानकारी देते हुए उप संचालक पशु चिकित्सा सेवाएं चिकित्सक अविनाश सिंह ने बताया कि ताला, कथली, लखोमर, राखी, माला बिझरिया के करीब 15 सौ मवेशियों को टीका लगाया जा चुका है और टीकाकरण का कार्य लगातार चल रहा है।

टीकाकरण के पहले की जा रही स्क्रीनिंग भी

चिकित्सक अविनाश सिंह का कहना है कि टीकाकरण के पहले स्क्रीनिंग भी की जा रही है और साथ ही गांव के लोगों को रोग के प्रति सचेत भी किया जा रहा है। कान्हा टाइगर रिजर्व के सरही रेंज के आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में भी आवारा कुत्तों की स्क्रीनिंग उप संचालक पशु चिकित्सा सेवाएं द्वारा की जा रही है। डॉक्टरों का कहना है कि एंथ्रेक्स एक गंभीर संक्रामक रोग है, जो बैसिलस एंथ्रेसिस नामक बैक्टीरिया से होता है। यह रोग संक्रमित पशुओं के मांस, ऊन या चमड़े के संपर्क में आने से फैलता है। यह बीमारी कई रूप में देखने को मिलती है। जिसमें सबसे आम, त्वचा पर गहरे रंग के अल्सर होते हैं। सबसे गंभीर, फ्लू जैसे लक्षण जो सांस लेने में तकलीफ में बदलते हैं। संक्रमित मांस खाने से भी यह रोग फैलता है और उल्टी-दस्त होने लगते हैं। इसका प्रमुख लक्षण है कि बुखार, गले में खराश, त्वचा पर छाले, सांस फूलना, और पेट दर्द होने लगता है। यह रोग जानवरों से मनुष्यों में फैल सकता है और इसके स्पोर्स पर्यावरण में अत्यंत प्रतिरोधी होते हैं।

आईपीएल में आज होगा मुम्बई इंडियंस और सुपर जायंट्स में मुकाबला

मुंबई । मुम्बइ इंडियंस आईपीएल में सोमवार को अपने घरेलू मैदान वानखेड़े स्टेडियम में लखनऊ सुपर जायंट्स से मुकाबला करेगी। मुंबई इंडियंस का लक्ष्य इस मैच को बड़े अंतर से जीतकर प्लेऑफ के लिए अपनी संभावनाएं बनाये रखना रहेगा। मुम्बई अभी नौवे नंबर पर है और उसके केवल चार अंक हैं। मुम्बई अभी अंक तालिका में नौवें स्थान पर है, जिसने नौ मैचों में से सिर्फ दो में जीत हासिल की है।

उसके लिए जीत हालांकि आसान नहीं होगी क्योंकि पिछले मैच में चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) से टीम को 8 विकेट से करारी हार का सामना करना पड़ा था जिससे वह दबाव में है। उसके प्लेऑफ में पहुंचने की उम्मीदें तभी बनी रहेंगी जब वह बचे हुए सभी मैच बड़े अंतर से जीते।

मुम्बई के लिए ये आसन नहीं होगा उसके बल्लेबाजसूर्यकुमार यादव फार्म में नहीं है, तिलका वर्मा का प्रदर्शन ही केवल अच्छा रहा है। कप्तान हार्दिक पंड्या भी गेंद औ बल्ले दोनो से ही विफल रहे है। वहीं गेंदबाजी की बात करें तो जसप्रीत बुमराह भी फ्लॉप साबित हुए हैं जिससे टीम बड़े स्कोर का भी बचाव नहीं कर पा रही।

वहीं दूसरी ओर इस बीच, सुपरजायंट्स की टीम आठ मैचों में दो जीत के साथ ही अंक तालिका में सबसे नीचे है। अब टीम का लक्ष्य किसी प्रकार ये मैच जीतकर अपनी प्लेऑफ की संभावनाएं बनाये रखने पर रहेंगी। उसके लिए ये आसान नहीं रहेगा क्योंकि टीम की बल्लेबाज और गेंदबाजी अब तक विफल रही है।

आंकड़ों की बात करें तो दोनो ही टीमों के बीच अब तक 8 मुकाबले हुए हैं जिसमें से मुम्बई ने 2 जबकि लखनऊ ने 6 जीते हैं।

दोनो की ही संभावित टीमें इस प्रकार हैं मुंबई इंडियंस- हार्दिक पंड्या (कप्तान), विल जैक, रयान रिकेलटन (विकेटकीपर), सूर्यकुमार यादव, नमन धीर, तिलक वर्मा, रॉबिन मिंज, ट्रेंट बोल्ट, कृष भगत, जसप्रीत बुमराह, एएम गजनफर।

इम्पैक्ट प्लेयर- शार्दुल ठाकुर

लखनऊ सुपर जायंट्स- ऋषभ पंत (कप्तान/विकेटकीपर), मुकुल चौधरी, जोश इंग्लिस, आयुष बडोनी, मिशेल मार्श, एडेन मार्कराम, जॉर्ज लिंडे, दिग्वेश सिंह राठी, प्रिंस यादव, मोहम्मद शमी, मोहसिन खान

इम्पैक्ट प्लेयर- हिम्मत सिंह

सीएसके की जीत के बाद कार्तिक ने धोनी के अंदाज में किया गन सेलिब्रेशन

चेन्नई । चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) की ओर से नये खिलाड़ी कार्तिक शर्मा ने आईपीएल के 19 वें सत्र में शानदार प्रदर्शन करते हुए मुम्बई इंडियंस के खिलाफ अपनी टीम की आठ विकेट से जीत में अहम भूमिका निभाई है। कार्तिक ने इस मैच में तेजी से खेलते हुए शानदार अर्धशतक लगाया। इस युवा बल्लेबाज ने न केवल अपना पहला आईपीएल अर्धशतक लगाया बल्कि जीत के बाद पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी के ही अंदाज में गन सेलिब्रेशन किया।

कार्तिक ने 40 गेंदों में नाबाद 54 रन बनाकर अपनी टीम को जीत के लक्ष्य तक पहुंचाया। अपनी इस महत्वपूर्ण उपलब्धि का जश्न उन्होंने एक अनोखे अंदाज में मनाया, जिसकी चर्चा हर तरफ हो रही है। उन्होंने बताया कि यह सेलिब्रेशन उन्होंने पहले से ही सोच रखा था हालांकि, धोनी के इस जेस्चर से प्रेरित होने की अटकलों को इस युवा बल्लेबाज ने खारिज करते हुए कहा कि ये उनका अपना ही अंदाज था। इस बल्लेबाज ने कहा, मैंने पहले ही तय कर लिया था कि अगर आज रन बनाऊंगा तो ऐसे ही जश्न मनाउंगा। उनके अनुसार, यह उनकी कड़ी मेहनत और व्यक्तिगत सफलता का जश्न मनाने का उनका तरीका था, जिसमें किसी और का कोई प्रभाव नहीं था।

गौरतलब है कि धोनी का वह प्रसिद्ध गन सेलिब्रेशन अक्टूबर 2005 का है, जब उन्होंने सवाई मानसिंह स्टेडियम में श्रीलंका के खिलाफ शानदार पारी खेली थी। तब 299 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए, धोनी ने 145 गेंदों में नाबाद 183 रन बनाए थे और लक्ष्य हासिल होने के बाद खुशी में गन-पॉइंटेड जेस्चर दिया था।

रुतुराज ने कार्तिक, कंबोज और नूर की जमकर प्रशंसा की

चेन्नई । चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के कप्तान रुतुराज गायकवाड़ ने मुंबई इंडियंस के खिलाफ आईपीएल मुकाबले में जीत पर खुशी जतायी है। रुतुराज में मैच में अच्छे प्रदर्शन के लिए युवा कार्तिक शर्मा की जमकर प्रशंसा की है। रुतुराज ने कहा कि कार्तिक लंबे छक्के लगाने वाला खिलाड़ी है। इससे अलावा उन्होंने तेज गेंदबाज अंशुल कम्बोज और स्पिनर नर अहमद की कसी हुई गेंदबाजी की भी प्रशंसा की है। अंशुल ने 3 जबकि नूर ने 2 विकेट लेकर अपनी टीम की जीत में प्रमुख भूमिका निभाई। इस मैच में जीत के साथ ही सीएसके की प्लेऑफ के लिए संभावनाएं बढ़ी हैं। इस मैच में सीएसके के गेंदबाजों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए मुंबई को 159 रनों पर ही रोक दिया। सीएसके ने कप्तान रुतुराज और कार्तिक के अर्धशतकों की सहायता से 11 गेंदें शेष रहते ही लक्ष्य हासिल कर लिया।

इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए मुंबई इंडियंस ने 159 रन बनाये। सीएसके की ओर से कम्बोज ने तीन विकेट जबकि नूर ने दो विकेट लिए। इन गेंदबाजों के अच्छे प्रदर्शन से मुंबई की टीम बड़ा स्कोर नहीं बना पायी। इसके बाद लक्ष्य का पीछा करते हुए सीएसके की टीम शुरुआत अच्छी नहीं रही। । सलामी बल्लेबाज संजू सैमसन 11 रन बनाकर जसप्रीत बुमराह की गेंद पर आउट हुए। इसके बाद उर्विल पटेल ने 12 गेंदों में तेजी से 24 रन बनाए। दो विकेट जल्दी गिरने के बाद कप्तान रुतुराज गायकवाड़ ने युवा बल्लेबाज कार्तिक शर्मा के साथ मिलकर पारी को आगे बढ़ाया। दोनों ने शानदार साझेदारी करते हुए स्कोर को 100 के पार पहुंचाया। रुतुराज ने अपना लगातार दूसरा अर्धशतक लगाया, जबकि कार्तिक शर्मा ने आईपीएल में अपना पहला अर्धशतक बनाकर टीम की जीत तय कर दी।

मैच के बाद कप्तान रुतुराज ने टीम के प्रदर्शन पर खुशी जतायी। उन्होंने कहा, 卐हमने शुरुआत झटकों के बाद लय हासिल की।卐 उन्होंने अंशुल कम्बोज की तारीफ करते हुए कहा कि वह चीजों को सरल रखता है और प्रक्रिया पर टिका रहता है, उसका दिमाग एक बल्लेबाज की तरह सोचता है। रुतुराज ने नूर अहमद के प्रदर्शन की भी सराहना की, जिन्होंने कुछ महत्वपूर्ण बदलाव किए और बहुत अच्छा प्रदर्शन किया।

कार्तिक की मैच विजेता पारी को लेकर रुतुराज काफी उत्साहित दिखे। उन्होंने कहा, 卐वह छक्के मारने वाला खिलाड़ी है, वह देखकर गेंदों को खेलता है।卐 रुतुराज ने कहा कि उसके आने से टीम संतुलन बेहतर हुआ है।

आईपीएल : सीएसके मुम्बई को सबसे अधिक बार हराने वाली पहली टीम बनी

चेन्नई । चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) की टीम ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में यहां मुंबई इंडियंस के खिलाफ मिली जीत के साथ ही एक बड़ा रिकार्ड भी अपने नाम कर लिया है। अब सीएसके की टीम मुंबई इंडियंस को 20 वीं बार हराने वाली पहली टीम बन गयी है। दोनों टीमों के बीच अब तक कुल 41 आईपीएल मैच खेले गए हैं, जिसमें से सीएसके ने 20 में जीत हासिल की है, जबकि मुंबई इंडियंस ने 21 मैचों जीत हासिल की है। मुंबई के खिलाफ सर्वाधिक जीत दर्ज करने वाली टीमों की सूची में चेन्नई के बाद पंजाब किंग्स का नाम आता है, जिसने 35 मैचों में 17 जीत दर्ज की हैं, जिसमें एक सुपर ओवर की जीत भी शामिल है।

इस जीत ने चेन्नई सुपर किंग्स को आईपीएल अंक तालिका में छठे स्थान पर पहुंचा दिया है। अब नौ मैचों में 8 अंकों के साथ ही सीएसके प्लेऑफ की दौड़ में बनी हुई है। अगर वह अपने बचे हुए पांच मैचों में से चार में जीत हासिल कर लेते हैं, तो उनके लिए प्लेऑफ की राह बन सकती है।

कोच जयवर्धने ने बुमराह, सूर्यकुमार सहित सीनियर खिलाड़ियों का बचाव किया

चेन्नई। आईपीएल के 19 वें सत्र में मुंबई इंडियंस का प्रदर्शन बेहद खराब रहा है और उसे लगातार हार झेलने पड़ी है। सीएसके के खिलाफ अहम मैच में भी टीम हार गयी। इससे उसके प्लेऑफ में पहुंचने की राह तकरीब बंद हो गयी है। टीम के खराब प्रदर्शन का कारण स्टार खिलाड़ियों का असफल होना भी रहा है, जिससे वे प्रशंसकों के निशाने पर है हालांकि टीम के मुख्य कोच मेहेला जयवर्धने टीम के शीर्ष खिलाड़ियों का बचाव करते हुए कहा कि टीम की हार के लिए जसप्रीत बुमराह, सूर्यकुमार यादव जैसे स्टार खिलाड़ियों को दोष देना गलत है। साथ ही कहा कि फार्म हासिल करने के लिए इन खिलाड़ियों के लिए एक ही मैच भी पर्याप्त है।

इस सत्र में मुम्बई 9 में से 7 मैच हारकर टीम अंक तालिका में 8वें पायदान पर है। उसे सीएसके के खिलाफ मैच में भी हार झेलनी पड़ी है। इसके बाद से सोशल मीडिया पर सवाल उठ रहे हैं। प्रशंसक जानना चाहते हैं कि आखिर क्यों फ्रेंचाइजी अपने शीर्ष खिलाड़ियों बुमराह, सूर्यकुमार और तिलक वर्मा से अच्छा प्रदर्शन नहीं ले पा रही है। इसी को लकर जयवर्धने ने इन खिलाड़ियों का बचाव किया है।

इस सत्र में बुमराह को मुंबई की ओर से नौ मैचों में तीन विकेट मिले हैं। सूर्यकुमार का औसत 20 रन है और तिलक हर मैच में करीब 24 रन बना रहे हैं। इन तीनों खिलाड़ियों के बावजूद मुंबई का अब तक का अभियान अच्छा नहीं रहा है और टीम लगभग प्लेऑफ की दौड़ से बाहर हो चुकी है। जयवर्धने ने अपने शीर्ष खिलाड़ियों को दोष देन से से इंकार कर दिया है। उनका कहना है कि सूर्यकुमार जैसे खिलाड़ी को फॉर्म में लौटने के लिए बस कुछ अच्छी पारियों की जरुरत है।

उन्होंने कहा, मुझे नहीं लगता कि उनका आउटपुट कम हुआ है। अगर उन्हें कुछ अच्छी पारियां मिल जाएं तो वो फिर से लय में आ जाएंगे। आज भी उन्होंने उस फेज में शानदार बल्लेबाजी की और गेंदबाजों पर दबाव बनाया। अगर वो कुछ ओवर और खेल जाते तो बड़ा स्कोर बना सकते थे। कभी-कभी जब चीजें आपके पक्ष में नहीं होतीं तो सबकुछ हाथ से निकल जाता है।

वहीं तिलक को लेकर जयवर्धने ने कहा कि वो अभी भी सीख रहे हैं कि टी20 फॉर्मेट में अपनी बल्लेबाजी को कैसे आगे बढ़ाना है। उनके अलग-अलग परिस्थितियों में खेलने के तरीके को लेकर चिंता जरूर है, लेकिन श्रीलंकाई दिग्गज का मानना है कि अनुभव के साथ सब ठीक हो जाएगा। जयवर्धने ने कहा, तिलक भी अभी सीख रहे हैं और उन्हें अलग-अलग भूमिकाएं निभानी पड़ रही हैं। टी20 क्रिकेट इतना आसान नहीं है। जितना ज्यादा वो अलग-अलग हालातों में खेलेंगे, उतना ही समझ पाएंगे कि उन्हें क्या करना है।

साइ ने राष्ट्रीय शिविर से करीब 40 मुक्केबाजों का नाम हटाया

नई दिल्ली। भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) ने राष्ट्रीय शिविर से करीब 40 मुक्केबाजों के नाम हटा दिये हैं। इससे अब इनके राष्ट्रमंडल और एशियाई खेलों के लिए चयन ट्रायल में भाग लेने पर संशया छा गया है। इससे खिलाड़ियों के साथ ही भारतीय मुक्केबाजी महासंघ (बीएआई) की भी मुश्किलें बढ़ गयी हैं। बीएआई की पिछले साल दिसंबर में जारी चयन नीति के अनुसार, 30 मार्च से 5 अप्रैल तक आयोजित चीफ ऑफ आर्मी स्टाफ (सीओएएस) कप में 20 भार वर्गों (पुरुष और महिला दोनों में 10-10) में शीर्ष दो स्थान हासिल करने वाले कुल 40 मुक्केबाजों को राष्ट्रीय शिविर में शामिल किया जाना था। वहीं इन मुक्केबाजों को राष्ट्रमंडल खेल, एशियाई खेल और विश्व मुक्केबाजी कप दो के लिए भारतीय टीमों के चयन हेतु मूल्यांकन परीक्षणों के लिए पात्र माना गया था। इन सभी खिलाड़ियों ने महासंघ द्वारा तय की गई प्रक्रिया का पालन करते हुए शिविर में अपनी जगह बनायी थी।

महासंघ ने माना है कि सूची में 40 नाम नहीं हैं और वे इस मामले को सुलझाने के लिए साइ के साथ लगातार संपर्क में हैं पर अभी तक कोई संतोषजनक जवाब नहीं मिला है।

राजस्थान रॉयल्स को मित्तल समूह और अदार पूनावाला ने 13,750 करोड़ रुपये में खरीदा

मुम्बई । आईपीएल टीम राजस्थान रॉयल्स का मालिकाना अधिकार अब स्टील किंग के नाम से लोकप्रिय लक्ष्मी निवास मित्तल, उनके बेटे आदित्य मित्तल और वैक्सीन निर्माता अदार पूनावाला समूह को मिला है। मित्तल और पूनावाला ने इस फ्रेंचाइजी और इसकी सहयोगी टीमों का अधिग्रहण किया है। यह सौदा लगभग 1.65 अरब डॉलर (लगभग 13,750 करोड़ रुपये) में हुआ है, जिससे टीम को एक नया मालिक मिला है। इससे पहले अमेरिका के एक भारतीय मूल के कारोबारी काल सोमानी ने 1.63 अरब डॉलर (15,290 करोड़ रुपये) में रॉयल्स को खरीदने के लिए सौदा किया था पर धन जुटाने के साथ ही नियामक अनिश्चितताओं और अन्य बाधाओं के कारण यह करार पूरा नहीं हो पाया। इससे अब मित्तल परिवार और अदार पूनावाला रॉयल्स को खरीदे सामने आये। इस सौदे के 2026 की तीसरी तिमाही तक पूरा होने की उम्मीद है। इसके लिए भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई), भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (सीसीआई) और आईपीएल गवर्निंग काउंसिल की मंजूरी मिलना जरुरी रहेगा। नये मालिकाना ढांचे के तहत मित्तल परिवार के पास टीम की लगभग 75 प्रतिशत हिस्सेदारी होगी, जबकि अदार पूनावाला के पास लगभग 18 प्रतिशत हिस्सा रहेगा। वहीं वर्तमान मालिक मनोज बडाले सहित मौजूदा निवेशक शेष हिस्सेदारी अपने पास रखेंगे। नए बोर्ड में लक्ष्मी मित्तल, आदित्य मित्तल, वनीशा मित्तल-भाटिया, अदार पूनावाला और मनोज बडाले शामिल होंगे।

सीन एबॉट ने बयां किया फिलिप ह्यूज़ की मौत का दर्द

नई दिल्ली। सीन एबॉट अपने दोस्त फिलिप ह्यूज़ की दर्दनाक मौत को याद कर एक बार फिर भावुक हो गए। यह घटना कई बार उन्हें भावुक कर देती हैं। क्रिकेट इतिहास के सबसे डरावने और रूह कंपा देने वाले पलों में ऑस्ट्रेलिया के उभरते स्टार फिलिप ह्यूज़ की दर्दनाक मौत को हमेशा याद किया जाता है, जो 25 नवंबर 2014 को सीन एबॉट के एक बाउंसर के कारण हुई थी। सिडनी में एक घरेलू मैच के दौरान यह घातक घटना घटी, जब एबॉट की गेंद ह्यूज़ की गर्दन के पास लगी, जिससे उनकी धमनी को चोट पहुंची और दो दिन बाद सेंट विंसेंट अस्पताल में उनकी मृत्यु हो गई। इस त्रासदी ने दुनिया भर के खेल प्रेमियों को झकझोर कर रख दिया था। इस घटना का सबसे गहरा असर गेंदबाज़ सीन एबॉट पर पड़ा था। वे कई महीनों तक ह्यूज़ की मौत के सदमे में रहे, और उस पल की यादें उनके मन में गहराई तक बस गईं। एबॉट ने उस भयानक पल को याद करते हुए लिखा था कि उन्हें लगा था कि फिलिप ने शॉट खेलने में थोड़ी जल्दी कर दी थी। उन्होंने कहा, मुझे लगता है फिलिप ने शॉट खेलने में थोड़ी जल्दी कर दी थी। अगर बल्लेबाज़ शॉट में जल्दी करता है तो लगता है कि गेंद उतनी तेज़ नहीं थी जितनी उसने सोची थी। मुझे याद नहीं कि गेंद तेज़ थी या धीमी। शायद उस दिन पिच थोड़ी धीमी थी। एससीजी की पिच ऐसी ही होती है। एबॉट ने अपने दर्द को व्यक्त करते हुए बताया कि उन्होंने उस दिन क्या महसूस किया- जब फिलिप को गेंद लगी, मैंने देखा कि वे लड़खड़ाने लगे और मैं पिच के दूसरे छोर पर दौड़ा। अपने बाएं हाथ से उनके सिर के दाहिने हिस्से को पकड़ा। मैं मैदान पर तब तक रहा जब तक फिलिप को मेडिकैब पर नहीं ले जाया गया और फिर चेंज रूम में लौट आया। चेंज रूम में पहुँचकर मैं बहुत उलझन और दुखी महसूस कर रहा था, सिर में दर्द था। लोग मेरे पास आ रहे थे लेकिन मुझे याद नहीं कि उन्होंने क्या कहा। सब कुछ धुंधला सा लग रहा था। बहुत थका हुआ महसूस कर रहा था। ये भावनाएँ अगले कुछ दिनों तक मेरे साथ रहीं।

अब प्लेऑफ में पहुंचने मुम्बई इंडियंस को खेल से अधिक चमत्कार की जरुरत

मुम्बई। आईपीएल के 19 सत्र में चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) के खिलाफ मिली आठ विकेट की करारी हार से मुम्बई इंडियंस की टीम को एक और बड़ा झटका लगा है। इससे अब टीम के पलेऑफ में पहुंचने की संभावनाएं भी तकरीबन समाप्त हो गयी हैं। ऐसे में प्रशंसक ये जानना चाहते हैं कि क्या टीम की अब भी कोई संभावना बची है तो उसका जवाब है कि ये राह बेहद कठिन ओर संशयपूर्ण है। इस हार के बाद अब टीम को प्लेऑफ में जगह बनाने के लिए किसी चमत्कार और अन्य टीमों के परिणामों पर निर्भरता की जरूरत है।

यह मौजूदा सीजन में मुंबई इंडियंस की नौ मैचों में सातवीं हार थी, जिसने वह अंक तालिका में नौवे स्थान पर फिसल गयी है। इस निराशाजनक प्रदर्शन के बाद, प्लेऑफ के लिए उनका गणितीय समीकरण बेहद कठिन हो गया है। यदि मुंबई इंडियंस अपने बाकी बचे सभी पांचों मैच जीत भी लेती है, तब भी वे लीग चरण में उसके अधिकतम 14 अंकों ही हो पाएंग। ऐसे में आईपीएल के 10-टीम फॉर्मेट में 14 अंक के साथ शीर्ष 4 में जगह बनाना संभव नहीं है। इसलिए, मुंबई को न केवल अपने सभी मैच जीतने होंगे, बल्कि उन्हें यह भी उम्मीद करनी होगी कि कोई अन्य टीम 14 अंकों के साथ बेहतर नेट रन रेट के साथ उनसे आगे न निकले।

मुंबई इंडियंस के लिए आने वाले दिन किसी अग्निपरीक्षा से कम नहीं हैं। उनका अगला मुकाबला 4 मई को अपने घरेलू मैदान वानखेड़े में लखनऊ सुपरजायंट्स से है, जो उनके लिए 'करो या मरो' की स्थिति है। यदि वे यह मैच हार जाते हैं, तो वे आधिकारिक तौर पर आईपीएल 2024 प्लेऑफ की दौड़ से बाहर होने वाली पहली टीम बन सकते हैं। लखनऊ के बाद उनका सफर और भी कठिन होने वाला है। 10 मई को उन्हें मौजूदा रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु का सामना करना है, जिनसे वे इस सीजन में पहले ही 18 रनों से हार चुके हैं। इसके बाद, मुंबई को अपने अंतिम तीन मैचों में 14 मई को पंजाब किंग्स के खिलाफ धर्मशाला में, 20 मई को कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ ईडन गार्डन्स में, और 24 मई को राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ अपने घरेलू मैदान पर खेलना है। इन मैचों में कप्तान हार्दिक पंड्या और उनकी टीम जीत पाती है या नहीं ये देखना होगा।

वैभव को योग्यता के आधार पर आंकना चाहिए, न कि उम्र से

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व सलामी बल्लेबाज शिखर धवन ने राजस्थान रॉयल्स के युवा और तूफानी बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी के भारत के लिए पदार्पण की संभावनाओं पर एक महत्वपूर्ण बयान दिया है। धवन ने कहा है कि भले ही वैभव की उम्र मात्र 15 साल है, लेकिन जब कोई खिलाड़ी उच्च स्तर पर लगातार शानदार प्रदर्शन कर रहा हो तो उम्र कोई बाधा नहीं रहती। उन्होंने वैभव के निडर रवैये की जमकर सराहना की, जो अंतरराष्ट्रीय स्तर के गेंदबाजों के खिलाफ भी बेखौफ होकर खेलते हैं। धवन ने इस बात पर जोर दिया कि इतनी कम उम्र में ऐसा आत्मविश्वास बहुत कम खिलाड़ियों में देखने को मिलता है, जो वैभव के खेल में साफ झलकता है।

हाल ही में अपने एक इंटरव्यू में बात करते हुए शिखर धवन ने कहा, अगर वैभव सूर्यवंशी सीनियर लेवल पर लाजवाब प्रदर्शन कर रहा है तो उसे उसकी योग्यता के आधार पर आंकना चाहिए, न कि उसकी उम्र के आधार पर। हां, वह अभी बच्चा है, लेकिन जिस तरह से वह जसप्रीत बुमराह और अर्शदीप सिंह जैसे शीर्ष गेंदबाजों की गेंदों पर इतने बड़े छक्के मारता है, वह वाकई कमाल का है। बहुत से बड़े खिलाड़ी इतनी कम उम्र में वह हासिल नहीं कर पाए जो उसने किया है। जाहिर है, उसका समय आएगा। यह आना ही है।

आईपीएल 2025 के बाद से लगातार युवा क्रिकेट और फिर आईपीएल में अपनी विस्फोटक बल्लेबाजी से धूम मचा रहे वैभव सूर्यवंशी आईपीएल में सबसे पहले 400 रनों का आंकड़ा छूने वाले बल्लेबाज बने हैं। उनका स्ट्राइक रेट 238.10 का है, जो किसी भी लीग में असाधारण है। वह अब तक 37 छक्के जड़ चुके हैं, जबकि उनके चौकों की संख्या छक्कों से कम है, जो उनकी आक्रामक खेल शैली को दर्शाता है। इस शानदार प्रदर्शन के बाद से ही हर कोई इस बात की वकालत कर रहा है कि वैभव को जल्द से जल्द भारत की सीनियर टीम में शामिल किया जाना चाहिए। हालांकि, शिखर धवन का मानना है कि इस युवा प्रतिभा के लिए अभी भारतीय टॉप ऑर्डर में जगह बनाना एक बड़ी चुनौती है।

धवन ने स्वीकार किया कि भारतीय टीम के स्थापित टॉप ऑर्डर में सेंध लगाना वैभव सूर्यवंशी के लिए फिलहाल मुश्किल है। भारत ने हाल ही में 2026 टी20 विश्व कप जीता है और संजू सैमसन व अभिषेक शर्मा जैसे खिलाड़ी भी शानदार फॉर्म में हैं, ऐसे में इस युवा खिलाड़ी को आसानी से मौका नहीं मिलेगा। वनडे क्रिकेट में कप्तान शुभमन गिल और रोहित शर्मा ओपनर के तौर पर अपनी जगह मजबूत कर चुके हैं। टेस्ट क्रिकेट में यशस्वी जायसवाल और केएल राहुल भी अपनी जगह पक्की कर चुके हैं। बैकअप ओपनर्स के तौर पर उन्हें टीम के साथ रखा जा सकता है, लेकिन उसके लिए भी भारत के पास पर्याप्त और अनुभवी विकल्प मौजूद हैं।

टी20 विश्व कप टीम के लिए टीम चयन से संतुष्ट हैं हरमनप्रीत

मुम्बई । भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर ने कहा है कि आईसीसी टी20 विश्कप के लिए जो टीम उन्हें मिली है। वह अच्छी टीम है और अब उनका लक्ष्य टी20 विश्व कप 2026 जीतना रहेगा। विश्वकप 12 जून से इंग्लैंड और वेल्स में शुरु हो रहा है। हरमनप्रीत ने कहा कि पिछले साल एकदिवसीय विश्वकप में मिली जीत से प्रेरित होकर उनकी टीम इस बार भी बेहतर प्रदर्शन करेगी। भारतीय टीम ग्रुप ए में है और विश्वकप में अपने अभियान की शुरुआत 14 जून को पाकिस्तान के खिलाफ मुकाबले से करेगी। इस ग्रुप में ऑस्ट्रेलिया, बांग्लादेश, नीदरलैंड्स और दक्षिण अफ्रीका जैसी काफी अच्छी टीमें भी शामिल हैं। हरमनप्रीत ने टीम की घोषणा के बाद कहा, मैं निश्चित रूप से इस टीम को जीत का प्रबल दावेदार मानती हूं। आज हमने जिस टीम को चुना है, उसमें चैंपियन बनने की पूरी क्षमता है। किसी पर कोई दबाव नहीं, कोई अति-आत्मविश्वास नहीं। टी20 क्रिकेट का मतलब सिर्फ अच्छा क्रिकेट खेलना है। इस टीम के चयन में सबसे बड़ी चुनौती ऑलराउंडर अमनजोत कौर की अनुपस्थिति रही, जो पिछले कुछ महीनों से क्रिकेट से दूर हैं। हरमनप्रीत ने कहा कि ये एक बड़ा झटका बताया क्योंकि इस खिलाड़ी का विकल्प तलाशना बेहद कठिन हालांकि, टीम संतुलन बनाए रखने के लिए अनुभवी स्पिनर राधा यादव को टीम में शामिल किया गया है। राधा ने हाल के महीनों में इंडिया ए टीम के साथ खेलते हुए प्रभावी प्रदर्शन किया था। हरमनप्रीत ने कहा, अमनजोत हमारी एक अहम खिलाड़ी हैं, लेकिन वह अभी उपलब्ध नहीं हैं।

कार्यालय नगरपालिका परिषद, बालाघाट जिला-बालाघाट म.प्र.

दूरभाष क्रमांक 07632-241377 ईमेल- cmobalaghat@mpurban.gov.in

क्रमाक / सा.प्र. / स्थापना / नीलंबन पत्र / 2026/1461 बालाघाट दिनॉक-03/05/2026

निलंबन सूचना

उपरोक्त विषयांतर्गत है, कि जनगणना-2026 में आपको जनगणना कार्य के अंतर्गत जनगणना शहरी क्षेत्र बालाघाट में गणना ब्लाक बनाये जाने हेतु कार्य संपादन किया जाना था कितु आपके द्वारा गणना ब्लाक में जो विवरण अंकित किया गया है, वह गुगल पर काटे गये ब्लाक से मिलान नही हो रहा है। जो कि एक गंभीर त्रुटि की श्रेणी के अंतर्गत आता है साथ ही साथ प्राय: यह भी देखा जा रहा है, कि आपके द्वारा जनगणना कार्य में किसी भी प्रकार की रूचि नहीं ली जा रही है। जिससे की प्रगणको / सुपरवाईजारो को कार्य करने मे अंत्यत कठनाईयों को सामना करना पड रहा है। उक्त कृत्य मध्यप्रदेश नगरपालिका अधिनियम-1961, नगरपालिका सेवा शर्ते भर्ती नियम-1968 में विहित प्रावधानों एवं नियमों के विपरीत होने के साथ साथ आपको सौपे गये दायित्वों के प्रति घोर अनुशासहीनता का घोतक है । अत: उक्त कृत्य हेतु आपको मध्यप्रदेश नगरपालिका अधिनियम-1961, नगरपालिका सेवा भर्ती शर्ते नियम-1968, एव नियमों एवं प्रावधानों एवं प्रेसीडेंट इन कौसिल की पुष्टि की प्रत्याश में आपको आपको तत्काल प्रभाव से निलबित किया जाता है। निलबन अवधि में आपका मुख्यालय नगरपालिका परिषद बालाघाट होगा। निलबन अवधि में आपको जीवन निवर्हन भत्ते की नियमानुसार पात्रता होगी। आदेश तत्काल प्रभावशील होगे ।

मुख्य नगरपालिका अधिकारी
नगरपालिका परिषद बालाघाट
जिला-बालाघाट म.प्र.

मिल्क कैपिटल
बनने की दिशा में बढ़ते
मध्यप्रदेश के कदम
नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री
डॉ. मोहन यादव, मुख्यमंत्री
राज्य स्तरीय
दुग्ध उत्पादक एवं पशुपालक सम्मेलन
मुख्य अतिथि
डॉ. मोहन यादव
मुख्यमंत्री, मध्यप्रदेश
4 मई, 2026 | मेला ग्राउंड, ग्वालियर
समृद्ध किसान समृद्ध प्रदेश
किसान कल्याण वर्ष 2026
समृद्ध पशुपालक - समृद्ध प्रदेश
दुग्ध उत्पादन
• प्रतिदिन 10 लाख लीटर दुग्ध संकलन
• 26 हजार गांवों को जोड़कर 52 लाख लीटर प्रतिदिन संकलन का लक्ष्य
• 226 लाख टन वार्षिक दुग्ध उत्पादन के साथ मध्यप्रदेश देश में तीसरे स्थान पर
दुग्ध प्रसंस्करण में वृद्धि
• इंदौर में प्रतिदिन 30 मीट्रिक टन क्षमता का दुग्ध चूर्ण संयंत्र प्रारंभ
• 5 वर्षों में दुग्ध प्रसंस्करण इकाइयों में ₹ 3034 करोड़ का निवेश
• 153 नए बल्क मिल्क कूलर स्थापित
नस्ल सुधार एवं स्वास्थ्य
• हिरण्यगर्भा अभियान से नस्ल सुधार
• गोरस मोबाइल ऐप से संतुलित पशु आहार की जानकारी एवं मोबाइल पशु चिकित्सा
• पशु प्रजनन, पशु पोषण और पशु स्वास्थ्य के माध्यम से दुग्ध उत्पादन में वृद्धि
दुग्ध समितियां
• वर्तमान में 7000+ ग्रामीण दुग्ध सहकारी समितियां कार्यशील
• 1752 नयी दुग्ध सहकारी समितियां गठित
निराश्रित गौ-वंश प्रबंधन
• निराश्रित गौ-वंश के बेहतर प्रबंधन एवं संरक्षण हेतु 6000+ एकड़ भूमि आवंटित
• गौ-शाला निर्माण में निजी भागीदारी
उन्नत तकनीक उत्पादन
• पशु चारा संयंत्रों का आधुनिकीकरण और निर्माण
• डेयरी वैल्यू चैन का डिजिटलीकरण
मध्यप्रदेश में पशुपालकों की आय वृद्धि के लिए दुग्ध उत्पादन और संकलन बढ़ाने, उन्नत नस्ल के पशु तैयार करने और आत्मनिर्भर गौ-शालाओं तथा निराश्रित गौ-वंश के स्थायी आश्रय जैसे हमारे प्रयासों से वह दिन दूर नहीं जब मध्यप्रदेश को देश की मिल्क कैपिटल के रूप से जाना जाएगा।
- डॉ. मोहन यादव, मुख्यमंत्री
D11015/26
सीधा प्रसारण
Webcast.gov.in/mp/cmevents
@Cmmadhyapradesh
@Jansampark.madhyapradesh
@Cmmadhyapradesh
@JansamparkMP
JansamparkMP

न्यूज गैलरी

घर के सामने रखी बाइक हुई चोरी

पुलिस ने अज्ञात चोरो पर दर्ज किया मामला

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। शहर में चोरों के हौसले बुलंद हैं ताजा मामला वार्ड नंबर 5 रेलवे स्टेशन रोड़ का है जहाँ एक युवक के घर के सामने खड़ी मोटरसाइकिल को अज्ञात चोरों ने दिनदहाड़े पार कर दिया।

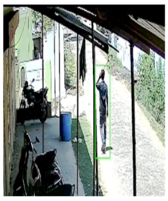

पीड़ित की शिकायत पर वारासिवनी पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार वार्ड नंबर 5 निवासी इमरान पिता मोहम्मद शब्बीर खान जो कि एमपीईबी में आउटसोर्स कर्मचारी हैं। रविवार की सुबह करीब 10 बजे अपनी ड्यूटी खत्म कर घर लौटे थे। उन्होंने अपनी हीरो होंडा पैशन प्रो सिल्वर ब्लैक कलर जिसका रजिस्ट्रेशन नंबर एम पी 50 एम एफ2921 है घर के सामने खड़ी की थी। शाम करीब 5 बजे जब इमरान किसी काम से घर के बाहर आए तो उन्होंने देखा कि वहां मोटरसाइकिल गायब थी। पीड़ित ने तत्काल अपने स्तर पर आस.पड़ोस और क्षेत्र में वाहन की तलाश की लेकिन कहीं पता नहीं चलने पर उन्होंने वारासिवनी थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई। पुलिस ने पीड़ित की शिकायत पर भारतीय न्याय संहिता 2023 की धारा 303,2 के तहत अपराध पंजीबद्ध किया है। चोरी गई बाइक की कीमत करीब 20000 रुपये बताई जा रही है। पुलिस क्षेत्र में लगे सीसीटीवी कैमरों और संदिग्धों की तलाश में जुट गई है।

हीरापुर नाबालिग की मौत में बड़ा खुलासा

एक आरोपी गिरफ्तार, मुख्य आरोपी फरार

शोषण, धमकियों और उपेक्षा से टूटकर किशोरी ने दी जान, पुलिस ने गंभीर धाराओं में दर्ज किया मामला, दूसरे आरोपी की तलाश जारी

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। भरवेली थाना क्षेत्र के हीरापुर पुल पर नाबालिग किशोरी की आत्महत्या का मामला अब गंभीर आपराधिक साजिश और शोषण की परतों को उजागर कर रहा है। पुलिस जांच में सामने आए तथ्यों के आधार पर एक आरोपी लवकुश कोहरे (18 वर्ष) को गिरफ्तार कर लिया गया है, जबकि मुख्य आरोपी अजीत बाहेश्वर घटना के बाद से लगातार फरार है। पुलिस उसकी गिरफ्तारी के लिए संभावित ठिकानों पर दबिश दे रही है। घटना 27 मार्च की है, जब मृतिका के पिता बबलू खान ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई कि उनकी नाबालिग बेटी हीना खान का शव हीरापुर पुल की रेलिंग से लटका मिला। सूचना मिलते ही पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू की और इसे गंभीरता से लेते हुए हर पहलू पर बारीकी से पड़ताल की गई।

जांच के दौरान एफएसएल टीम को मौके पर बुलाया गया, जहां वैज्ञानिक तरीके से साक्ष्य जुटाए गए। पंचनामा कार्रवाई के साथ घटनास्थल का सूक्ष्म निरीक्षण किया गया। वहीं मृतिका का पोस्टमार्टम जिला अस्पताल में महिला चिकित्सकों की टीम द्वारा किया गया, ताकि किसी भी प्रकार की शंका को स्पष्ट किया जा सके। जांच में सामने आया कि किशोरी को आरोपी लवकुश कोहरे और अजीत बाहेश्वर द्वारा बहला-फुसलाकर मोटरसाइकिल में बैठाकर ले जाया गया था। इसके बाद मुख्य आरोपी अजीत द्वारा किशोरी के साथ शारीरिक शोषण किया गया। घटना के बाद उसे अकेले छोड़ दिया गया और जब उसने संपर्क करने की कोशिश की तो आरोपी ने बात करने से भी इनकार कर दिया। पुलिस सूत्रों के अनुसार, इस घटना के बाद किशोरी मानसिक रूप से पूरी तरह टूट चुकी थी। सामाजिक दबाव, मानसिक प्रताड़ना और उपेक्षा के कारण वह गहरे तनाव में आ गई थी। अंततः उसने हीरापुर पुल की रेलिंग से फांसी लगाकर अपनी जीवनलीला समाप्त कर ली। जांच में यह भी पाया गया कि लवकुश कोहरे ने इस पूरे घटनाक्रम में सहयोग किया और मुख्य आरोपी को मदद पहुंचाई, जिसके चलते उस पर दुष्प्रेरण सहित अन्य गंभीर धाराएं लगाई गई हैं। पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता की धारा 137(2), 107, 49 सहित पॉक्सो एक्ट के तहत अपराध पंजीबद्ध किया है। 3 मई को आरोपी लवकुश कोहरे को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई, जहां उसने अपने साथी के साथ मिलकर अपराध करना स्वीकार किया। इसके बाद उसकी विधिवत गिरफ्तारी कर ली गई। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से घटना में प्रयुक्त मोबाइल फोन और मोटरसाइकिल भी जप्त कर ली है, जिन्हें जांच में महत्वपूर्ण साक्ष्य माना जा रहा है। मुख्य आरोपी अजीत बाहेश्वर की तलाश के लिए पुलिस लगातार छापेमारी कर रही है। उसके संभावित ठिकानों की जानकारी जुटाई जा रही है और जल्द गिरफ्तारी का दावा किया जा रहा है। इस हृदयविदारक घटना के बाद पूरे क्षेत्र में आक्रोश का माहौल है। स्थानीय लोगों और सामाजिक संगठनों ने दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है, ताकि पीड़ित परिवार को न्याय मिल सके। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच अभी जारी है और जो भी तथ्य सामने आएंगे, उनके आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

सीढ़ी से गिरकर घायल व्यक्ति की मौत के बाद दफन शव निकलवाकर कराया पोस्टमार्टम

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले के रूपझर थाना अंतर्गत सोनेवानी पुलिस चौकी क्षेत्र के ग्राम कोड़का में सीढ़ी से गिरकर घायल हुए 42 वर्षीय व्यक्ति तिजुलाल वरकड़े की मौत के बाद परिजनों द्वारा बिना पोस्टमार्टम के दफनाए गए शव को कब्र से निकलवाकर पोस्टमार्टम कराया गया। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंपा दिया गया। जिसे दोबारा दफना दिया गया।

क्या है पूरा मामला

प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम कोड़का निवासी तिजुलाल वरकड़े खेती-किसानी कर परिवार चलाते थे। उनकी पत्नी 2 साल पहले उन्हें छोड़कर जा चुकी थी। तिजुलाल अपने 12 और 15 वर्ष के दो बेटों के साथ रहते थे। 24 अप्रैल को तिजुलाल अपने मकान की छत पर जाने के लिए सीढ़ी लगा रहे थे। इसी दौरान अचानक सीढ़ी से गिर गये। जिससे वे गंभीर रूप से घायल हो गए थे। परिजनों ने उन्हें जिला अस्पताल बालाघाट में भर्ती कराया। जिला अस्पताल पुलिस ने तिजुलाल का बयान दर्ज कर अस्पताल तहरीर अग्रिम कार्रवाई के लिए रूपझर थाना भेज दी थी। इधर बेहतर इलाज के लिए तिजुलाल को बालाघाट नगर के एक निजी अस्पताल में भर्ती किया गया था।लेकिन आर्थिक तंगी के कारण परिजन कुछ दिन बाद उन्हें घर ले आए थे। 28 अप्रैल को घर पर ही तिजुलाल की मौत हो गई।

परिजनों ने उसी दिन बिना पुलिस को सूचना दिए शव को दफना कर अंतिम संस्कार कर दिये थे।

पुलिस ने ऐसे कराया उत्खनन

जब अस्पताल तहरीर रूपझर थाने से सोनेवानी पुलिस चौकी पहुंची तो जांच में सामने आया कि तिजुलाल की मृत्यु हो चुकी है और पोस्टमार्टम के बिना ही शव दफना दिया गया है। इस पर 3 मई को सोनेवानी पुलिस चौकी प्रभारी लक्ष्मीचंद बाहेश्वर और परसवाड़ा तहसीलदार पूर्णिमा भगत की मौजूदगी में ग्राम कोड़का पहुंचकर प्रशासन के द्वारा दफन शव का उत्खनन कराया गया। पंचनामा कार्रवाई के बाद शव को जिला अस्पताल बालाघाट लाकर पोस्टमार्टम करवाया गया। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। जिसे पुनः दफन कर दिया गया।सोनवानी पुलिस चौकी प्रभारी लक्ष्मी चंद बाहेश्वर द्वारा मामले में मर्ग कायम कर जांच की जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद मौत के वास्तविक कारणों का खुलासा होगा।

पटाखा फोड़ते समय युवक की हथेली के उड़े चिथड़े

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। ग्रामीण थाना क्षेत्र के ग्राम बगदरा में एक शादी समारोह के दौरान पटाखा फोड़ते समय हादसा हो गया। पटाखा अचानक हाथ में फटने से युवक के बाएं हाथ की हथेली बुरी तरह जख्मी हो गई। घायल युवक रोहित पिता सुंदरलाल डहारे 23 को तुरंत जिला अस्पताल बालाघाट लाकर उसका इलाज किया गया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, घायल युवक रोहित डहारे ग्राम बगदरा निवासी पेशे से ड्राइवर है। 3 मई को दोपहर करीब 2:00 बजे रोहित अपने भाई आकाश वाघाडे की शादी में शामिल होने गया था। दोपहर करीब 3:00 बजे शादी में खुशी के माहौल के बीच रोहित पटाखा फोड़ रहा था। इसी दौरान एक पटाखा उसके बाएं हाथ की हथेली में ही फट गया। धमाका इतना तेज था कि रोहित की हथेली के चिथड़े उड़ गए और वह घायल हो गया।

घायल रोहित के उसके दोस्तों ने तत्काल जिला अस्पताल बालाघाट पहुंचाये। जहा उसके हाथ के हथेली की मलहम पट्टी कर इलाज शुरू किया।

AICTE भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त एवं RGPV & DTE भोपाल से सम्बध्द
सतपुड़ा कॉलेज ऑफ
इंजीनियरिंग एण्ड पॉलिटेक्निक
बी.टेक. पॉलिटेक्निक
JOB SAHi
- कम्प्यूटर साइंस इंजीनियरिंग
- माईनिंग इंजीनियरिंग
- सिविल इंजीनियरिंग
- मैकेनिकल इंजीनियरिंग
- इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग

ADMISSION OPEN
नई शिक्षा नीति के तहत किसी भी ब्रांच से डिप्लोमा उत्तीर्ण छात्रों का Lateral Entry द्वारा बी.टेक. के द्वितीय वर्ष में सीधे प्रवेश
सतपुड़ा कैम्पस, लालबर्रा रोड, गर्रा-बालाघाट
6262604111, 9425836824 www.satpudaengineeringcollege.com

पैसा ठीक होने के बाद देना
शादी से पहले एवं शादी के बाद
उम्र की अधिकता से कमजोर सेक्स, शीघ्रपतन, स्वप्नदोष, लिंग का छोटापन, टेडापन, निःसंतान, शुक्राणुओं की कमी, शुगर से आयी कमजोरी आदि सभी सेक्स समस्याओं का शर्तिया ईलाज किया जाता है।
पता-जगजीवन आयुर्वेदिक दवाखाना
गुरूनानक पेट्रोल पंप के सामने समाजवाड़ी रोड, बालाघाट, मो. 9243880464

आवश्यकता है
पेट्रोल पंप में काम करने हेतु युवक/ युवती की आवश्यकता है युवतियों को विशेष प्राथमिकता
युवक-4 पद, युवती 4 पद, मेनेजर 2 पद, वेतनमान-योग्यता अनुसार
सम्पर्क करें- रूसिया फ्यूल बालाघाट रोड़ , अभिषेक पेट्रोलियम चंदोरी कटंगी रोड़ वारासिवनी
मों.नं.6260987149, 7974436365, 9822219741, 9713298484

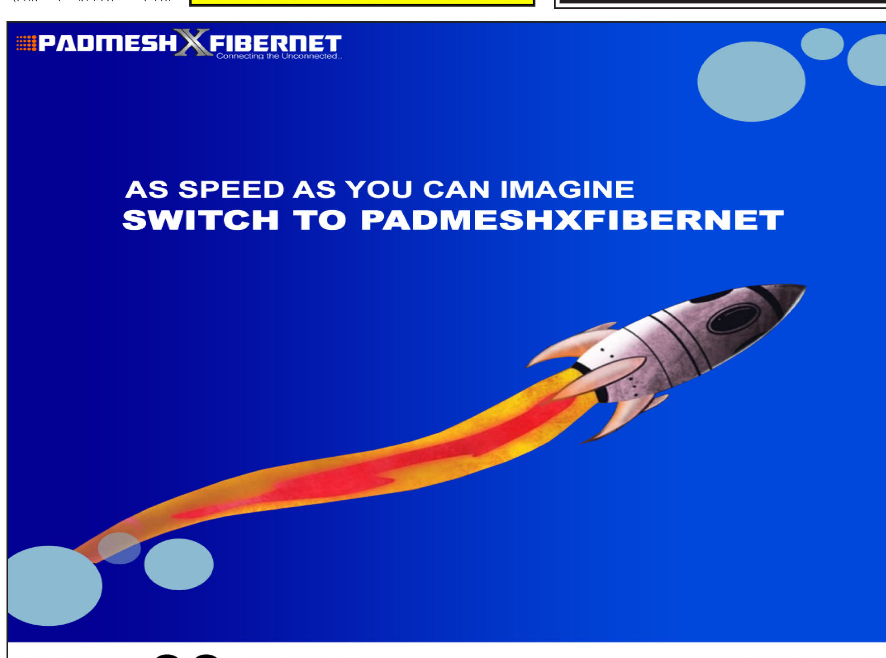

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.9, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर दैनिक बालाघाट एक्सप्रेस कार्यालय, काली पुतली चौक, बालाघाट(म.प्र.) से प्रकाशित, **प्रधान संपादक : उमेश बागरेचा**, मो.नं. :9425138710, , ई-मेल- balaghatexpress@gmail.com पंजीयन क्रं. MPHIN/2009/32311, न्यायालयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट